वर्ष 73 ▸ अंक 202 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, मंगलवार 21 अप्रैल, 2026
वैशाख शुक्ल पक्ष 04, विक्रम संवत् 2083
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

साहस आगे बढ़ने की शक्ति होना नहीं है, यह शक्ति न होने पर भी आगे बढ़ते जाना साहस है।
-नेपोलियन

ऑफ बीट

3 करोड़ की है इंसानों को धोने वाली मशीन

जापान की कंपनी साइंस ने एक्पो 2025 में इंसानों को धोने वाली मशीन प्रदर्शित की थी। अब कंपनी इसे बाजार में उतारने की तैयारी में है। इस हाई-टेक मशीन की कीमत करीब 60 मिलियन येन (3 करोड़ रुपये से ज्यादा) बताई जा रही है। शुरुआती चरण में कंपनी केवल 40 से 50 यूनिट ही बनाएगी, जिससे यह फिलहाल आम लोगों की पहुंच से दूर है। यह मशीन एक साइंस-फिक्शन फिल्म के उपकरण जैसी दिखती है। करीब 7.5 फीट लंबे इस कैप्सूल में आरामदायक सीट है, जहां बैठकर यूजर पूरी तरह ऑटोमैटिक बाथिंग का अनुभव ले सकता है। पूरा प्रोसेस लगभग 15 मिनट में पूरा हो जाता है। इस मशीन में पारंपरिक पानी के दबाव की जगह माइक्रोबबल्स और हल्की भाप का इस्तेमाल किया जाता है। ये सूक्ष्म बुलबुले त्वचा से गंदगी, तेल और मृत

आईपीएल में आज

हैदराबाद बनाम दिल्ली

समय : शाम 7.30 बजे से

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणाम: मुंबई ने गुजरात को 99 रनों से हराया।

ट्रंप का दावा: ईरान से आज रात ही साइन कराएंगे डील

वार्ता पर सस्पेंस: वेंस के दौरे पर भ्रम, ईरान बोला- नाकेबंदी हटाओ, फिर वार्ता

वॉशिंगटन डीसी/इस्लामाबाद/तेहरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि ईरान के साथ समझौता 'आज ही रात' साइन कराया जा सकता है। हालांकि जमीनी हालात और ताजा रिपोर्ट्स इस दावे पर सवाल खड़े कर रही हैं और वार्ता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इंटरव्यू और सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच डील बहुत जल्दी हो जाएगी। वे किसी दबाव में नहीं हैं और अमेरिका युद्ध में 'बड़ी बढ़त' पर है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पाकिस्तान में चल रही कूटनीतिक कोशिशों के जरिए समझौते को अंतिम रूप दिया जा सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, ट्रंप का बयान दबाव बनाने की रणनीति भी हो सकता है। जमीनी स्तर पर अभी कई मुद्दे सुलझने बाकी हैं। बिना ईरान की सहमति के डील संभव नहीं है। इस बीच, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पाकिस्तान रवाना होने को लेकर भ्रम की स्थिति बनी रही। ट्रंप ने दावा किया था कि वेंस इस्लामाबाद के लिए निकल चुके हैं, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे अभी वॉशिंगटन में ही मौजूद थे। हालांकि, संभावना जताई जा रही है कि वेंस जल्द ही वार्ता के लिए पाकिस्तान जा सकते हैं। स्थिति और जटिल इसलिए भी है क्योंकि इजराइल-लेबनान के बीच अस्थायी सीजफायर लागू है, लेकिन हमले और तनाव जारी हैं। पश्चिम एशिया में कई मोर्चों पर अस्थिरता बनी हुई है।

ट्रंप बोले- ईरान युद्ध मेरा फैसला, इजराइल ने नहीं उकसाया

इस बीच, ट्रंप ने कहा है कि ईरान के खिलाफ युद्ध का फैसला उनका खुद का था और इसमें इजराइल की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर लिखा कि इजराइल ने मुझे ईरान के साथ युद्ध में नहीं धकेला। ट्रंप ने बताया कि इस फैसले की पीछे की वजह ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देना और 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल हमास की हमले की घटना थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मीडिया और सर्वे इजराइल के उकसावे को लेकर झूठी और मनगढ़ंत खबरें फैला रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर ईरान में नया नेतृत्व समझदारी से काम करे तो देश का भविष्य बेहतर और समृद्ध हो सकता है।

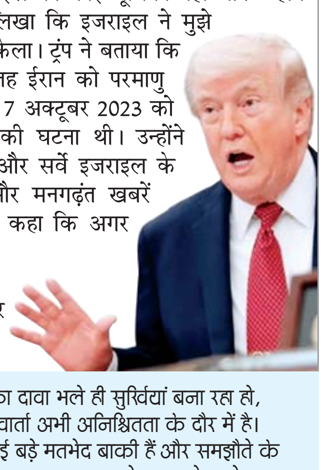

अगले 48 घंटे हैं अहम: ट्रंप का दावा भले ही सुर्खियां बना रहा हो, लेकिन मौजूदा हालात जुदा हैं। वार्ता अभी अनिश्चितता के दौर में है। अमेरिका और ईरान के बीच कई बड़े मतभेद बाकी हैं और समझौते के लिए दोनों पक्षों को अभी लंबा रास्ता तय करना होगा। आने वाले 24-48 घंटे बेहद अहम होंगे, जिनसे यह तय होगा कि यह दावा वास्तविकता में बदलता है या सिर्फ कूटनीतिक दबाव की रणनीति साबित होता है।

ईरान बोला- वार्ता की कोई योजना नहीं

ईरान ने साफ कहा है कि फिलहाल इस्लामाबाद में अगले दौर की वार्ता की कोई योजना नहीं है। अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी समझौते के खिलाफ है। अमेरिकी 'धमकी भरी भाषा' से हालात और बिगड़ रहे हैं। यानी, जहां ट्रंप तेजी से डील की बात कर रहे हैं, वहीं ईरान का रुख फिलहाल कठोर नजर आ रहा है।

पश्चिम एशिया के हालात

- होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तनाव बढ़ा
- तेल की कीमतों में तेज उछाल
- भारतीय जहाजों पर भी फायरिंग की खबर
- ईरान ने वार्ता से दूरी बनाई
- अमेरिका ने नाकेबंदी जारी रखने का संकेत दिया

होर्मुज स्ट्रेट बना बड़ा मुद्दा

वार्ता में सबसे बड़ा विवाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर है।

- अमेरिका ने ईरानी जहाज पर कार्रवाई कर तनाव बढ़ाया
- ईरान ने इसे उकसावे की कार्रवाई बताया
- यह समुद्री रास्ता वैश्विक तेल सप्लाई के लिए बेहद अहम है, इसलिए इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।

पाकिस्तान में वार्ता की तैयारी

पाकिस्तान में संभावित अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

- वार्ता के लिए सुरक्षा की दृष्टि से इस्लामाबाद के होटलों को खाली कराया गया
- हजारों सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए
- अमेरिकी सैन्य विमान भी पहुंचे
- हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि वार्ता कब और कैसे शुरू होगी।

महिला आरक्षण से जुड़ा बिल गिरने पर भाजपा की जनाक्रोश यात्रा

विपक्ष के खिलाफ लाएंगे निंदा प्रस्ताव: मुख्यमंत्री

भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर मुख्यमंत्री ने काले गुब्बारे उड़ाकर विरोध जताया। *फोटो: एचसी वर्मा*

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान का 131वां संशोधन बिल गिरने के बाद भाजपा ने विपक्षी दलों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को राजधानी में भाजपा की जनाक्रोश रैली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और कई महिला मंत्री, विधायक, सांसद समेत हजारों महिला कार्यकर्ता शामिल हुए और मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय से रोशनपुरा चौराहे तक पैदल मार्च कर विपक्षी दलों के खिलाफ मोर्चा खोला। जनाक्रोश रैली के साथ सीएम एमवीएम मैदान से रोशनपुरा तक गए, जिसमें हजारों की संख्या में भाजपा की महिला कार्यकर्ता शामिल थीं। यहां मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के आधा दर्जन साथियों, भाजपा के पदाधिकारियों और महिला सांसदों और विधायकों के साथ काले गुब्बारे उड़ाकर विरोध जताया।

जनाक्रोश रैली से पहले आयोजित की गई सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि नारी अपना अपमान कभी नहीं भूलती।

प्रियंका-राहुल-राजीव पर सीधा हमला

सीएम ने अपने संबोधन में कांग्रेस के नेताओं को निशाने पर लेते हुए कहा कि प्रियंका गांधी खुद कहती थीं कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं, लेकिन जब बहनों के हक की बात आई तो पीछे हट गईं। उन्होंने राहुल गांधी पर भी इस विधेयक को लेकर महिलाओं और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। डॉ. यादव ने कहा कि राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी ने भी 40 साल पहले तीन तलाक लागू कर बहनों के अधिकारों पर डाका डाला था और कांग्रेस इसी चरित्र पर चल रही है।

उन्होंने कहा कि इस संविधान संशोधन बिल से करोड़ों बहनों के सपने पूरे होते, विपक्ष ने न केवल इसे फांसी दे दी बल्कि इसका जश्न भी मनाया। सीएम ने इस दौरान घोषणा करते हुए कहा कि इसकी निंदा के लिए राज्य सरकार विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर निंदा प्रस्ताव पारित करेगी।

संक्षिप्त खबरें

विजय-संगीता के तलाक पर सुनवाई 15 जून को

चेन्नई, जेएनएन। तमिल सुपरस्टार और राजनेता थलापति विजय और उनकी पत्नी संगीता सोर्नालिंगम के तलाक मामले में सुनवाई टल गई है। चेन्नई के चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 15 जून तय की है। न्यायाधीश शशिकला के कोर्ट में संक्षिप्त सुनवाई के बाद अदालत ने मामले को स्थगित करते हुए दोनों पक्षों को अगली तारीख पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए। विजय के वकील ने अदालत को बताया कि अभिनेता चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं।

छत्तीसगढ़ का जग्गी हत्याकांड

अमित जोगी को राहत नहीं, 23 को सुनवाई

बिलासपुर, जेएनएन। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले से जुड़े दोनों प्रकरणों की संयुक्त सुनवाई 23 अप्रैल को तय की है। अमित जोगी ने दो अलग-अलग आदेशों को चुनौती दी थी। इसमें सीबीआई को अपील की अनुमति देने वाला आदेश और छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट का वह फैसला, जिसमें उन्हें दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों मामलों पर एक साथ सुनवाई करने का फैसला लिया है।

ट्रंप टैरिफ का रिफंड शुरू

आयातकों को लौटाए जाएंगे 13.8 लाख करोड़ रुपए

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को अवैध ठहराए जाने के बाद अब इतिहास का सबसे बड़ा टैरिफ रिफंड शुरू हो गया है। अमेरिकी सरकार 13.8 लाख करोड़ रुपये कंपनियों और आयातकों को वापस करने जा रही है। कंपनियां इसके लिए नए ऑनलाइन पोर्टल के जरिए आवेदन कर सकती हैं। यह कदम अमेरिकी न्यायपालिका के ऐतिहासिक फैसले के बाद उठाया गया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 20 फरवरी को अपने अहम फैसले में ट्रंप प्रशासन के टैरिफ को गैर-कानूनी करार देते हुए रद्द कर दिया था। अदालत ने माना कि इन टैरिफ को लागू करने में आपातकालीन शक्तियों का दुरुपयोग किया गया। इसके बाद यूनाइटेड स्टेट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने आदेश दिया कि आयातकों से वसूली गई राशि ब्याज समेत वापस की जाए। इसी आदेश के तहत अब रिफंड प्रक्रिया शुरू हुई है। इस फैसले से करीब 3.3 लाख आयतकों को राहत मिलेगी, जिन्होंने पिछले साल कार पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्टफोन और अन्य उत्पादों पर भारी टैरिफ चुकाया था।

60-90

दिन में मिलेगा पैसा

यदि आवेदन में सभी दस्तावेज सही और पूर्ण होते हैं, तो 60 से 90 दिनों के भीतर भुगतान किया जा सकता है। हालांकि, यदि किसी मामले में जांच या अतिरिक्त दस्तावेजों की जरूरत पड़ी, तो रिफंड में देरी भी हो सकती है।

कई देशों को मिलेगी राहत

फायदा हर किसी तक नहीं पहुंचेगा

- ज्यादातर कंपनियों को सीधा रिफंड नहीं मिलेगा
- उन्हें अमेरिकी खरीदारों पर निर्भर रहना होगा

1. सीधे रिफंड का मौका (सीमित कंपनियों को): अन्य देशों की कंपनियां अमेरिका में 'इंपोर्टर्स ऑफ रिकॉर्ड' के रूप में रजिस्टर्ड थीं और जिन्होंने खुद टैरिफ भुगतान किया था, उन्हें रिफंड का रास्ता खुल गया है। कंपनियों को टैरिफ की पूरी रकम और ब्याज मिलेगा। इससे लागत घटेगी और कैश फ्लो सुधरेगा। हालांकि, यह फायदा चुनिंदा बड़ी कंपनियों तक सीमित रहेगा।

2. अप्रत्यक्ष राहत (ज्यादातर कंपनियों के लिए): अन्य देशों की अधिकतर कंपनियां अमेरिकी खरीदारों के जरिए निर्यात करती हैं। ऐसे में टैरिफ का रिफंड अमेरिकी इंपोर्टर्स को मिलेगा। रिफंड का फायदा भारतीय सप्लायर्स तक पहुंचेगा। अमेरिकी कंपनियां कीमतें घटा सकती हैं। नए ऑर्डर बढ़ सकते हैं। सप्लाई चेन फिर से सक्रिय हो सकती है।

3. निर्यात बढ़ने की संभावना: टैरिफ हटने और रिफंड मिलने से अमेरिकी बाजार में मांग बढ़ सकती है। इससे कुछ सेक्टर्स को फायदा मिलेगा। ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल और गारमेंट, केमिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स पर असर पड़ेगा।

कैश फ्लो और निवेश में सुधार: आयातकों को मिलने वाले रिफंड से कंपनियों के पास अतिरिक्त पूंजी आएगी, जिससे उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। नई टेक्नोलॉजी में निवेश संभव होगा और कर्ज कम करने में मदद मिलेगी।

जापान: 3 मीटर ऊंची सुनामी की चेतावनी

समुद्र तट से 100 किलोमीटर दूर और 10 किलोमीटर की गहराई पर आया 7.5 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो, जेएनएन। जापान में सोमवार दोपहर 1.23 बजे (भारतीय समयानुसार) 7.5 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे कई इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। भूकंप का केंद्र समुद्र में तट से करीब 100 किमी दूर और 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के बाद जापानी मौसम विभाग ने इवाते, होक्काइडो और आओमोरी के तटीय क्षेत्रों में 3 मीटर तक ऊंची सुनामी की चेतावनी जारी की है। भूकंप के बाद इवाते क्षेत्र में करीब 3 फीट, जबकि मियाको और हाचिनोहे में लगभग डेढ़ फीट तक समुद्री लहरें दर्ज की गईं। अधिकारियों के अनुसार, इन क्षेत्रों में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है। भूकंप के बाद सुरक्षा के मद्देनजर तोहोकू शिंकानसेन बुलेट ट्रेन सेवा को टोक्यो और शिन-आओमोरी के बीच अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। यामागाता और अकिता शिंकानसेन सेवाएं भी बंद की गई हैं। इवाते में लोकल ट्रेन सेवाएं भी रोक दी गई हैं, जबकि कुछ लाइनों पर होक्काइडो में भी असर पड़ा है।

लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश

होक्काइडो, आओमोरी, इवाते, मियागी और फुकुशिमा प्रांतों के 1.7 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए हैं। तटीय इलाके खाली कराएं हैं और लोगों से समुद्र तट व नदियों से दूर रहने की अपील की है। प्रधानमंत्री साने ताकाईची ने लोगों से ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा है।

राजस्थान: एचपीसीएल रिफाइनरी में भीषण आग, पीएम का दौरा स्थगित

बाड़मेर/बालोतरा (राजस्थान), जेएनएन। राजस्थान के बाड़मेर जिले के पास बालोतरा स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की रिफाइनरी में सोमवार दोपहर करीब 2 बजे भीषण आग लग गई। आग रिफाइनरी की कच्चा तेल शोधन से जुड़ी दो अहम यूनिट क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) और वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट (वीडीयू) में लगी। घटना के बाद यूनिट से घना धुआं उठता देख कर्मचारियों ने तुरंत फायर सेफ्टी सिस्टम सक्रिय किया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

उद्घाटन से एक दिन पहले हादसा

करीब 79 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनी इस महत्वाकांक्षी रिफाइनरी का उद्घाटन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले थे। हादसे के बाद सुरक्षा कारणों से उनका दौरा स्थगित कर दिया गया है।

दो घंटे हवा में चक्कर लगाती रही फ्लाइट

बेंगलुरु, जेएनएन। हैदराबाद से हुबली जा रही एफआई491 एयरलाइन की एक फ्लाइट रविवार को खराब मौसम के कारण करीब 2 घंटे तक हवा में चक्कर काटती रही। इस दौरान विमान में तेज झटके महसूस हुए, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यात्री घबराए हुए नजर आए। कई लोग रोते हुए और हाथ जोड़कर प्रार्थना करते दिखे, जबकि कुछ यात्रियों ने एक-दूसरे को दिलासा देने की कोशिश की। जानकारी के मुताबिक फ्लाइट रविवार दोपहर करीब 3 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी और इसे शाम 4.30 बजे हुबली पहुंचना था। लेकिन खराब मौसम के चलते विमान वहां लैंड नहीं कर सका। इसके बाद विमान को हवा में होल्ड पर रखा गया।

खेल का बाजार — निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद और आकर्षक विकल्प बनी सबसे बड़ी खेल लीग

रिकॉर्ड: 40 मिनट में बढ़ी 464 फीसदी व्यूअरशिप

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अब महज क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं, बल्कि एक मजबूत वैश्विक बिजनेस मॉडल बन चुका है। 28 मार्च से शुरू हुए आईपीएल 2026 सीजन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यह लीग निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद और आकर्षक विकल्प बनती जा रही है। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जॉयन्ट्र्स के मैच के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्यूअरशिप ने नया रिकॉर्ड बनाया। टॉस से पहले 55 लाख दर्शक जुड़े, जो पहली गेंद तक 1.55 करोड़ और पहले ओवर के अंत तक 3.1 करोड़ तक पहुंच गए। महज 40 मिनट में व्यूअरशिप में 464 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि 2027 में नए मीडिया राइट्स और टीमों की संभावित बढ़ोतरी के साथ आईपीएल की वैल्यूएशन 19-20 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। युवा खिलाड़ियों का उभार, तेज बल्लेबाजी और बढ़ती दर्शक संख्या आईपीएल को लगातार नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।

मीडिया राइट्स से भारी कमाई

बीसीसीआई ने 2023-2027 के लिए मीडिया राइट्स करीब 48,390 करोड़ रुपये में बेचे हैं। इसका बड़ा हिस्सा टीमों को मिलता है, जिससे उनका रेवेन्यू स्थिर और सुनिश्चित रहता है। इसी वजह से आईपीएल की प्रति मैच कमाई दुनिया की अन्य क्रिकेट लीग्स से कहीं ज्यादा हो गई है।

टीमों की वैल्यूएशन आसमान पर

बेंगलुरु और राजस्थान की हिस्सेदारी बिक्री ने आईपीएल की आर्थिक ताकत को और मजबूत किया है।

- आरसीबी की वैल्यूएशन करीब 1.78 बिलियन डॉलर (लगभग 16,600 करोड़ रुपये) हो गई है
- राजस्थान रॉयल्स की वैल्यूएशन करीब 1.63 बिलियन डॉलर (लगभग 15,290 करोड़ रुपये) है

यह बढ़ोतरी 'डिमांड और सप्लाई' के सिद्धांत पर आधारित है, क्योंकि लीग में सिर्फ 10 टीमें हैं और वैश्विक निवेशक इसमें हिस्सेदारी चाहते हैं।

2008 से 2026 तक जबरदस्त ग्रोथ

आईपीएल की शुरुआत 2008 में हुई थी। तब आरसीबी करीब 111.6 मिलियन डॉलर में बिकी थी, जबकि राजस्थान रॉयल्स सिर्फ 67 मिलियन डॉलर में। आज इनकी वैल्यू कई गुना बढ़ चुकी है। राजस्थान रॉयल्स की कीमत में 2000 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल आया है।

बड़ा निवेश, कम जोखिम

ब्लैकस्टोन और सीवीसी कैपिटल जैसे बड़े वैश्विक निवेशकों की मौजूदगी दिखाती है कि आईपीएल एक सुरक्षित निवेश प्लेटफॉर्म बन चुका है। लीग की निरंतरता इसकी सबसे बड़ी ताकत है। कोविड महामारी या चुनाव जैसे हालात भी इसे रोक नहीं पाए।

16 बिलियन डॉलर का इकोसिस्टम

आज आईपीएल का कुल इकोसिस्टम 16 बिलियन डॉलर से ज्यादा का हो चुका है। रेवेन्यू के मामले में यह अब अमेरिका की एनएफएल के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच चुका है। दिलचस्प बात यह है कि केवल 2 महीने के सीजन के बावजूद आईपीएल प्रति मैच वैल्यूएशन में इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) जैसी बड़ी फुटबॉल लीग को भी पीछे छोड़ चुका है।

अनिल अंबानी की आरकॉम के दो वरिष्ठ अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। सीबीआई ने उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशन्स (आरकॉम) से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारियों के नाम डी विश्वनाथ और अनिल काल्या बताए गए हैं, जिन्हें जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई ने यह कार्रवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की शिकायत के आधार पर की है। आरोप है कि कंपनी ने बिजनेस संचालन के लिए बैंकों से ली गई बड़ी रकम का गलत इस्तेमाल किया और उसे शेल कंपनियों में ट्रांसफर कर दिया। जांच में सामने आया है कि कंपनी के कुछ अधिकारियों ने कई शेल कंपनियां बनाईं और बैंकों से मिली रकम को इन खातों में ट्रांसफर किया गया। यह लेनदेन फर्जी ट्रांजैक्शन के नाम पर किए गए।

17 बैंकों को 20 हजार करोड़ की चपत

एसबीआई के अनुसार, इस धोखाधड़ी के चलते बैंक को 2929.05 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, जबकि कुल मिलाकर 17 बैंकों को करीब 19,694.33 करोड़ रुपये की चपत लगी है।

शहर की यातायात व्यवस्था चरमराई, सभी प्रमुख चौराहों पर लगता है जाम

शादी समारोहों एवं नो-इंट्री खुलने के बाद एंबुलेंस तक होती हैं जाम की शिकार

जागरण, रीवा। शादी समारोहों के इस मौसम में खरीदारी अचानक बढ़ जाने से शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। शहर के प्रत्येक प्रमुख चौराहों पर जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। यातायात पुलिस और नगर निगम की लापरवाही से रीवा शहर यातायात की बदहाली का प्रतीक बन गया है। सुबह से देर शाम तक शहर की प्रमुख सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आते हैं। आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में रात के समय नो इंट्री खुलने के बाद तो भारी वाहनों की धमाचौकड़ी शुरू हो जाती है। उसके बाद हालात और खराब हो जाते हैं। इस अव्यवस्था का सबसे चिंताजनक पहलू तब देखने को मिलता है जब गंभीर मरीज को ले जा रही एंबुलेंस तक जाम की शिकार होकर भीड़ में खड़ी नजर आती है। दिन भर सड़कों एवं चौराहों पर लगने वाले जाम ने यातायात प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिरकार ऐसे समय में यातायात पुलिस कहां चली जाती है।

प्रमुख चौराहों पर लगा घंटों जाम

शहर के लगभग सभी मुख्य चौराहे जाम से जूझ रहे हैं। सोमवार को गुढ़ चौराहा, अस्पताल चौराहा, धोबिया टंकी, सिरमौर चौराहा, दोनों बस स्टैण्ड, जय स्तंभ, ढेकहा तिराहा, अमहिया और कलेक्ट्रेट के आसपास घंटों तक यातायात अव्यवस्थित रहा। फोर्ट रोड पर तो स्थिति बेहद खराब है। जब वाहनों का लंगा जाम लग जाता है तो एकाध पुलिसिये भी कुछ नहीं कर पाते हैं। शहर की यातायात व्यवस्था कितनी चरमरा गई है।

शाम से रात तक हालात और बदतर

लगभग पूरा शहर सोमवार सुबह से रात तक जाम में फंसा रहा। अक्षय तृतीया पर लग्न होने से सुबह से ही शहर के मुख्य बाजार खरीदारों की भीड़ से पटे रहे, अधिकतर स्थानों पर वाहन पार्किंग न होने व बीच सड़क पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों के चलते जगह-जगह जाम देखने को मिला। ढेकहा से लेकर रतहरा तक व जय स्तंभ से लेकर गुढ़ चौराहे के आगे तक आवागमन का दबाव बना रहा, जिससे बीच-बीच में वाहनों के पहिए थमने से दोनों ओर वाहनों की कतार लगने से जाम में फंसे वाहन चालक हॉर्न बजाते रहे, सबसे अधिक परेशानी एम्बुलेंस चालकों को हुई जो मरीज लेकर जा रहे थे, वाहनों के फंसे होने से एम्बुलेंस को भी निकलने का स्थान नहीं मिला। मुख्य मार्ग सहित शहर के सिरमौर चौराहा स्थित ओवर ब्रिज, समान ओवर ब्रिज व रेलवे ओवर ब्रिज में दिनभर में कई बार वाहनों की कतार लगी देखी गई।

छाता, स्कार्फ, गमझे कर रहे गर्मी से बचाव

41 के ऊपर अटका अधिकतम तापमान, गर्मी ने किए हाल-बेहाल

जागरण, रीवा। अप्रैल माह में ही गर्मी अपना रौद्र रूप दिखा रही है, सूर्योदय के साथ ही सूर्य नारायण अपने तीखे तेवर दिखाने लगते हैं, इसके पूर्व वातावरण शीतल रहता है, किन्तु धूप खिलते ही लोगों को कचोटने लगती है। शहरवासी गमछा, स्कार्फ व छाते से गर्मी से बचाव करने का प्रयास कर रहे हैं, किन्तु इसके बाद भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही। दोपहर में गर्म हवाओं के चलते लोग पेड़ आदि के नीचे भी नहीं बैठ पा रहे। घर व कार्योलयों में पंखे, कूलर सहित एसी का उपयोग किया जा रहा है, परन्तु ये भी अधिक देर तक लोगों को गर्मी से राहत नहीं दे पाते। शहर का अधिकतम तापमान 41-42 डिग्री सेल्सियस पर टिका हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान सोमवार को 26-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। रात में तो लोगों को थोड़ी बहुत राहत मिल जाती है, किन्तु सुबह से शाम होने तक लोग गर्मी से हलाकान हैं, अभी अप्रैल माह के दस दिन, मई व जून का महीना लगभग दो-ढाई माह गर्मी के मौसम का शेष समय बचा है।

कर्मचारी संगठन बोले: खोदा पहाड़ निकली चुहिया जैसी स्थिति में नवाचार

अब पोर्टल पर आउटसोर्स कर्मियों का खून चूसेंगे...!

आउटसोर्सिंग को पारदर्शी बनाना सरकार का उद्देश्य

जागरण, रीवा

प्रदेश के आउटसोर्स कर्मचारियों के उचित वित्तीय प्रबंधन हेतु वित्त विभाग द्वारा एक पोर्टल बनाया गया है। इस पोर्टल को लेकर जंग छिड़ गई है। सरकारी दावे जहां इस पोर्टल के माध्यम से आउटसोर्सिंग के हर एक कदम को पारदर्शी बनाने की राह आसान करने वाले हैं, तो वहीं प्रदेश के आउटसोर्स कर्मचारी संगठन इसे छलावा बता रहे हैं। कर्मचारियों का यह भी कहना है कि इसमें कोई परिवर्तन नहीं है। खोदा पहाड़ निकली चुहिया जैसे हालात हैं। पहले ठेकेदार का कंधा आगे करके आउटसोर्स कर्मचारियों का खून चूसा जाता था, अब यही काम पोर्टल के जरिए किया जाएगा। यह भी कहा जा रहा है कि मध्यप्रदेश के शासकीय विभागों के लिए वित्त विभाग द्वारा रिसोर्स आउटसोर्सिंग एजेंसी मैनेजमेंट सिस्टम के पोर्टल बनाने से रीवा सहित प्रदेश के लाखों आउटसोर्स कर्मियों का भविष्य उज्ज्वल नहीं होगा।

पहले और अब में कोई अन्तर नहीं

पहले सभी विभाग अपने-अपने पोर्टल पर आउटसोर्स अनुबंध व वर्क ऑर्डर की प्रविष्टि किया करते थे, परंतु अब नए पोर्टल पर इन्ट्री होगी। परंतु हकीकत यह है कि इस नवाचार से आउटसोर्स कर्मियों को विशेष राहत नहीं मिलेगी। पहले भी प्रिंसिपल नियोक्ता सरकारी सेक्टर था, अब भी नई व्यवस्था में ईएसआई व पीएफ आदि जमा करने की जिम्मेदारी निजी व शासकीय एजेंसी की रहेगी, यानी ठेका प्रथा में मूल परिवर्तन व बड़ा बदलाव पोर्टल बनाने से नहीं हुआ, बल्कि इससे ठेकेदारी प्रथा पर सरकार की डटे रहने की मंशा प्रकट होती है और नयापन कुछ भी नहीं दिख रहा है।

ब्लैकलिस्टेड ठेकेदारों का जिक्र नहीं

जिन ठेका श्रमिकों का कई वर्ष पहले वेतन, एरियर, ईपीएफ व ईएसआईसी राशि ठेकेदार हड़प चुके हैं, उन्हें सरकार पोर्टल के जरिए कब तक वापस दिलाएगी और लंबी प्रक्रिया के स्थान पर 24 घंटे में ठेकेदार को सरकार कैसे ब्लैकलिस्ट करेगी और जिन्हें पहले ब्लैकलिस्ट किया गया, वह दूसरे नामों से ठेका ना ले पाएं, उन्हें कैसे रोकेगी, ये भी पोर्टल में नहीं है। मध्यप्रदेश के सरकारी विभागों में आउटसोर्स कर्मचारियों के प्रबंधन के लिए वित्त विभाग ने रिसोर्स आउटसोर्सिंग एजेंसी मैनेजमेंट सिस्टम (आरओएमएस) पोर्टल शुरू किया है।

पोर्टल का काम

- रीवा सहित प्रदेश के 12 लाख ठेका कर्मियों की आउटसोर्सिंग सेवाओं में पारदर्शिता और एकरूपता लाना।
- कर्मचारियों की ऑनलाइन हाजिरी लगेगी, जिससे ठेकेदार द्वारा सीधे वेतन देने की प्रथा खत्म होगी और वेतन सीधे बैंक खाते में आएगा।
- आउटसोर्स कर्मियों के डेटा, अनुबंध की शर्तों और अनिवार्य कटौतियों पीएफ ईएसआई की पूरी जिम्मेदारी संबंधित निजी/शासकीय एजेंसी की होगी।
- संसाधनों और उससे जुड़े कर्मचारियों की वास्तविक स्थिति की निगरानी होगी।

सरकार का यह कदम नई बोतल में पुरानी शराब परोसने और खोदा पहाड़ निकली चुहिया कहावत को चरितार्थ करने जैसा है, जबकि गत विधानसभा चुनाव वर्ष 2023 में आउटसोर्स कर्मियों को केन्द्र के आउटसोर्स कर्मियों के समान न्यूनतम वेतन देने और उन्हें संविदा कर्मी का दर्जा देने का वादा किया गया था। जो इस पोर्टल में पूरा करते नहीं दिखाया गया है।

मनोज भार्गव, प्रांतीय संयोजक ऑल डिपार्टमेंट **आउटसोर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा।**

वित्त विभाग के नए आरओएमएस पोर्टल में इस बात का कोई उल्लेख ही नहीं है कि यदि मानव बल कॉन्ट्रैक्टर ठेकेदार समय पर वेतन व एरियर्स नहीं देता व ईपीएफऔर ईएसआई की राशि संबंधित ठेकाकर्मी के खाते में समय पर जमा नहीं करता या वेतन हड़पता है तो सरकार कितने दिनों में क्या कदम उठायेगी।

दिनेश सिसोदिया महामंत्री ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा।

आधे वार्ड में नाली, वह भी कचरे से भरी

जागरण, रीवा। शहर के वार्ड क्रमांक पांच पड़रा के रहवासी पिछले कुछ वर्षों से नाली का अभाव झेल रहे हैं। पड़रा क्षेत्र के रहवासियों ने बताया कि यहां नाली निर्माण तो करवाया गया है, किन्तु पूरे वार्ड में नहीं, जहां नाली बनी भी है तो उसका लाभ संबंधित क्षेत्र के लोगों को नहीं मिल रहा। बताते हैं नाली बनने के बाद से ही इनकी सफाई नहीं हुई है, नालियां कचरे से भरी पड़ी हैं, जिनमें पानी बहना तो ठीक इंसान गिर जाए अथवा उतर जाए तो उसका आगे बढ़ना मुश्किल है। वैसे भी आधे वार्ड नाली न होना बराबर है। जिनके घरों के सामने नाली नहीं उनके घरों का गंदा पानी बहकर सड़क पर एकत्रित होता है, पड़रा क्षेत्र के लोगों का कहना है कि ऐसा नहीं कि यहां के लोगों ने व्यवस्थित नाली, सड़क आदि की मांग नहीं रखी कई बार इसकी मौखिक सूचना दी गई, वार्ड में आने वाले जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अगवत कराया, थोड़ी सी बरसात होने पर वार्ड की सड़क पानी में डूब जाती हैं, जिससे अच्छी सड़क कई स्थानों पर मुंह फाड़ चुकी है, ऊपर से रही-सही कसर सीवरेज लाइन डालने वालू पूर्ण कर रहे हैं, जिन्होंने पहले पाइप डालने सड़क का एक किनारा खोदा, कइयों वाहन फंसने, दोपहिया वाहन चालकों के गिरने के बाद खोदे गए स्थान पर प्लास्टर करवाया गया, लेकिन अब फिर से सड़क को इस पार से उस पार तक खोदा जा रहा है।

शिवमंदिर कोठी कम्पाउंड में धूमधाम से मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

जागरण, रीवा। शिवमन्दिर कोठी कम्पाउंड परिसर में भगवान परशुराम की जयंती सोमवार को बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। शिवमन्दिर परिसर में विराजमान परशुराम की मूर्ति के समक्ष पूजन हवन का कार्यक्रम के बाद वृहद भण्डारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोग शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंकज कुमार पाठक रहे और अध्यक्षता अजय शंकर द्विवेदी ने की। कार्यक्रम में श्री परशुराम सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश तिवारी और राष्ट्रीय सचिव कृष्णा द्विवेदी सहित श्री परशुराम सेवा संघ के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। पूजा अर्चना के साथ भण्डारा आयोजित किया गया। इसके पहले विवेकानंद पार्क से शोभायात्रा निकाली गई जो कॉलेज चौराहा से शिल्पी प्लाजा प्रकाश चौराहा से स्टेच्यू चौराहा होते हुए शिवमन्दिर कोठी कम्पाउंड पहुंची। शोभायात्रा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमलेश तिवारी ने कहा कि भगवान परशुराम सदैव मानव को सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं और भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलने से मानव समाज सहित जगत का कल्याण होता है।

विकास कार्यों से प्रॉपर्टी के रेट बढ़े तो उस पर देना होगा बेटरमेंट टैक्स

जागरण, रीवा। राज्य सरकार मध्य प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में बेटरमेंट टैक्स लागू कर सकती है। इसमें प्रॉपर्टी की कीमत के हिसाब से टैक्स देना होगा। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें टैंक्स एक साथ ही जमा करवाना होगा। दरअसल सरकार प्रदेश में विकास कार्यों के लिए कर्ज ले रही है। जिन इलाकों में ये काम होंगे, वहां बढ़ी प्रॉपर्टी की कीमतों का आकलन करके टैक्स का निर्धारण किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि बेटरमेंट टैक्स के लिए राज्य सरकार पहले नगरीय निकायों के जरिए अलग-अलग इलाकों में विकास के कार्य जैसे नई और चौड़ी सड़के, ब्रिज आदि बनवाने जैसे काम करेंगी। इनका निर्माण पूरा होने के बाद वहां आसपास की प्रापर्टी के दाम बढ़ेंगे। इसके बाद फिर इस बात का आकलन किया जाएगा कि किस जगह पर विकास कार्य कराने से वहां जमीन के प्रापर्टी के रेट कितने बढ़े। इसी के आधार पर प्रॉपर्टी के मालिक को फिक्स टैक्स देना होगा। मध्य प्रदेश के निकायों में विकास कार्यों के लिए सरकार के पास अब करीब एक साल का ही वक्त बचा है, यहां पर 2027 में निकाय चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सरकार का पूरा फोकस अब यहां विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कराने पर है। मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के पांचवें चरण के लिए सरकार 5 हजार करोड़ रूपये कर्ज ले रही है। इस राशि से अगले तीन साल तक विकास कार्य किए जाने हैं। कैबिनेट की बैठक में इसको लेकर मंजूरी भी मिल गई है। रीवा जिले में जिस तरह से विकास कार्य किये जा रहे हैं और इन विकास कार्यो के कारण प्रापर्टी की कीमतों में कई गुना इजाफा भी हो चुका है। लिहाजा रीवा शहर में बेटरमेंट टैक्स की बहुत अधिक संभावनाये हैं।

बेखौफ खनन माफिया जिले भर में कर रहा मुरुम, बालू और पत्थर का अवैध उत्खनन

प्रशासनिक कार्यवाही के बावजूद नही लग पा रही लगाम

जागरण, रीवा। जिले भर में इन दिनों मुरुम, बालू और पत्थर का अवैध उत्खनन का कारोबार चरमसीमा पर चल रहा है। समय-समय पर जिला प्रशासन द्वारा अवैध उत्खनन पर कार्यवाही भी की जाती है इसके बावजूद अवैध उत्खनन पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। जिले में खनिज माफिया इतना बेखौफ हो गया है कि उस पर किसी भी कार्यवाही का कोई असर नहीं हो रहा है। रीवा जिले में होने वाले खनिजो का अवैध उत्खनन अन्य प्रदेशों में भी जाता है। जिले के विभिन्न ग्रामीण अंचलों से आ रही अवैध उत्खनन की खबरें प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान खड़ा कर रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिले में कलेक्टर बदलते हैं, अधिकारी बदलते हैं, लेकिन नहीं बदलता तो खनिज का अवैध कारोबार। रीवा में अवैध खनन का खेल किसी से छिपा नहीं है। विभाग के कुछ कर्मचारी और जमीनी स्तर का अमला खनिज माफिया के साथ सांठगांठ कर यहा का खनिज अन्य प्रदेशों में भेज रहे हैं।

जिले के नदी घाटों और पहाड़ियों पर मशीनों की गूंज रात-दिन सुनाई देती है। आखिर इन माफियाओं को किसका संरक्षण प्राप्त है? क्या इन्हें राजनीतिक शह मिली हुई है या प्रशासनिक ढिलाई का ये फायदा उठा रहे हैं। यह जांच का एक बड़ा और संवेदनशील विषय है। रीवा के नए कलेक्टर के रूप में पदभार संभालने के बाद अब सबकी निगाहें नये कलेक्टर और वर्तमान प्रशासनिक टीम पर टिकी हैं। जनता के बीच यह बड़ा सवाल है कि क्या वर्तमान कलेक्टर इन रसूखदार माफियाओं के तिलस्म को तोड़ पाएंगे। क्या खनिज विभाग के उन दागी कर्मचारियों की आय से अधिक संपत्ति की जांच होगी, जो लंबे समय से एक ही जिले में जमे हुए हैं? क्या केवल ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ने की रस्म अदायगी होगी या सिंडिकेट चलाने वाले असली मगरमच्छों पर भी हाथ डाला जाएगा। रीवा की जनता अब खोखले आश्वासनों से थक चुकी है। अवैध खनन न केवल सरकार के खजाने को चपत लगा रहा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्राकृतिक संसाधनों को भी निगल रहा है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस काले कारोबार पर नकेल कसने के लिए कितने कठोर कदम उठाता है।

टोटी विहीन नलों से व्यर्थ बह रहा प्रतिदिन सैकड़ों लीटर पेयजल

न तो टोटियां लगवा रहे, न ही उपभोक्ताओं पर कर रहे कार्यवाही

जागरण, रीवा। रीवा जिले को प्रशासन ने जल अभावग्रस्त घोषित किया है। आधे के करीब वार्डों में पीएचई द्वारा प्रदाय किया जाने वाला पानी गंदा व बदबूदार, यों कहें कि गटर का पानी प्रदाय किया जा रहा है, जहां कहीं ठीक-ठाक पानी पहुंच रहा है उनमें से अधिकतर नलों की टोटियां नदारद हैं, जब तक जल प्रदाय होता है तब तक नल विहिन टोंटियों से पानी व्यर्थ बहता रहता है। प्रशासन सहित पीएचई, नगर निगम ने जगह-जगह नारे अंकित करवा रखे हैं कि पानी है अनमोल-साचे समझकर ढोल, जल है तो कल है, अभी पानी नहीं बचाया तो आने वाले समय में पानी मिलना मुश्किल होगा आदि-आदि नारों से जल संरक्षण का संदेश दे रहे हैं, किन्तु स्वयं इस दिशा में कोई कार्य करने को तैयार नहीं। शहर में आज से नहीं पिछले काफी समय से कई स्थानों पर नल विहिन टोटियां लगी हुई हैं, खासकर सार्वजनिक नलों में। फिर ऐसे लोगों के यहां जिनके यहां पानी कम प्रेशर से पहुंचता है, कई लोगों ने पाइपप लाइन से नीचे तक गड्ढा करवा रखा है, ताकि उनके यहां तक पानी पहुंच सके, कुछ लोगों ने तो नालियों में ही पाइप बिछा रखे हैं, उन्हीं से जल प्रदाय के दौरान पानी भरते हैं। इनमें से किसी भी नल में टोटी नहीं लगी, जिससे जल प्रदाय के दौरान पानी बेकार ही बह रहा है, जिससे जल अभावग्रस्त जिले में पानी का अपव्यय हो रहा है। इसे कौन व कैसे रोकेगा ये बताना फिलहाल मुश्किल है।

लाडली बहना योजना के लाभ से वंचित हो रही हैं हजारों पात्र महिलाएं

अपात्र महिलाओं के नाम कट तो रहे हैं लेकिन जोड़ने के लिए नहीं खुल रहा पोर्टल

जागरण, रीवा। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई महत्वाकांक्षी लाडली बहना योजना वर्तमान में उन महिलाओं के लिए दिवास्वप्न बन कर रह गई है जो लाडली बहना योजना के लिए पात्र होने के बाद भी उसका लाभ पाने वंचित हैं। वर्तमान में लाडली बहना योजना के लिए पात्र महिलाओं की संख्या हजारों में पहुंच गई है। लेकिन लाडली बहना योजना के आवेदन के लिए पोर्टल नहीं खुलने से पात्र महिलाओं इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा लाडली बहना योजना की किश्त हर माह एक निश्चित तारीख को बाकायदा कार्यक्रम का आयोजन करके उनके खाते डाली जाती है लेकिन विधानसभा चुनाव 2023 में सरकार बनने के बाद से इस योजना में पात्र महिलाओं का नाम जोड़ने के लिए पोर्टल नहीं खोला गया है। राज्य सरकार की इस लापरवाही के चलते पात्र महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिले भर में लगभग चार लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है किन्तु सरकार बनने के बाद से वर्तमान तक में लाडली बहना योजना के लिए पात्र महिलाओं को पोर्टल खुलने का बेसब्री से इंतजार है। गाँरतलब है कि मध्यप्रदेश की उन लाडली बहनों के नाम लगातार काटे जा रहे है जो लाडली बहना योजना के लिए अपात्र की श्रेणी में आ गई हैं, लेकिन योजना प्रारंभ होने के समय आवेदन करके योजना का लाभ प्राप्त कर लिया है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की कई अपात्र लाडली बहनों के नाम योजना से कट कर दिए गए हैं यानी उनको इस महत्वाकांछी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव 2023 में सरकार बनाने के लिए मध्य प्रदेश में संचालित लाडली बहना योजना काफी मददगार साबित हुई है।

ई-केवाईसी नहीं कराने पर बंद हो जाएगी ग्राहक को मिलने वाली एलपीजी सब्सिडी

जागरण, रीवा। एलपीजी गैस कनेक्शन के लिए सरकार द्वारा ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिये जाने के बाद भी बड़ी संख्या में अभी भी कनेक्शनधारियों ने ई-केवाईसी के प्रत लापरवाही बरत रहे हैं। बार-बार चेतावनी के बाद भी ई-केवाईसी नहीं कराने वालों की सब्सिडी बंद कर दी जाएगी। सरकार के इस कदम का उद्देश्य एलपीजी सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकना और फर्जी कनेक्शनों को खत्म करना है। एलपीजी ई-केवाईसी प्रक्रिया के तहत ग्राहकों को अपने आधार कार्ड के जरिए अपनी पहचान की पुष्टि करनी होगी। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केवल वास्तविक उपभोक्ताओं को ही एलपीजी सिलेंडर मिल रही है और सब्सिडी का सही तरीके से उपयोग हो रहा है। एलपीजी ई-केवाईसी की शुरुआत के साथ सरकार का उद्देश्य पारदर्शिता लाना और रसोई गैस वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना है। एलपीजी गैस ई-केवाईसी एक इलेक्ट्रॉनिक केवाईसी प्रक्रिया है, जिसके तहत ग्राहकों को अपने आधार कार्ड और बायोमेट्रिक डेटा का उपयोग करके अपनी पहचान सत्यापित करनी होती है। यह प्रक्रिया ऑनलाइन या गैस वितरक एजेंसी के कार्यालय में जाकर पूरी की जा सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य फर्जी कनेक्शनों को खत्म करना और एलपीजी सब्सिडी का सही तरीके से उपयोग सुनिश्चित करना है। एलपीजी ई-केवाईसी को अनिवार्य बनाने के लिए मुख्य उद्देश्य फर्जी कनेक्शनों की पहचान, आधार कार्ड के माध्यम से ग्राहकों की पहचान सत्यापित करके फर्जी कनेक्शनों को पूरी तरह से खत्म करना है।

Minerva The Medicity A MULTI SUPERSPECIALITY HOSPITAL
मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना
कार्डियक सर्जरी
पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबरः- 18008892250

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
समय-प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्शः- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेषः- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
परामर्श क्लीनिकः शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्प्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

SAVVY MOTHER INTERNATIONAL SCHOOL
www.savvyrewa.com
Nursery To 12th
Data science | Innovation lab
Brainywood | Innovation lab
ADMISSION OPEN 2026-27
9329517009, 9630520901
In Front Of Chamadiya Petrol Pump Azad Nagar Urrahat Rewa M.P.

डॉ. नीरज कुमार दुबे
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (ENT)
कान-नाक एवं गला रोग विशेषज्ञ
माइक्रोस्कोपिक एवं एंडोस्कोपिक ई.एन.टी. सर्जन
परामर्श स्थलः अंशिका मेडिकल्स
सभी प्रकार की दवाइयों के विक्रेता 7089196877
पताः- न्यू बस स्टैण्ड के आगे, फूलमती मन्दिर के पहले, पीटीएस रोड, रीवा (म.प्र.)
कान-नाक एवं गले से संबंधित निम्न बीमारियों के समुचित उपचार के लिए संपर्क करें
कान के पर्दे में छिद्र एवं कान की हड्डी में गलन एवं कान से मवाद आना (CSOM)
कान में सीटी बजना या सनसनाहट (Tinitus) कम सुनाई देना एवं चक्कर आना (Vertigo)
पुरानी सर्दी जुकाम, साइनस की बीमारी (SINUSITIS) ज्यादा, बार-बार छींके आना एवं allergy से नाक बहना। (Allergic Rhinitis)
नाक की हड्डी का टेढ़ापन (DNS), नाक के अंदर गठान, Polyp Mass etc)
बच्चों में बार-बार गले का इंफेक्शन एवं मुंह खोलकर सांस लेना, खर्राटें लेना (Tonsillitis, Adenoid Hypertrophy)
कान-नाक एवं गले से संबंधित अन्य कोई बीमारी या गठान की दूरबीन द्वारा जांचे एवं उपचार
माइक्रोस्कोप एवं एंडोस्कोप (दूरबीन) द्वारा कान,नाक एवं गले से संबंधित ऑपरेशन, (Tympanoplasty, FESS, Septoplasty, Tonsillectomy etc)

आयुष्मान में निःशुल्क एवं कैशलेश ईलाज की सुविधा उपलब्ध
कीमोथेरेपी | शिशु रोग विभाग | पथरी का ऑपरेशन
हड्डी का ऑपरेशन | कैंसर का ऑपरेशन | प्लास्टिक सर्जरी
जनरल सर्जरी | आकस्मिक सुविधा | यूरो सर्जरी
जबड़े का फ्रैक्चर
नेशनल हॉस्पिटल, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें- 18008890620, 8608600604 7566831551

शहर का तापमान/मौसम

अधिकतम 42.0°c | न्यूनतम 26.0°c

जिले भर में कहीं धूप तो कहीं बादल छाये रहने के आसार

लोक जैव विविधता पंजी निर्माण हेतु दस ग्राम पंचायतें चयनित

जागरण, रीवा। मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड भोपाल द्वारा दिये गये आदेश के अनुसार पंचायत स्तर की लोक जैव विविधता पंजी निर्माण हेतु रीवा जनपद की दस ग्राम पंचायतें चयनित की गई हैं। प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर प्रो.स्कंद मिश्रा प्राध्यापक शासकीय माधव सदाशिवराव गोलवलकर महाविद्यालय ने बताया कि रीवा जनपद की बहुरीबांध, कचूर, रीठी, पड़ोखर, मड़वा, तमरा, महसाव, जोरी, अमिलिकी, अजगरहा पंचायतों में उपलब्ध जैव संसाधनों, कृषि, जैविक खेती, उद्यानिकी,वानिकी जैव विविधता, जलीय जीव एवं पौधों, औषधीय पौधे, पशुपालन, जल स्रोतों, जैव संसाधनों से संबंधित परंपरागत ज्ञान के आंकड़ों को पंजीबद्ध किया जाएगा। यह पंजी पंचायत स्तर पर आधारित जैव विविधता हेतु शासन की योजनाओं हेतु मार्गदर्शिका का कार्य करेगी। यह कार्य पंचायत स्तर की जैव विविधता प्रबंधन समिति एवं मैदानी कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, ज्ञानधारकों, उन्नतशील कृषकों के सहयोग से पूर्ण किया जाएगा।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

भू-संपदा प्रक्रियाओं की जानकारी देने के लिए जागरुकता शिविर आज

रीवा। मध्यप्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के द्वारा जागरुकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य भू-संपदा परियोजनाओं से संबंधित अधिनियमों, नियमों और कार्य प्रक्रियाओं के बारे में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी प्रदान करना है। यह शिविर 21 अप्रैल को दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट भवन के मोहन सभागार कक्ष में आयोजित किया जाएगा। शिविर में प्राधिकरण की ओर से सेवानिवृत्त आईएएस और विशेष सचिव राजेश बहुगुणा मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। संबंधित विभागों के अधिकारियों से जागरुकता शिविर में उपस्थिति का अनुरोध किया गया है।

बिस्तरों की संख्या ने अटकाई एमआरआई सुविधा, प्राइवेट केन्द्रों में खर्च हो रहे रुपए

इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा लेकिन अभी भी रीवा में 100 बिस्तरों वाला जिला अस्पताल

जागरण,रीवा

जिला अस्पताल में बीते वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर तो बढ़ा है लेकिन बेड की संख्या 100 होने के कारण अभी तक स्टाफ व बड़ी सुविधाओं से जिला अस्पताल वंचित है। बता दें कि लगातार जिला अस्पताल में एमआरआई की मांग बढ़ती जा रही है। यहां आने वाले मरीजों में रोजाना आधा सैकड़ा मरीजों को एमआरआई की जांच की जरूरत हो रही है लेकिन एमआरआई की सुविधा नहीं होने से यहां के मरीज प्राइवेट केन्द्रों में रुपए खर्च कर रहे हैं, बाहर एमआरआई शुल्क अधिक होने के कारण लोगों को कई तरह की परेशानी हो रही है, जिले भर से यहां पहुंचने वाले मरीज आर्थिक तंगी से कई बार यह जांच भी नहीं करा पाते। जिला अस्पताल के पास एमआरआई मशीन स्टॉल करने के लिए जगह तो है लेकिन जिला अस्पताल का उन्नयन बाधा बन रहा है। बता दें कि अभी भी जिला अस्पताल 100 बेड का ही है, जिससे यहां का स्टाफ भी इसी के अनुसार है, बीते दिनों इसे 300 बेड करने की घोषणा तो हुई लेकिन राजधानी के अधिकारियों ने पेंच फंसा दिया। अब अस्पताल प्रबंधन राजधानी की दौड़ भाग में लगा हुआ लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है। उन्हें उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला से भी बड़ी उम्मीद है। जिला अस्पताल के 100 बेड होने से कई बड़ी सुविधाओं का लाभ मरीजों को मिल सकेगा। हाल ही में स्वास्थ्य विभाग ने 300 से बेड वाले जिला अस्पतालों से एमआरआई मशीन के संबंध में जानकारी मांगी है। यदि जिला अस्पताल 300 बेड का होता तो यह सुविधा रीवा जिला अस्पताल में भी शुरू हो सकती थी।

बढ़ती जा रही समस्या

जिला अस्पताल में विभिन्न रोगों के करीब दो दर्जन विशेषज्ञ व चिकित्सक पदस्थ हैं। दरअसल यहां पर प्रतिदिन दो दर्जन मरीज हड्डी या नसों से संबंधित आते हैं, जिनकी जांच के लिए यहां पर एमआरआई मशीन की सुविधा नहीं है। ऐसे में मरीजों को निजी सेंटरों से अपनी जांच करानी पड़ती है। जिसमें चार से छः हजार रुपये खर्च होते हैं। इसमें समय भी जाया होता है। हालांकि सुपर स्पेशलिटी में एमआरआई की सुविधा है, लेकिन इसका लाभ केवल वहां के मरीजों को ही मिलता है। लेकिन वहां भी मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण और जांच में अधिक समय के कारण दिन भर में सभी मरीजों की जांच संभव नहीं हो पाती। जब सामान्य एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड या सीटी स्कैन से बीमारी का कारण स्पष्ट नहीं होता है तो डाक्टर एमआरआई कराने की सलाह देते हैं।

30 की लिस्ट से रीवा बाहर

स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश के 30 जिला अस्पतालों में एमआरआई जांच की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। जिसमें रीवा बाहर है। विभाग द्वारा अन्य जिला अस्पताल प्रबंधन से मशीन को लेकर जिला अस्पताल में लाभांवित होने वाले मरीजए, ओपीडी स्थान आदि की जानकारी मांगी गई है। यदि यह सुविधा रीवा जिला अस्पताल में शुरू हो जाए तो ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों से रेफर हुए मरीजों को अब दूसरे शहर, मेडिकल कालेज या निजी अस्पताल नहीं जाना पड़ेगा। अभी जिलेभर के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज अपना इलाज कराने के लिए आते हैं। जांच के दौरान यदि डॉक्टर एमआरआई जांच कराने की लिख देते हैं तो उन्हें निजी अस्पतालों में यह जांच करानी पड़ती है।

इन रोगों में महत्वपूर्ण होती है एमआरआई की जांच

एमआरआई मशीन से हर्निंयेटेड डिस्क, स्पाइनल कार्ड में संपीड़न और रीढ़ की हड्डी में ट्यूमर या संक्रमण की जांच की जाती है। हड्डियां और जोड़, लिगामेंट फटना, कार्टिलेज क्षतिए टेंडन की चोटें और ट्यूमर। लिवर, किडनी, अग्न्याशय, गर्भाशय और ओवरी की गांठें या ट्यूमर। हृदय के कार्य, संरचना, वाल्व और रक्त प्रवाह की जांच भी की जाती है। कैंसर के मरीजों में ट्यूमर की स्थिति, आकार और यह पता लगाने के लिए कि कैंसर शरीर के अन्य अंगों में कितना फैल गया है आदि की भी जांच की जाती है। डॉक्टरों के मुताबिक कैंसर के रोगियों की संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में इनकी जांच कराने के लिए यह एमआरआई मशीन लाभदायिक होगी।

> फिलहाल एमआरआई मशीन के लिए कोई प्रस्ताव मेरी जानकारी में नहीं मांगा गया है। सीटी स्कैन की सुविधा मरीजों को दी जा रही है।
> **डॉ.केके तिवारी, आरएमओ जिला अस्पताल।**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का रीवा एयरपोर्ट पहुंचने पर किया गया आत्मीय स्वागत

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लखनऊ से विमान द्वारा रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भी लखनऊ से रीवा पहुंचे। रीवा एयरपोर्ट में मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया गया। रीवा एयरपोर्ट में विधायक त्योंथर सिद्धार्थ तिवारी, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी हेमंत सिंह चौहान, पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान, प्रभारी कलेक्टर सपना त्रिपाठी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री रीवा में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल हुए और रात्रि विश्राम किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 21 अप्रैल को रीवा एयरपोर्ट से सुबह 10:05 बजे तमिलनाडु के कोयंबटूर के लिए रवाना होंगे।

पुलिस परिसर में खड़े लोडर से उड़ गया 2 हजार लीटर डीजल

जुर्माना भरने के बाद मिला खाली टैंकर हनुमना थाना का मामला

जागरण, रीवा। करीब चार वर्ष पूर्व हनुमना पुलिस ने एक पिकअप लोडर वाहन को लगभग 2 हजार लीटर डीजल के साथ जब्त किया था। अवैध परिवहन के आरोप पर पुलिस ने कार्रवाई की थी, जिसके बाद मामला न्यायालय में पहुंचा। न्यायालय से जुर्माना होने के बाद पीड़ित ने जुर्माना राशि जमा की और जब वह पिकअप को हनुमना थाना से लेने पहुंचा तो उसमे लोड करीब 2 हजार लीटर नहीं मिला। बताया गया कि पौने दो लाख रुपए का जुर्माना भरने के बाद खाली टैंकर मिलने से व्यापारी के होश उड़ गए। वहीं पुलिस का कहना है कि लंबे समय के चलते डीजल हवा में उड़ गया। पूरा मामला हनुमना थाना अंतर्गत पिपराही चौकी का है। बताया जा रहा है कि साल 2022 में पुलिस ने मऊगंज निवासी सुमित कुमार गुप्ता की पिकअप गाड़ी को 2000 लीटर डीजल के साथ जब्त किया था। अवैध परिवहन का आरोप लगा, मामला कलेक्टर कोर्ट पहुंचा। पीड़ित सुमित ने हार नहीं मानी, कानूनी लड़ाई लड़ी। कोर्ट के आदेश पर सुमित ने 1 लाख 81 हजार 630 रुपये का भारी-भरकम जुर्माना सरकारी खजाने में जमा किया। उसे उम्मीद थी कि जुर्माना भरने के बाद उसे उसकी गाड़ी और डीजल वापस मिल जाएगा। लेकिन जैसे ही सुमित चौकी पहुँचा, उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। गाड़ी की टैंकर का ताला बंद था, लेकिन अंदर तेल की एक बूंद तक नहीं थी। जब सुमित ने थाने में गुहार लगाई, तो उसे जो जवाब मिला वो हैरान करने वाला था। थाने में मौजूद साहबों ने कह दिया कि डीजल हवा उड़ गया। अब सवाल यह है कि कड़े पहरे और बंद ताले के बीच 2000 लीटर डीजल कैसे हवा उड़ सकता है। पीड़ित सुमित गुप्ता दोहरी मार झेल रहा है। साढ़े तीन लाख की चपत लग चुकी है।

बाइक सवार दंपति को पिकअप ने मारी टक्कर, पति की मौत

जागरण, रीवा। बैकुंठपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सौर में बीती शाम हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति हादसे का शिकार हो गए। पिकअप की टक्कर से पति की मौत हो गई जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मृतक सुशील कोल अपनी पत्नी सुखरजुआ कोल निवासी ग्राम मौहरिया थाना गढ़ के साथ बैकुंठपुर से लालगांव तरफ जा रहा था। जैसे ही वह ग्राम सौर के पास पहुंचा तभी सामने से आ रहे अज्ञात पिकअप वाहन ने बाइक को सीधी टक्कर मार दी । हादसे में पति-पत्नी दुर्घटना का शिकार हो गए। इस दौरान गंभीर रूप से घायल पति सुशील की घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि पत्नी को स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया है। बताया गया है कि दुर्घटना कारित करने वाला पिकअप वाहन लालगांव से बैकुंठपुर की ओर जा रहा था जो घटना के बाद से फरार है। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अज्ञात पिकअप सहित वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है, वहीं मृतक के शव को पीएम के बाद परिजनों को सौप दिया गया है।

बाण सागर तलैया अनुज्ञा मामले में बड़ी लापरवाही

इंजीनियरों ने बिना हस्ताक्षर के दिए गए शपथ पत्र में दे डाली मंजूरी

दस्तावेजों में निकाली जा रही कमी, शिकायत के बाद भी अधिकारियों ने साध रखा है मौन

जागरण,रीवा। नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा के कारनामे लगातार नगर निगम कार्यालय को चर्चा में बनाए हुए हैं। यहां होने वाला बड़ा खेल लगातार उजागर हो रहा है। बाणसागर तलैया अनुज्ञा मामले में अब नया खुलासा हुआ है। अधिकारियों को इस अनुज्ञा को देने की इतनी जल्दबाजी थी कि दस्तावेजों की जांच तक ठीक ठंग से नहीं की गई और अनुज्ञा जारी कर दी गई। यह मामला नगर निगम कार्यालय में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला लगातार चर्चा में बने हुए बाणसागर तलैया में भवन अनुज्ञा का है, बताया गया कि बीते 30 दिसंबर 2025 को नगर निगम के सहायक यंत्री अंबरीश सिंह द्वारा अपने सेवानिवृत्त के ठीक एक दिन पहले बाणसागर स्थित आराजी क्रमांक 631/2 रकबा 04050 हे. में से 2030 वर्गमीटर रकवा मौजा समान पटवारी हल्का समान तहसील हूजूर में विश्वनाथ सिंह पिता रामजी सिंह निवासी वार्ड क्रमांक 25 समान रीवा को मंजूरी दी गई है। इस मंजूरी के संबंध में लगाए दस्तावेजों में कमी बताई जा रही है, नगर निगम में हो रही चर्चा के अनुसार इस अनुज्ञा के लिए जो शपथ पत्र दिया गया है उसमें आवेदक के हस्ताक्षर तक नहीं हैं। न ही शपथ पत्र में गवाह के हस्ताक्षर है, यह शपथ पत्र दिनांक 28 नवंबर 2025 की तारीख का बना है। हैरानी की बात यह है कि नगर निगम के अधिकारियों द्वारा मुख्य दस्तावेज शपथ पत्र की इस कमी को नहीं पकड़ा या फिर यह कहें कि सेवानिवृत्त के पहले आनन-फानन में इस अनुज्ञा को देने के लिए इस कमी को अधिकारियों ने दरकिनार कर डाला।

सरनेम में भी फर्क

वहीं इस अनुज्ञा के इस शपथ पत्र में यह भी चर्चा हो रही है कि आवेदक द्वारा इस मामले में जो अनुज्ञा ली गई है वह विश्वनाथ सिंह के नाम से ली गई है लेकिन चौहद्दी में पूर्व व उत्तर में विश्वनाथ पटेल की आराजी लिखाई गई है, जबकि आवेदक विश्वनाथ सिंह द्वारा इन जगहों पर अपनी ही जमीन होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि निगम में चल रही चर्चा के अनुसार यह मामला हाईकोर्ट में लंबित है, जिसके नोडल अधिकारी प्रशासन की तरफ से तत्कालीन निगमायुक्त डॉ.सौरभ सोनवणे को ही बनाया गया था और प्रशासन ने इस भूमि को सरकारी बताते हुए अपील की है।

शिकायत पर कार्यवाही नहीं

बता दें कि मामले की जानकारी देते हुए नगर निगम के पूर्व पार्षद व एमआईसी सदस्य नीरज पटेल ने कार्यवाही की मांग की थी लेकिन अभी तक किसी प्रकार की कोई कार्यवाही निगम प्रशासन द्वारा नहीं की गई, न ही अधिकारी स्थल निरीक्षण करने पहुंचे। जबकि निगमायुक्त के संज्ञान में मामला आने के बाद उनके द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के लिए आदेशित किया था। बता दें कि अब कहा जा रहा है कि नवागत निगमायुक्त के पदभार संभालते ही मामले में बड़ी कार्यवाही होगी।

कई मामले आ चुके सामने

नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा में हुई लापरवाही का यह कोई पहला मामला नहीं है, इसके पहले भी इस प्रकार के कई मामले नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा में सामने आ चुके हैं, निगम अधिकारियों द्वारा दी जा रही भवन अनुज्ञाओं की जांच हो तो बड़ा खेल सामने आ सकता है। अधिकारी आर्थिक लाभ लेकर नियमों को ताक पर रख देते हैं, पूर्व में इस संबंध में एक हिसाब-किताब भी सोशल मीडिया में वॉयरल हुआ था लेकिन इसकी जांच शायद इसलिए भी नहीं की गई कि बड़े खेल का खुलासा हो सकता था।

ऑटो चालक से मारपीट कर चाकू की नोक पर लूट लिए 15 सौ

जागरण, रीवा। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार की रात तीन की संख्या में रहे बदमाशों ने एक ऑटो चालक के साथ मारपीट कर चाकू की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी कॉलेज चौराहे से ऑटो में बैठे थे, जिन्होने वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने 1500 सौ रुपए की नकदी सहित मोबाइल छीनने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने आवेदन लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है । पीड़ित आटो चालक रब्बू सोंधिया ने बताया कि वह ऑटो चलाकर अपना जीवन यापन करता है। पीड़ित के मुताबिक 19 अप्रैल की देर रात कॉलेज चौराहे के पास से उसके ऑटो में तीन युवक सवार हुए थे। जब वह ऑटो लेकर सिविल लाइन थाने के पास पहुंचा, तभी ऑटो में बैठे तीनों आरोपियों ने अचानक उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और पास रखे करीब 1500 रुपए नकद लूटकर मौके से भाग निकले। बदमाशों ने बेखौफ होकर इस पूरी वारदात को थाने के पास ही अंजाम दिया। पीड़ित का कहना है कि आरोपी युवक पहले से भी उसे परेशान करते रहे हैं और कई बार मारपीट की धमकी भी दे चुके हैं। इस घटना के बाद पीड़ित ने सिविल लाइन थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई।

निगम की बिना अनुमति बसाई जा रहीं अवैध कॉलोनी

शिकायत के बाद भी अब तक अधिकारियों ने नहीं लिया संज्ञान

जागरण, रीवा। शहर में अवैध कॉलोनियों का ग्राफ एक बार फिर बढ़ने लगा है, हैरानी इस बात की है कि लगातार शिकायत के बाद भी किसी प्रकार की कार्यवाही निगम अधिकारी नहीं कर रहे हैं। नगर निगम में जगदीश शर्मा पिता गुरप्रीत शर्मा निवासी वार्ड क्रमांक 15 साधू श्री गार्डन के समीप गुलाब नगर ने शिकायत कर बताया है कि वार्ड क्रमांक 8 रीवा में कई अवैध कॉलोनियां बसाई जा रही हैं। वार्ड क्रमांक 8 में पटवारी हल्का बोदा में खसरा नंबर 158,147/1, 147/2, 146 व 139 के कुछ हिस्से में अवैध प्लॉटिंग की जा रही है। जिसमें प्लॉट काटकर बिना निगम की अनुमति विक्रय किया जा रहा है। इसके अलावा वार्ड में ही नीम चौराहा के समीप तिवारी परिवार द्वारा अवैध रूप से बड़ी बिल्डिंग का निर्माण कराया जा रहा है, जिसकी अनुमति भी निगम के द्वारा नहीं है। इस मनमानी में नगर निगम के इंजीनियरों की भी साठगांठ है। इसी प्रकार से वार्ड क्रमांक 15 में साधू श्री गार्डन वाली रोड में सेंट जोसेफ स्कूल के बगल में पड़े खाली मैदान के खसरा क्रमांक 551 के विभिन्न भागों में अवैध प्लॉटिंग कच्ची सड़क डालकर की जा रही है। वार्ड क्रमांक 25 पीटीएस से फूलमति रोड में पैट्रोल पंप के बगल में कॅमर्शियल बिल्डिंग का निर्माण कार्य खसरा क्रमांक 430/2, 429/2 में किया जा रहा है। इसमें नाले का स्वरूप भी इंजीनियरों द्वारा लाभ देने के लिए बदल दिया गया है। इस प्रकार से शहर के विभिन्न हिस्सों में अवैध प्लॉटिंग व अवैध निर्माण चल रहा है, जिस पर तत्काल रोक लगाई जानी चाहिए।

संचालन के अभाव में कबाड़ हो रहा वन विभाग का हर्बल प्लांट

डेढ़ दशक पहले 7.71 करोड़ की लागत से औद्योगिक क्षेत्र चोरहटा में किया गया था स्थापित

जागरण, रीवा। वन विभाग द्वारा लगभग डेढ़ दशक पहले औद्योगिक क्षेत्र चोरहटा में 7.71 करोड़ की लागत से स्थापित किया गया हर्बल प्लांट रखरखाव एवं संचालन के अभाव में कबाड़ का रूप लेता जा रहा है। प्लांट में लगीं करोड़ों की मशीनें जंग खाकर बर्बाद हो रहीं हैं। यह प्लांट काफी समय से बंद पड़ा है। तत्कालीन वन मंत्री राजेन्द्र शुक्ल के प्रयासों से स्थापित किया गया यह हर्बल प्लांट वर्ष 2011 में प्रारंभ किया गया था। यह उनका ड्रीम प्रोजेक्ट था और प्रारंभिक काल में इस प्लांट से अर्जुन छाल, गुड़मार पत्ती, निबोला, आंवला, हर्रा, एलोवेरा एवं नीम आयल का उत्पादन किया जाता था। लेकिन विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिये जाने का परिणाम यह निकला कि यह प्लांट कुछ साल चलने के बाद बंद हो गया है। पिछले दिनों पतंजलि कंपनी ने इस पर रुचि दिखाते हुए उसके अधिकारियों ने दौरा किया था लेकिन इसके बाद उसके द्वारा आगे कोई कार्यवाहीं नहीं की गई जिससे फिलहाल वन विभाग को कोई उम्मीद नहीं नजर आ रही है। लेकिन उसके दौरे का यह असर अवश्य हुआ कि वनविभाग ने इसे चालू करने के लिए प्रयास प्रारंभ कर दिया है। मुख्य वन संरक्षक रीवा राजेश कुमार राय ने बताया कि पिछले दिनों विभाग हाई लेवल की मीटिंग में भी इस पर बातचीत हुई है। वर्तमान समय में कुछ कंपनियां हर्बल प्लांट को लेना चाहती है। हमारी बातचीत चल रही है, बात बन गई तो ठीक है, नहीं तो हम इसकी शुरुआत जरूर करेंगे। हर्बल प्लांट चालू करने के लिए विभागीय तैयारी भी की जा रही है।

गौरतलब है कि विंध्य क्षेत्र में अनेक दुर्लभ जड़ी बुटियों का भंडार है। उनके औषधीय महत्व को देखते हुए रीवा में हर्बल प्लांट की स्थापना की गई थी। वन औषधीयों के इस्तेमाल के लिए वन विभाग ने लगभग पौने 8 करोड़ की लागत से हर्बल प्लांट लगाया था। वर्तमान में इस प्लांट की स्थापना में 50 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। वन विभाग ने 2011 में पूरे विन्ध्य सहित, आसपास की वन औषधीयों के इस्तेमाल के लिए, तत्कालीन वन मंत्री राजेंद्र शुक्ल के प्रयास से रीवा में एक हर्बल प्लांट लगाया था। शानदार मशीनें, शानदार बिल्डिंग, पूरे तामझाम के साथ हर्बल प्लांट की शुरुआत रीवा के इंडस्ट्रियल क्षेत्र में की गई थी। शुरू में प्लांट को विभाग ने चलाया, लेकिन सरकारी प्रयास नाकाफी रहे। उसके बाद इसको कानपुर एवं नोएडा के साथ लोकल लोगों ने भी चलाने की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं रहे। अब एक बार फिर वन विभाग को हर्बल प्लांट की याद आई है। विभाग अब स्वयं इसे चलाने की भी बात कह रहा है। इस बारे में वन विभाग के सीसीएफ साफ तौर से कहते हैं, हमने इलाके की वन औषधीय के इस्तेमाल के लिए इस प्लांट को बनाया था, कुछ दिन तक प्लांट ठीक चला, लेकिन बाद में कुछ गड़बड़ियां हो गईं, जिसे हम एक बार फिर ठीक करने जा रहे है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

वेतन और बेरोजगारी संकट की गहरी परतें

औद्योगिक क्षेत्रों में आम तौर पर श्रमिक अनियमित पारिश्रमिक भुगतान और शोषणकारी प्रथाओं का आरोप लगाते हैं। यह अशांति गहरी संरचनात्मक समस्याओं की ओर इशारा करती है। पिछले दिनों में नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में फैली हिंसा को केवल कानून-व्यवस्था बिगड़ने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि यह भारत के श्रम बाजार में बढ़ते तनाव को दर्शाती है।

दरअसल, उच्च पारिश्रमिक की मांग से शुरू हुआ यह मामला तेजी से बढ़ा, लेकिन असंतोष समय के साथ बढ़ता रहा है। इसके तात्कालिक कारण स्पष्ट हैं। पड़ोसी राज्य हरियाणा के मानेसर में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद राज्य में न्यूनतम मजदूरी 35 फीसदी बढ़ा दी गई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र जैसे एकीकृत श्रम बाजार में इस तरह की असमानताएं अस्वीकार्य हैं। ये तुलना को बढ़ावा देती हैं, शिकायतों को तीव्र करती हैं और राज्य स्तरीय वेतन नीतियों पर दबाव डालती हैं। साथ ही, पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण महंगाई का दबाव बढ़ा है जिससे जीवन यापन के खर्चे तेजी से बढ़ गए हैं। खासकर असंगठित बाजारों में रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि हुई है।

उल्लेखनीय है कि श्रमिक अनियमित पारिश्रमिक भुगतान और शोषणकारी प्रथाओं का आरोप लगाते हैं। इसका बड़ा कारण ठेकेदारों का व्यापक उपयोग है, जो जवाबदेही को धुंधला कर देता है और प्रवर्तन को कमजोर करता है। कई श्रमिकों के लिए यह स्पष्ट नहीं है कि वे किन अधिकारों के हकदार हैं, और यह आश्वासन तो और भी कम है कि उन्हें वे अधिकार प्राप्त होंगे। भारत में पारिश्रमिक वृद्धि धीमी और असमान रही है, विशेष रूप से आकस्मिक या अस्थायी श्रमिकों के लिए, जो सबसे अधिक जोखिम में हैं। जहां मजदूरी बढ़ी भी है, वह अक्सर महंगाई के साथ तालमेल बिठाने में विफल रही है। रोजगार की संरचना पर करीब से नजर डालने पर किसी भी आशावाद पर पानी फिर जाता है। भारत का अधिकांश कार्यबल स्वरोजगार में है। यह 2025 में 56 फीसदी से अधिक था, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में मामूली रूप से कम है। नियमित वेतनभोगी रोजगार में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन यह किसी सार्थक बदलाव का संकेत देने के लिए पर्याप्त नहीं है। आकस्मिक श्रम कुल रोजगार का लगभग पांचवां हिस्सा है और उसमें नगण्य परिवर्तन हुआ है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो रोजगार की संरचना अभी भी इस प्रकार के कार्यों से प्रभावित है जो आमतौर पर अनौपचारिक व असुरक्षित हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि भारत अपने बढ़ते कार्यबल के लिए पर्याप्त रोजगार सृजित नहीं कर रहा है। हाल की घटनाओं से स्पष्ट है कि इस प्रकार की तदर्थ वृद्धि निरंतर वार्ता और विश्वसनीय शिकायत निवारण तंत्र का विकल्प नहीं हो सकती। चार श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन में देरी ने समस्या को और बढ़ा दिया है। इन सुधारों का उद्देश्य एक अधिक समान वेतन ढांचा तैयार करना और श्रमिकों को सुरक्षा प्रदान करना था। विशेष रूप से, वेतन संहिता का उद्देश्य उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित करने के लिए एक सांविधिक राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी स्थापित करना है, साथ ही यह अनिवार्य करना है कि सरकार पांच वर्ष से अधिक के अंतराल पर न्यूनतम मजदूरी दर में संशोधन करे। फिर भी, नियमों के अभी तक अधिसूचित न होने के कारण, नियोक्ता और श्रमिक दोनों अनिश्चितता की स्थिति में हैं, जिससे भ्रम और अविश्वास बढ़ रहा है। इनमें से कोई भी बात नोएडा और मानेसर में हुई हिंसा को उचित नहीं ठहराती। लेकिन यह इस बात को उजागर करता है कि आर्थिक स्थिरता के लिए उचित मजदूरी या वेतन, प्रभावी प्रवर्तन और निरंतर सहयोग आवश्यक हैं।

प्रसंगवश

नैतिकता के अनुरूप हो एआई का उपयोग

हमारे समाज के बुद्धिजीवी, अध्यात्मिक व सामाजिक चिंतक गाहे-बगाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मानवीय मूल्यों के क्षरण पर लगातार चिंता जताते रहे हैं। अब इस चिंता पर पोप लियो 14 की स्वीकारोक्ति ने मोहर लगायी है। उन्होंने आशंका जतायी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से वैश्विक ध्रुवीकरण, संघर्ष, भय और हिंसा को बढ़ावा मिल सकता है। उनके इस बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। ऐसे वक्त में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुविधा, गति व नवाचार के लिये सराहा जा रहा है, पोप ने चेताया है कि नैतिकता के बिना प्रौद्योगिकी घातक साबित हो सकती है।

इसमें दो राय नहीं कि मूल रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता बुरी नहीं है, लेकिन यह तटस्थ भी नहीं है। निस्संदेह, इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता कि संस्थान व सरकारें इसे कैसे डिजाइन करती हैं और कैसे इसका उपयोग करती हैं। हाल की कुछ घटनाओं ने इन चिंताओं की पुष्टि भी की है। विभिन्न देशों के लोकतांत्रिक चुनाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक और क्लोन की गई आवाजों का प्रयोग झूठे विमर्शों को फैलाने, मतदाताओं को भ्रमित करने में किया गया। जिससे दुनिया में लोकतांत्रिक संस्थानों के प्रति जनता का भरोसा डिगा है। यह खतरनाक है कि साइबर ठगों ने क्लोनिंग उपकरणों के जरिये आवाज का उपयोग परिवार के सदस्यों व अधिकारियों के रूप में किया है। इसके जरिये साइबर अपराधियों ने पूरी दुनिया में लाखों लोगों की जीवन भर की पूंजी तक लूटी है।

विडंबना है कि जिस कार्य को अब तक तकनीकी-कौशल व संसाधनों के जरिये किया जाता था, वह तकनीक से अब आसानी व बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग भ्रामक सूचनाओं के लिये ही नहीं किया जा रहा है। आशंका है कि उन्नत एआई के जरिये वित्तीय प्रणालियों और साइबर सुरक्षा को खतरा पैदा किया जा सकता है। चिंता है कि शक्तिशाली एआई तकनीक से वित्तीय व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को निशाना बनाया जा सकता है। जिसे पकड़ना नियामक संस्थाओं के लिये मुश्किल होगा। ये स्वचालित हमले बैंकिंग नेटवर्क में धोखाधड़ी करने में सक्षम हो सकते हैं। जो हमारी डिजिटल दुनिया से भी आगे घातक प्रभाव डाल सकते हैं। जिससे देशों में वित्तीय संकट पैदा हो सकते हैं। भुगतान व्यवस्था में व्यवधान व विश्वास से छल तथा राजनीतिक दुष्प्रचार से समाज में अस्थिरता पैदा हो सकती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पर्यावरणीय घातक प्रभाव भी कम नहीं हैं। एआई के विस्तार के लिये विशाल डेटा केंद्रों, कोबाल्ट व लिथियम जैसे खनिजों की खुदाई की जरूरत होती है। जिसके लिये भारी पर्यावरणीय व मानवीय लागत की जरूरत होती है। निस्संदेह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में न तो इसे नकारा ही जा सकता है और न ही ये बुद्धिमत्ता का फैसला होगा, लेकिन इसका जिम्मेदारी से प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन व उत्पादकता में यह रामबाण सिद्ध हो सकती है, लेकिन यह मजबूत कानून, कंपनियों के सिस्टम की पारदर्शिता व सुरक्षा से ही निरापद हो सकती है। नागरिकों की डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना होगा।

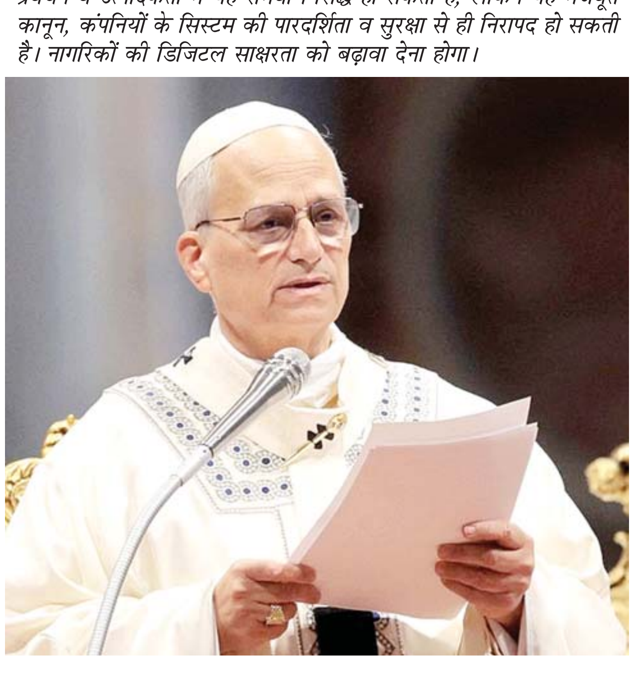

शैक्षणिक परिदृश्य

निनित राज की मौत जातिगत भेदभाव का नवीनतम उदाहरण

संस्थानों की सामंती सोच से मुक्ति जरूरी

आनंद नीलकांतन

एक और छात्र ने अपनी जान ले ली, जिसके बाद टीआरपी रेटिंग बढ़ाने के उद्देश्य से कुछ दिनों तक गहन टीवी बहस चली, इससे पहले कि हम जल्दी से सामान्य रूप से काम पर लौटते। एक छात्र का कॉलेज की इमारत से कूदना प्रशासनिक उदासीनता के चल रहे रिकॉर्ड में जोड़ा गया एक और आँकड़ा है। हाल ही में कन्नूर के एक डेंटल कॉलेज में नितिन राज की मौत एक और जातिगत भेदभाव त्रासदी का नवीनतम उदाहरण है। जिसने भी शैक्षणिक संस्थानों को 'शिक्षा का मंदिर' कहा, उसे पता नहीं था कि मंदिर का क्या मतलब होता है या उसे मंदिरों के प्रति अत्यधिक नफरत थी। हमारे कॉलेज बूचड़खाने हैं जहां वंचित व्यक्तियों के सपनों को एक विशेषाधिकार प्राप्त शैक्षणिक अभिजात वर्ग द्वारा व्यवस्थित रूप से नष्ट कर दिया जाता है। कथित तौर पर अपनी त्वचा के रंग और पृष्ठभूमि को लेकर लगातार ताने झेलने वाले दलित छात्र नितिन ने कक्षा में रोजाना होने वाले अपमान को सहने के बजाय पांच मंजिला इमारत से छलांग लगाने का फैसला किया। उस दिन से बहुत कुछ नहीं बदला है जब रोहित वेमुला ने 'जन्म की घातक दुर्घटना' के अपराध में अपनी जान ले ली। हमारे परिसर मध्ययुगीन जागीरें बन कर रह गए है हैं।

हम संकाय सदस्यों को अनियंत्रित शक्ति प्रदान करते हैं, और वे सोचते हैं कि वे दैवीय रूप से नियुक्त हैं। हमारे देश में, 19 साल के व्यक्ति को परमाणु-सशस्त्र राष्ट्र की सरकार चुनने के लिए पर्याप्त परिपक्व माना जाता है। हालाँकि, जैसे ही वही व्यक्ति कॉलेज परिसर में प्रवेश करता है, वे एक सुधारक संस्थान के कैदी बन जाते हैं, और शिक्षक सत्ता के नशे में जेल वार्डन बन जाते हैं। इन बंद संस्थानों में इन आधुनिक समय के उत्पीड़कों के पास मौजूद लाठी में से एक पुरानी उपस्थिति प्रणाली है। अनिवार्य उपस्थिति का यह आग्रह शिक्षा के बारे में नहीं है; यह कारावास के एक रूप के रूप में कार्य करता है। वे अच्छी तरह से जानते हैं कि जब तक वे छात्रों को जबरन कारावास में नहीं डालेंगे, कोई भी उनके उबाऊ व्याख्यानों में भाग लेने में अपना समय बर्बाद नहीं करेगा। औसत दर्जे के प्रशिक्षकों को एक बंधक दर्शक वर्ग दिया जाता है, जिस पर वे अत्याचारियों की तरह व्यवहार कर सकते हैं।

बहुत से देश छात्रों के साथ दास जैसा व्यवहार नहीं करते। यूरोप और अमेरिका में, उच्च शिक्षा छात्रों को वयस्क उपभोक्ताओं के रूप में मानती है। आप क्रेडिट के लिए भुगतान करते हैं, और यदि आप व्याख्यान में भाग नहीं लेने का निर्णय लेते हैं, तो आप अपनी अंतिम परीक्षा के परिणामों को स्वीकार करते हैं। प्रोफेसरों के भेष में सिर गिनने वाले या उपस्थिति दर्ज करने वाले कोई जेलर नहीं हैं। 'पतनशील' पश्चिम में, एक छात्र एक वयस्क उपभोक्ता है; यहां दिव्य गुरुओं की भूमि में, वह एक प्रोफेसर के नाजुक अहंकार के लिए सिर्फ कच्चा माल है

थोराट समिति की रिपोर्ट, जिसने बाद के विभिन्न आयोगों के साथ-साथ एम्स में भेदभाव की जांच की, इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे 'निरंतर मूल्यांकन' का उपयोग अक्सर व्यक्तिगत शिकायतों को संबोधित करने और जाति पदानुक्रम को मजबूत करने के लिए किया जाता है। यह प्रणाली जानबूझकर पारदर्शिता के अभाव के लिए बनाई गई है। उदाहरण के लिए, मौखिक परीक्षा के दौरान एक शिक्षक की मनोदशा अंततः यह निर्धारित कर सकती है कि ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्र के पास डॉक्टर बनने का अवसर है या नहीं। आंतरिक मूल्यांकन वैधानिक जबरन वसूली के अलावा और कुछ नहीं है, अकादमिक अभिजात वर्ग के लिए यह उन लोगों से दासत्व निकालने का एक उपकरण है जिनके उपनाम या त्वचा का रंग उनकी नाजुक, जातिवादी संवेदनाओं को ठेस पहुंचाता है।

मुझे एक पेशेवर कॉलेज में अपना समय याद है जो पेशेवर के अलावा कुछ भी नहीं था। प्रोफेसरों ने अपनी व्यक्तिगत शिकायतें छात्रों पर निकालीं। कुछ प्रदर्शनों में उन रिकॉर्ड पुस्तकों को नाली में फेंकना, जिन पर एक छात्र ने कई रातों तक मेहनत की होगी, प्रोजेक्ट रिपोर्ट को फाड़ देना, बिना किसी कारण के छात्रों और उनके परिवार के सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार करना और उनका अपमान करना और ऐसी चीजें शामिल थीं। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने के कारण, मैं उन प्रोफेसरों के लिए एक आसान लक्ष्य था जो अपने पद को धमकाने का लाइसेंस समझते थे। मैं अपनी घिसी-पिटी चप्पलों को गरीबी के तमगे की तरह पहनता था, जिन्हें मेरे प्रोफेसर लक्ष्य अभ्यास के लिए इस्तेमाल करते थे। मेरी हकलाती अंग्रेजी उनका दोपहर का मनोरंजन थी, उन पुरुषों के लिए एक सर्कस जो किसी भी समझदार समाज में मनोरोग वार्ड में अपनी एड़ियां ठंडी कर रहे होंगे। जबकि उन्होंने एक गरीब लेकिन 'उच्च जाति' के छात्र के साथ ऐसा व्यवहार किया, गरीब और 'दलित या आदिवासी' पृष्ठभूमि से आने वाले लोगों का भाग्य इससे भी बदतर था। हममें से कई लोगों की चमड़ी मोटी थी और हम अपने 'शिक्षकों' की ऐसी हरकतों को 'नट केस' कहकर हँसते थे, लेकिन हर किसी को गैंडे की खाल नहीं मिलती। हमारे परिसर में कुछ आत्महत्याएं हुईं, लेकिन चूंकि यह सोशल मीडिया और टीआरपी हंटर्स के युग से पहले था, इसलिए इन त्रासदियों पर ध्यान नहीं दिया गया। यह कल्पना करना कठिन है कि भारत के प्रधानमंत्री के पास उस तरह की शक्तियाँ होंगी जो एक कॉलेज के प्रोफेसर के पास असहाय छात्रों पर होती हैं। लैब रिपोर्ट पर हस्ताक्षर उनके भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस तरह से डिज़ाइन की गई प्रणाली में, यदि अधिक कॉलेज संकाय तानाशाह नहीं बनते हैं जिस पर हिटलर को गर्व हो, तो हम केवल उनके दिल की अच्छाई को धन्यवाद दे सकते हैं।

हम एक बंद संस्थागत माहौल को क्यों बर्दाश्त करते हैं जहां एक शिक्षक उत्तीर्ण ग्रेड के बदले में दासता की मांग कर सकता है? एक छात्र सिर्फ पुराने और अप्रासंगिक पाठ्यक्रम से नहीं लड़ रहा है; वह उस व्यवस्था से बच रहा है जो उसकी सामाजिक उत्पत्ति पर थूकती है और उसकी त्वचा के रंग का मज़ाक उड़ाती है। शिक्षा के भीतर पदानुक्रम इतना कठोर है कि असहमति या संवाद के लिए कोई जगह नहीं है; यह संकाय कक्ष के भीतर एक 'कंगारू कोर्ट' जैसा दिखता है। भारतीय सभ्यता ने हमेशा 'गुरुओं' को देवता माना है, लेकिन आधुनिक लोग केवल तनख्वाह वाले कॉलेज के कर्मचारी हैं, 'पवित्र बाबाओं' के प्रति सम्मान की मांग करने वाले महिमामंडित 'बाबू' हैं। माता, पिता, गुरु, दैव कहावत है, गुरु को ईश्वर से ऊपर रखना। यदि बहुत से शिक्षक भगवान हैं, तो मुझे नास्तिक के रूप में गिनें। सम्मान उनके कर्मों से अर्जित किया जाना चाहिए, इसलिए नहीं कि वे किसी संस्थान में कार्यरत थे।

अनिवार्य उपस्थिति का स्वांग ख़त्म करें, आंतरिक अंकों की वैधानिक जबरन वसूली बंद करें। मूल्यांकन को पारदर्शी और बाहरी होने दें, जिससे एचओडी को उसके क्षुद्र ईश्वर-परिसर से मुक्ति मिल सके। अब तक, हमारा कर पैसा गुंडा-प्रशिक्षण केंद्रों के एक नेटवर्क को वित्त पोषित कर रहा है जहां अगली पीढ़ी को नवाचार के बजाय आज्ञाकारिता में प्रशिक्षित किया जाता है। टेलीविजन बहसों में जिस 'योग्यता' का हम इतने जोर-शोर से बचाव करते हैं, वह अक्सर सही जाति या सही आर्थिक वर्ग से संबंधित होने के विशेषाधिकार का मुखौटा मात्र होती है।

हम अपने देश में नितिन और रोहित जैसे होनहार व्यक्तियों को खोते रहेंगे। वही कट्टरता जो एक सदी पहले हमारे गांवों को प्रभावित करती थी, अब हमारे परिसरों में पनप रही है। संकाय ज़मींदार हैं, और छात्र किसान हैं। वयस्कता में परिवर्तन इस बात की परीक्षा नहीं होनी चाहिए कि पीएचडी और नाजुक अहंकार वाले मनोरोगी से कोई कितना दुर्व्यवहार सह सकता है।

खुला मंच

अब तो अमेरिका में भी है एक पनौती!

सहीराम

इधर का तो पता नहीं जी, पर लगता है उधर एक पनौती जरूर है। नहीं-नहीं, हम पाकिस्तान की बात नहीं कर रहे क्योंकि वह अमेरिका और ईरान में युद्धविराम नहीं करवा पाया। हमारे विदेश मंत्री ने तो पाकिस्तान को पहले ही दलाल करार दे दिया था। युद्धविराम कराने वालों को पहली बार यह तमगा मिला था। पाकिस्तान चाहे तो इस पर सचमुच गर्व कर सकता है कि आखिर भारत ने उसे दलाल तो माना। वरना तो अभी तक हम उसे एक दुष्ट राष्ट्र ही मानते रहे हैं। खैर, पाकिस्तान को दलाल देश कहकर हम एकदम दूध से नहाकर निकल गए। कुछ इसी तरह की संत मुद्रा में कि जो दे उसका भी भला और न दे उसका भी भला। युद्धविराम हो तो ठीक, न हो तो ठीक। सानूं की? खैर, उसे छोड़ो! असल बात यह है कि युद्धविराम नहीं हुआ। बातचीत विफल हो गयी। अमेरिकी अपने घर लौट गए और ईरानी अपने घर लौट गए। पाकिस्तानियों ने खासतौर से इसके लिए राहत की सांस ली कि ईरानी सुरक्षित वापस लौट गए। वरना तो इजराइलियों का क्या भरोसा, रास्ते में खत्म कर देते यार! भई वे करते रहे हैं न ऐसा।

लेकिन हो सकता है कि बातचीत टूटने की खुशी में वे ऐसा नहीं कर पाए हों। कहते हैं कि बातचीत टूटने से अगर दुनिया का कोई देश सबसे ज्यादा खुश है तो वह इजराइल ही है। वैसे हमारे टीवी चैनलों के एंकर भी कम खुश नहीं हैं। लेकिन उन्हें तो अलग दुनिया के जीव मानना ही बेहतर होगा। खैर, अब दुनिया का तो जो होगा सो होगा, पर बेचारे जेडी वैंस का क्या होगा? अमेरिका वाले उन्हें पनौती कहने लगे हैं। इससे पता चलता है कि पनौती हमारे यहां ही नहीं, उधर भी होती हैं। लोग बता रहे हैं कि वहां मीम्स बनने लगे हैं। चुटकले बनने लगे हैं। अखबार मजे लेने लगे हैं। सब कह रहे हैं कि जेडी वैंस पनौती है भैया बचके रहना। ट्रंप ने उन्हें ईरानियों के लिए चुनौती बनाकर भेजा था, पर वे पनौती बनकर लौट गए।

अमेरिका वाले कह रहे हैं कि वे पोप से मिलने गए तो पोप जा लिए। वे हंगरी में डिक्टेटर विक्टर ऑर्बान का चुनाव प्रचार करने गए तो ऑर्बान हार गए। वे ऑर्बान का चुनाव प्रचार करने शायद इसलिए गए थे क्योंकि ट्रंप, ऑर्बान को भी माई डीयर फ्रेंड कहते थे, वैसे ही जैसे वे हमारे मोदीजी को माई डीयर फ्रेंड कहते हैं। फिर वे ईरान से शिखर वार्ता के लिए इस्लामाबाद गए और बातचीत विफल हो गयी। अब इसका दोष ट्रंप पर तो कौन लगाए, किसकी हिम्मत। सो बेचारे जेडी वैंस पनौती बन गए। नहीं क्या?

जलवायु परिवर्तन

अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है अप्रत्यक्ष प्रभाव

धरती के बढ़ते तापमान से खेती पर संकट के बादल

रवि शंकर

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन कोई एक देश या राष्ट्र से संबंधित अवधारणा नहीं है, बल्कि एक वैश्विक अवधारणा है जो समस्त पृथ्वी के लिए चिंता का कारण बनती जा रही है। जलवायु परिवर्तन से भारत सहित पूरी दुनिया में बाढ़, सूखा, कृषि संकट एवं खाद्य सुरक्षा के साथ बीमारियों का भी खतरा बढ़ा है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी (लगभग साठ फीसद) आज भी कृषि पर निर्भर है। इसलिए खेती पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखना बहुत जरूरी है। बदलते मौसम के प्रभाव से केवल फसलों का ही उत्पादन प्रभावित नहीं हो रहा है, बल्कि उनकी गुणवत्ता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। यह देश की खाद्य सुरक्षा के लिए एक अहम चुनौती है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान, सूखा, बाड़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी के कारण मध्य-पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है। बदलते पर्यावरण के कारण खेती के सामने बड़ा संकट है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर असर पड़ेगा। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन से इस शताब्दी में दुनिया भर में भुखमरी, बाढ़ और नागरिकों का पलायन बढ़ने की बात कही जा रही है। अगर तापमान में बढ़ोतरी होती है, तो एशियाई देशों में कृषि पैदावार तीस फीसद तक नीचे आ सकती है। विकास की तीव्र आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी को खत्म करने का हमारा लक्ष्य भी अधूरा रह सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले चालीस वर्षों में वर्षा की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के आरंभ में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घट कर 119 सेंटीमीटर रह गई है। गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों में जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। एक तरफ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, तो दूसरी ओर अप्रत्यक्ष प्रभाव आय की हानि और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है। जबकि फसलों की उपज बढ़ाने में उपजाऊ मिट्टी, पानी, अनुकूल वातावरण और कीट-पतंगों से बचाव आदि का महत्वपूर्ण योगदान होता है, लेकिन इनमें से किसी भी मानक में परिवर्तन होने से फसलों की पैदावार प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले कई दशकों में तापमान बढ़ता गया है।

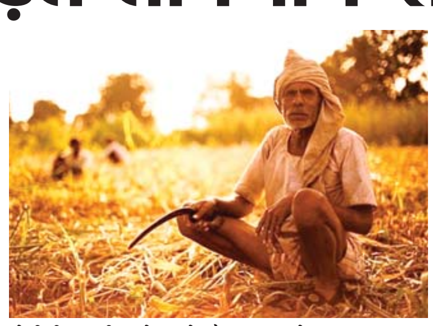

कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें एक विशेष तापमान की आवश्यकता होती है। वायुमंडल में तापमान बढ़ने पर उनकी उपज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जैसे गेहूं, सरसों, जौ और आलू आदि इन फसलों को कम तापमान की आवश्यकता होती है। तापमान का बढ़ना इनके लिए हानिकारक होता है। इसी प्रकार, ज्यादा तापमान बढ़ने से मक्का, ज्वार और धान आदि फसलों का नुकसान हो सकता है, क्योंकि ज्यादा तापमान के कारण इन फसलों में दाना नहीं बनता या फिर कम बनता है।

जलवायु परिवर्तन खाद्य सुरक्षा के सभी चार आयामों- खाद्य उपलब्धता, खाद्य पहुंच, खाद्य उपयोग और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा। यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा, तो हमारे सामने भोजन का संकट उत्पन्न हो जाएगा। तापमान की बढ़ती गति को देखें, तो आंकड़े बताते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। जिसका सीधा असर कृषि उत्पादन पर होगा। उदाहरण के लिए आज जहां गेहूं,जौ, सरसों और आलू की खेती हो रही है, तापमान बढ़ने से इन फसलों की खेती नहीं हो सकेगी, क्योंकि इन फसलों को ठंडक की आवश्यकता पड़ती है।

ठीक इसी प्रकार अधिक तापमान बढ़ने से मक्का, धान या ज्वार आदि फसलों का चरण हो सकता है, क्योंकि इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता है अथवा कम बनता है। इससे इन फसलों की खेती करना असंभव हो सकता है। इसके अतिरिक्त तापमान बढ़ने से वर्षा में कमी होती है। इससे मिट्टी में नमी समाप्त हो जाती है। इसी के साथ सूखे की संभावना भी बढ़ी है। इतना ही नहीं जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रासायनिक खादों का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं जो मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित कर रही है।

आज पूरे विश्व में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है और यह कहीं ज्यादा, तो कहीं कम महसूस किया जा रहा है। जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक में भारत शीर्ष बीस देशों में शामिल है। पिछले चार दशकों में हमारी धरती का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, जिसके कारण बाढ़, सूखे और तूफान जैसी कुदरती आपदाएं भी बढ़ी हैं। चूंकि अपने देश में ज्यादातर किसानों के पास छोटा रकबा है, इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी बुरी तरह गिर रही है।

भारत के लिए यह और अधिक चिंता की बात है, क्योंकि हमारे यहां साठ फीसद जनसंख्या खेती से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। कृषि ही उनके जीवनयापन का मुख्य स्रोत है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ा कर रहा है। वर्ष 2050 तक विश्व की आबादी वर्ष कर साढ़े नौ अरब हो जाएगी। इसका अर्थ यह है कि हमें दो अरब अतिरिक्त लोगों के लिए 70 फीसद ज्यादा भोजन पैदा करना होगा। इसलिए अब खाद्य और कृषि प्रणाली को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाना होगा और इसे ज्यादा उपजाऊ तथा टिकाऊ बनाने की जरूरत होगी। ऐसे में कृषि के विभिन्न तरीकों का पुनरावलोकन कर पर्यावरण को कम से कम क्षति पहुंचाने वाली तकनीकों का इस्तेमाल वांछनीय है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ कृषि के लिए बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए भी खतरे के रूप में सामने आ रहा है। लिहाजा कोई भी देश इसके असर से बच नहीं सकता।

जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में ऐसे तरीकों की समीक्षा किया जाना आवश्यक है, जिससे हमारे कृषक जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करते हुए फसलों का उत्पादन कर सकें और उन्हें समुचित लाभ भी मिल सके। साथ ही, कृषि से उनका मोह भंग भी न हो।

जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक में भारत शीर्ष बीस देशों में शामिल हैं। चूंकि अपने देश में ज्यादातर किसानों के पास छोटा रकबा है, इसलिए प्राकृतिक आपदाओं के कारण उनकी आमदनी बुरी तरह गिर रही है। देश के लिए यह और अधिक चिंता की बात है, क्योंकि हमारे वहां 60 फीसद जनसंख्या खेती से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। कृषि ही उनके जीवनयापन का मुख्य स्रोत है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ा कर रहा है।

जीवन दर्शन

सिर्फ इच्छाशक्ति नहीं, अंदर से बदलाव जरूरी

अगर आप खुद को बदलना चाहते हैं, तो सिर्फ इच्छाशक्ति से काम नहीं चलेगा। सच्चा बदलाव तब आता है, जब आप 'जैसे हैं, वैसे ही' खुद को स्वीकार करते हैं। हम अक्सर खुद को अपने बदलाव की कहानी का संचालक मान लेते हैं। हमें लगता है कि हम खुद को वैसा बना सकते हैं, जैसा चाहते हैं। खुद को बेहतर बनाने की बातें हमें बार-बार और बड़े आकर्षक तरीके से सुनने को मिलती हैं। ये बातें अक्सर ऐसे लोग करते हैं, जो खुद को 'बदलाव का विशेषज्ञ' बताते हैं। बेशक, खुद में बदलाव की भावना जरूरी होती है, पर अगर यह प्रेरणा आपके भीतर से आए, तो वह ज्यादा लंबे समय तक टिकती है। इस बात को मनोविज्ञान के कई शोध भी सही मानते हैं, जैसे 'सेल्फ-डिटरमिनेशन थ्योरी', जो बताती है कि अंदर से आने वाली प्रेरणा ही सबसे मजबूत होती है। बदलाव उतना इच्छाशक्ति का खेल नहीं है, जितना हम समझते हैं। यह दूसरों से ज्यादा प्रभावित होता है। हमारे आसपास ऐसे बहुत-से लाइफ कोच और वेलनेस इन्फ्लुएंसर हैं, जो हमें खुद को और बेहतर बनाने के लिए उकसाते रहते हैं। गेस्टाल्ट थेरेपी के संस्थापकों में से एक, मनोचिकित्सक फ्रिट्ज पर्ल्स हमारे अंदरूनी बदलाव की चाहत को एक तरह का आत्म-छलावा मानते थे। दूसरों को बदलने की कोशिश के बारे में भी उनका यही मानना था।

पर्ल्स और उनके साथी डॉ. अर्नोल्ड बेइसर, जिन्होंने 'पैराडॉक्सिकल थ्योरी ऑफ चेंज' दी, कहते थे कि बदलाव तब आता है, जब हम अपने आप को बदलने की कोशिश छोड़कर 'जैसे हैं, वैसे ही' खुद को स्वीकार करते हैं। इसके लिए दो चीजें सबसे जरूरी हैं : एक तो, बदलाव की नीयत और दूसरी, समर्पण की भावना, यानी बिना किसी जोर-जबर्दस्ती के बस कोशिश करते रहना। पर समस्या यह है कि हम खुद अपने बदलाव को सही से समझ नहीं पाते। कई बार लगता है कि हम बदल रहे हैं, जबकि हम नहीं बदल रहे होते और कई बार हम बदल जाते हैं, पर हमें पता ही नहीं चलता। मनोवैज्ञानिक जेफ्री कॉटलर कहते हैं कि ज्यादातर बदलाव ऐसे स्तर पर होते हैं, जो हमारी समझ से परे होते हैं। विशेषज्ञ भी एकमत नहीं हैं कि बदलाव का सर्वश्रेष्ठ तरीका क्या है। तो क्या हमें हार मान लेनी चाहिए? बिल्कुल नहीं। प्रयास जरूरी है, पर उसके साथ विनम्रता भी। हमें खुद पर काम करना चाहिए, सही माहौल बनाना चाहिए, अच्छे लोगों की संगति में रहना चाहिए और फिर धीरे-धीरे बदलाव अपने आप होने लगता है। डॉ. विक्टर फ्रैंकल ने भी कहा था कि जब हम दूसरों से प्यार करते हैं या किसी और के मकसद के लिए काम करते हैं, तो इस तरह हम कहीं न कहीं खुद को भी बेहतर ही बना रहे होते हैं।

बेनोइट डेनिजेट-लुईस

॥गीता ज्ञान॥

श्लोक

चन्दनं शीतलं लोके,चन्दनादपि चन्द्रमा :!
चन्द्रचन्दनयोर्मध्ये शीतला साधुसंगति : !!

भावार्थ

इस दुनिया में चन्दन को सबसे अधिक शीतल माना जाता है पर चन्द्रमा चन्दन से भी शीतल होती है लेकिन एक अच्छे दोस्त चन्द्रमा और चन्दन से शीतल होते है।

रिजल्ट आया, लेकिन एडमिशन अटका शेड्यूल जारी होने के इंतजार में छात्र

यूनिवर्सिटी को 24 तक प्रोफाइल्स को लॉक कर उच्च शिक्षा विभाग को भेजना है

फाइल फोटो

जागरण, रीवा

एक तरफ एमपी बोर्ड ने 12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया, दूसरी तरफ कॉलेज एडमिशन अब भी प्रोफाइल अपडेट पर अटके हैं। हालात ये हैं कि जिन छात्रों को अब कॉलेजों की दौड़ शुरू करनी चाहिए थी, वे अभी भी शेड्यूल के इंतजार में बैठे हैं। खासतौर पर सीबीएसई के छात्र, जिनका रिजल्ट अब तक घोषित नहीं हुआ है। जिले के सरकारी और निजी कॉलेज 15 अप्रैल तक अपनी प्रोफाइल अपडेट कर यूनिवर्सिटी को सौंप चुके हैं। अब यूनिवर्सिटी को 24 अप्रैल तक इन प्रोफाइल्स को लॉक कर उच्च शिक्षा विभाग को भेजना है। इसके बाद ही ई-प्रवेश का शेड्यूल जारी होगा। यूजी में प्रवेश के लिए सामान्य वर्ग, ओबीसी और अन्य राज्य के छात्रों को कम से कम 60 प्रतिशत अंक, जबकि एससीए एसटी और दिव्यांग छात्रों को 55 प्रतिशत अंक जरूरी है।

5 मई से शुरू हो सकते हैं एडमिशन : उच्च शिक्षा विभाग के संकेत हैं कि इस साल एडमिशन प्रक्रिया 5 मई के आसपास शुरू हो सकती है। यूजी के लिए 5 मई और पीजी के लिए 7 मई से रजिस्ट्रेशन की संभावना जताई जा रही है। लेकिन हैरानी की बात ये है कि अब तक न तो गाइडलाइन जारी हुई है और न ही काउंसलिंग शेड्यूल।

ई-प्रवेश की तैयारी, सिस्टम धीमा

कॉलेजों को ई-प्रवेश फाइल अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं और इसके लिए 5 मई तक का समय रखा गया है। यानी जिस दिन से एडमिशन शुरू होने की बात हो रही है, उसी दिन तक तैयारी पूरी करने की डेडलाइन भी है यही सिस्टम की सुस्ती पर सवाल खड़े कर रहा है।

सीबीएसई छात्र सबसे ज्यादा

इंस्टीट्यूट फॉर एक्सीलेंस इन हायर एजुकेशन (आईईएचई) में हर साल एडमिशन लेने वाले छात्रों में 50 प्रतिशत से ज्यादा सीबीएसई बोर्ड के होते हैं। ऐसे में रिजल्ट में देरी सीधे तौर पर एडमिशन प्रक्रिया को प्रभावित कर रही है।

आरडीसीए की अंतर एकेडमी क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

रीवा। डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व में अंतर एकेडमी क्रिकेट प्रतियोगिता (अंडर-18) का शुभारंभ आज 21 अप्रैल 2026 से हो रहा है। उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए के सह-सचिव देवेश शुक्ला के द्वारा बताया गया कि संभाग के खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मैचों का अभ्यास प्रदान करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है तथा इसमे रीवा में संचालित विभिन्न एकेडमीज की 5 टीमों एवं शेष 5 जिलों मैहर, सतना, सीधी, सिंगरौली एवं मऊगंज की 1-1 टीम भाग लेगी इस प्रकार कुल 10 टीमे इसमें हिस्सा लेंगी। इस प्रतियोगिता में 18 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ी ही भाग ले सकते है। नॉक आउट पद्वति पर खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता के सभी मैच 2 दिवसीय होंगे जबकि फाइनल मैच 3 दिवसीय होगा। आज पहले दिन एक साथ 2 मैच खेले जावेंगे जिसके तहत स्थानीय अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय स्टेडियम में डब्ल्यूसीए एकेडमी एवं शिल्पी चैंपियन एकेडमी की टीमों के बीच मैच होगा जबकि एमपीसीए क्रिकेट मैदान में खेले जाने वाले दूसरे मैच में आरडीसीए एकेडमी एवं रेस्ट ऑफरीवा की टीमें आमने -सामने होंगी। आरडीसीए के द्वारा मैचों के आयोजन की सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। गर्मी के कारण सभी मैच सुबह 7:30 बजे से आरंभ होंगे।

सरकारी स्कूलों में सामग्री क्रय के नाम पर लाखों का फर्जीवाड़ा

लोकायुक्त ने शिकायत के बाद सिंगरौली डीइओ और सहायक संचालक सहित चार पर दर्ज किया मामला

जागरण, रीवा। लोकायुक्त रीवा संभाग ने सिंगरौली जिले में सरकारी स्कूलों में सामग्री क्रय, मेंटेनेंस, लैब सहित सामग्री क्रय के नाम पर किए गए लाखों के फजीवाड़ा की शिकायत के बाद सिंगरौली डीइओ, सहायक संचालक सहित 4 पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। उक्त भ्रष्टाचार की शिकायत रीवा लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक के पास संतोष कुमार निवासी वर्दी तहसील चितरंगी ने की थी। लोकायुक्त की टीम ने जांच के बाद सूर्यभान सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी सिंगरौली, राजधर साकेत सहायक संचालक (शिक्षा) सिंगरौली, रामलखन शुक्ल जिला परियोजना समन्वयक सिंगरौली व छविलाल सिंह, सहायक परियोजना समन्वयक (वित्त) एवं अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता द्वारा लोकायुक्त कार्यालय रीवा में शिकायत आवेदन में डीइओ सूर्यभान सिंह के विरुद्ध की गई शिकायत में बताया था कि नियम विरुद्ध खरीद एवं प्रशासनिक कार्य में पद का दुरुपयोग कर अनियमितता कर फर्जीवाड़ा किया गया है। शिकायत की लोकायुक्त की टीम द्वारा जांच की गई जिसमे पता लगा कि कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी से 558 शालाओं हेतु स्वच्छता एवं कीटाणु शोधन सामग्री क्रय के लिए 97 लाख 67 हजार 790 रुपए , 19 विद्यालय हेतु वर्चुअल रियलिटी लैब क्रय हेतु (राशि 468.16 लाख) तथा 61 विद्यालय हेतु विधुत व्यवस्था (उपकरण), सामान्य मरम्मत सामग्री क्रय (राशि 305/- लाख) से संबंधित दस्तावेज प्राप्त कर परीक्षण उपरांत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(ए) सहपाठित धारा 13(2), धारा 7(सी) , धारा 12 एवं धारा 316(5), 61(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत पंजीबद्ध किया है। लोकयुक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 558 शालाओं हेतु स्वच्छता एवं कीटाणु शोधन सामग्री क्रय, 19 विद्यालय हेतु वर्चुअल रियलिटी लैब क्रय तथा 61 विद्यालय हेतु विद्युत व्यवस्था (उपकरण), सामान्य मरम्मत सामग्री क्रय में की गई अनियमितता की विवेचना की जा रही है।

विंध्य व्यापारी संघ ने शुरू की नि:शुल्क प्याऊ सेवा

रीवा। भीषण गर्मी को देखते हुए आम जनता को राहत देने के उद्देश्य से विंध्य व्यापारी संघ द्वारा मृगनयनी क्षेत्र में नि:शुल्क प्याऊ सेवा की शुरुआत की गई। अंबेडकर बाजार के सामने आयोजित कार्यक्रम में फीता काटकर प्याऊ का शुभारंभ किया गया। विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा के अध्यक्ष नरेश काली की उपस्थिति में प्याऊ का उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में लोगों को साफ और ठंडा पीने योग्य पानी उपलब्ध कराना समाज सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है। इसी उद्देश्य से शहर के प्रमुख चौराहों पर नि:शुल्क प्याऊ लगाने का अभियान चलाया जा रहा है, ताकि राहगीरों और आम नागरिकों को राहत मिल सके। उद्घाटन समारोह में प्रमुख रूप से महेश थारवानी, संदीप गुप्ता (गुड्डू), मुकेश हिरवानी, दाऊ चंदवानी, अंबर निगम, विजय होतवानी, अजीज भाई, राजेश गुप्ता, रुपेश गुप्ता, बबलू, रत्नेश प्रधान, उदित गुप्ता और बब्बू थारवानी सहित विंध्य व्यापारी संघ के कई सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी के दिनों में इस तरह की व्यवस्था से आम लोगों को काफी राहत मिलेगी।

सीएसडी कैंटीन में पूर्व सैनिकों को मिल रहा ठंडा आरओ वॉटर

प्रबंधन ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए बनाई व्यवस्था

जागरण, रीवा। सीएडी कैंटीन में लगातार सुविधाओ का विस्तार पूर्व सैनिकों के लिए किया जा रहा है। कैंटीन प्रभारी कैप्टन प्रदीप सिंह व असिस्टेंट कैंटीन मैनेजर अमिल सूबेदार अमित सिंह बघेल सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रयासरत हैं। हाल ही में भीषण गर्मी को देखते हुए वेटिंग सेड में आरओ वॉटर व वॉटर कूलर की व्यवस्था की गई है, इसके साथ ही वेटिंग शेड में दो कूलर लगाए गए हैं कि ताकि यहां आने वाले पूर्व सैनिकों व उनके परिजनों को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो। ग्रोसरी सेक्शन में 3 एसी लगाए गए हैं ताकि गर्मी से राहत मिल सके। कैंपस को सुरक्षित करने के लिए बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया गया है। इसके साथ ही एमटीएस भर्ती प्रक्रिया प्रचलन में है, जिसके बाद तीसरा चेकिंग काउंटर भी शुरू कर दिया जाएगा जिससे बड़ी राहत मिलेगी। बिलिंग व चेकिंग में कम समय लगने से अधिक से अधिक पूर्व सैनिकों को इसका लाभ एक दिन में मिलेगा।

विस्तार के हो रहे प्रयास : बता दें कि पूर्व सैनिकों की इस कैंटीन में रीवा सहित शहडोल संभाग के सभी जिलो के पूर्व सैनिक व उनके परिवार जन आते हैं, स्पेस कम होने के वजह से समान भी कम ही मंगाया जाता है व कम लोगों को एक साथ इंट्री मिलती है। इसको लेकर भी प्रबंधन द्वारा प्रयास किया जा रहा है, भूमि नहीं होने से समस्या आ रही है, यदि भूमि मिल जाए तो इसका विस्तार किया जा सकेगा।

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 में धूमधाम से मना प्रवेशोत्सव

जागरण, रीवा। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 में कक्षा 1 एवं बालवाटिका के नवप्रवेशित बच्चों के लिए हर्षोल्लास के साथ प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चे अपने अभिभावकों के साथ पहली बार विद्यालय पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा बच्चों का तिलक लगाकर एवं उपहार प्रदान कर अभिनंदन किया गया। साथ ही अभिभावकों को विद्यालय की नियमावली एवं विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान पुस्तक पर्व का भी आयोजन किया गया, जिससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि विकसित हो सके। विद्यालय की प्राचार्या महालक्ष्मी पांडे ने बच्चों का हृदय से स्वागत करते हुए अभिभावकों को विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं मुख्याध्यापिका विभा सिंह ने उपस्थित अभिभावकों एवं बच्चों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय की समयसारिणी एवं नियमों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर शिक्षक मनीष चौरसिया ,स्मृति एवं शिवानी भी उपस्थित रहे। विद्यालय में आकर बच्चों ने अत्यंत प्रसन्नता एवं उत्साह का अनुभव किया। कार्यक्रम ने नन्हे विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन की सुखद शुरुआत को यादगार बना दिया।

बस शुल्क को लेकर विरोध एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

जागरण, रीवा। पीएम एक्सीलेंस (मॉडल साइंस कॉलेज) में छात्रों से बस सुविधा के नाम पर अनिवार्य शुल्क वसूली के विरोध में एनएसयूआई एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कॉलेज पहुंचकर प्राचार्य से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने बताया कि सरकार द्वारा एक्सीलेंस कॉलेजों में लागू नई नीति के तहत सभी छात्रों से बस शुल्क अनिवार्य रूप से लिया जा रहा है, चाहे वे बस सेवा का उपयोग करें या नहीं। इसे छात्र विरोधी निर्णय बताते हुए संगठन ने इसका विरोध किया है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि कॉलेज में लगभग 7000 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, जबकि बस संचालन की व्यवस्था केवल दो राउंड तक सीमित है। ऐसे में सभी छात्रों को बस सुविधा मिल पाना संभव नहीं है, फिर भी सभी से शुल्क लिया जाना उचित नहीं है।

एनएसयूआई ने मांग की है कि जो छात्र बस सेवा का उपयोग नहीं करते, उनसे शुल्क वसूली तत्काल बंद की जाए तथा इस नीति को वापस लिया जाए। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस विषय पर उचित निर्णय नहीं लिया गया, तो एक सप्ताह के अंदर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से मुलाकात कर मामला उठाया जाएगा, और यदि तब भी कोई छात्र हित में निर्णय नहीं लिया जाता है तो बड़ा आंदोलन भी किया जाएगा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा, जेएनसीटी अध्यक्ष सानुराग सिंह, जिला महासचिव शक्ति पाठक एवं मॉडल साइंस प्रभारी पीयूष तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

एआई के खतरों से सचेत रहने की आवश्यकता

रीवा। `बौद्धिकता के खतरे' विषय गत शाम गहन विचार विमर्श हुआ। जिसमे सभी वक्ताओं ने एक स्वर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के खतरों से आगाह करते हुए सावधानी पूर्वक नई तकनीकों का उपयोग करने की सलाह दी। अवसर था उपनयन पत्रिका के 27वे अंक के लोकार्पण-प्रकाशन सह संगोष्ठी का। यह आयोजन पूर्व कुलपति अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यलय के आवास मे किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध नाटककार योगेश त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल, कवि भृगुनाथ पाण्डेय `भ्रमर' विशेष आमन्त्रित अतिथि उपस्थित थे। वहीं सम्पादक मंडल के संरक्षक प्रो. एन.पी.पाठक, परामर्शदाता डा. चन्द्रिका प्रसाद `चंद्र', संयोजक डॉ. विवेक द्विवेदी, सम्पादक ओमप्रकाश मिश्र, सह सम्पादक डॉ. लालजी गौतम, उप सम्पादक रमाकांत तिवारी एवं अतिथि सम्पादक राजेश नारायण दर `शम्मी' मौजूद रहे।

मोबाइल की लत बन रही 'टेक्स्ट नेक' की वजह, हर दूसरा व्यक्ति गर्दन दर्द से पीड़ित

झुककर फोन देखने से गर्दन पर 27 किलो तक दबाव, विशेषज्ञों ने दी सावधानी बरतने की सलाह

जागरण, रीवा। आधुनिक जीवनशैली में स्मार्टफोन का बढ़ता उपयोग अब सेहत पर भारी पड़ रहा है। जिला अस्पताल के अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ.भागवत यादव के अनुसार अस्पताल आने वाला हर दूसरा मरीज गर्दन और कंधे के दर्द से पीड़ित है। इसका प्रमुख कारण लंबे समय तक मोबाइल स्क्रीन की ओर झुककर देखना है, जिसे चिकित्सा भाषा में 'टेक्स्ट नेक सिंड्रोम' कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानव सिर का औसत वजन लगभग 4.5 किलो होता है, जिसे गर्दन सामान्य स्थिति में आसानी से संभाल लेती है। लेकिन जैसे ही गर्दन 15 डिग्री तक झुकती है, उस पर पड़ने वाला दबाव कई गुना बढ़ जाता है। यदि झुकाव 60 डिग्री तक पहुंच जाए तो गर्दन पर करीब 27 किलो तक का भार पड़ता है, जो लंबे समय तक गंभीर नुकसान का कारण बन सकता है।

शरीर पर दुष्प्रभाव

लगातार गलत मुद्रा में रहने से शरीर पर कई दुष्प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। इनमें गर्दन, कंधे और पीठ में दर्द व अकड़न, तनाव-जनित सिरदर्द, नसों का दबना और हाथों में झनझनाहट शामिल है। इसके अलावा सर्वाइकल स्पाइन में बदलाव होने से रीढ़ की हड्डी का प्राकृतिक आकार प्रभावित हो सकता है।

लक्षणों को न करें नजरअंदाज

चिकित्सकों की माने तो इस समस्या के लक्षणों में गर्दन के निचले हिस्से में दर्द, कंधों का झुकना और गर्दन घुमाने में कठिनाई शामिल है। समय रहते इलाज न होने पर यह समस्या स्पॉन्डिलाइटिस या स्थायी विकलांगता का रूप ले सकती है।

बचाव के उपाय

विशेषज्ञों ने बचाव के लिए कुछ आसान उपाय सुझाए हैं। उपयोग करते समय स्क्रीन मोबाइल या लैपटॉप का को आंखों के स्तर पर रखें, हर 20 मिनट में ब्रेक लें और गर्दन को स्ट्रेच करें। इसके साथ ही नियमित व्यायाम और सही पोस्चर बनाए रखना भी जरूरी है।

ज्ञानस्थली के छात्रों ने किला म्यूजियम का किया भ्रमण

रीवा। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर ज्ञानस्थली स्कूल के छात्रों ने किला स्थित विश्व प्रसिद्ध महामृत्युंजय मंदिर में महादेव के दर्शन किये, साथ ही पुरातत्व संग्रहालय का भ्रमण करते हुए संग्रहालय में स्थित दुनिया के सबसे पहले सफेद बाघ मोहन का संरक्षित शरीर, प्राचीन अस्त्र-शस्त्र, शाही पोशाकें, चांदी का सिंहासन, दुर्लभ चित्र, पालकी आदि ऐतिहासिक चीजों को देखा। छात्रों ने रीवा के गौरवशाली इतिहास एवं किला की की भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य सलोनी बत्रा ने छात्रों को ऐतिहासिक स्मारकों को संरक्षित बनाए रखने तथा उनके प्रति जागरुकता का संदेश देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संविदा वाहन चालक के लिए आवेदन आमंत्रित

रीवा। विभिन्न विधिक सेवा संबंधी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए न्याय सारथी वाहन में वाहन चालक के लिए संविदा आधार पर आवेदन 4 मई को शाम 5 बजे तक आमंत्रित किए गए हैं। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त संबंध में विस्तृत विवरण जिला विधिक प्राधिकरण कार्यालय में भौतिक रूप से अथवा जिला न्यायालय रीवा की वेबसाइट में प्राप्त किया जा सकता है।

जनगणना 2027: प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण जारी

रीवा। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत जिले में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। इस क्रम में शासकीय विज्ञान महाविद्यालय सहित सभी नगर परिषदों व तहसील कार्यालयों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए तथा प्रशिक्षण के संबंध में प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को जानकारी उपलब्ध कराई गई। प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य मध्यप्रदेश में एक मई से 30 मई तक एक साथ संचालित किया जाएगा। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी 2027 में देशभर में संपन्न कराया जाएगा। प्रशिक्षण फील्ड ट्रेनर्स के माध्यम से दिया जा रहा है, जिसमें जनगणना कार्य से संबंधित सभी आवश्यक बिंदुओं की जानकारी प्रदान की जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जनगणना 2027 में आधुनिक डिजिटल माध्यमों का उपयोग किया जाएगा। मोबाइल एप के माध्यम से डेटा संकलन किया जाएगा तथा संपूर्ण कार्य की निगरानी जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (सीएम एमएस) के माध्यम से की जाएगी। प्रशिक्षित प्रगणक एक मई से 30 मई तक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे एवं निर्धारित प्रारूप में आंकड़े संकलित करेंगे।

सरकारी कॉलेजों में प्रवेश बढ़ाने फिर शुरू होगा कॉलेज चलो अभियान

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रवेश नोटिफिकेशन के पहले आदेश जारी करने की तैयारी

जागरण, रीवा। जिले के सभी 16 सरकारी कॉलेजों की स्नातक कक्षाओं में प्रवेश की गति बढ़ाने कॉलेज चलो अभियान फिर शुरू होगा। विभागीय अधिकारियों की मानें तो इस बाबत उच्च शिक्षा विभाग द्वारा फिर से आदेश जारी किए जा सकते हैं। प्रवेश नोटिफिकेशन के पूर्व अभियान चलाया जाएगा। जिसमें प्राचार्यों को नजदीकी विद्यालय, ग्रांम पंचायतों में पहुंचकर विद्यार्थियों को सरकारी कॉलेज में प्रवेश लेने प्रोत्साहित करना होगा। सत्र 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया इसी सप्ताह से प्रारम्भ हो सकती है, जिसके मद्देनजर अभियान संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन कॉलेज प्रबंधनों को करना होगा। गौरतलब है कि सरकारी व गैर सरकारी कॉलेज की स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं में संबंधी नियम लगभग तय हो गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2026-27 का प्रवेश संबंधी मार्गदर्शी सिद्धांत भी शीघ्र जारी हो सकता है। इससे पहले विभाग अभियान के जरिये छात्रों को महाविद्यालयों की व्यवस्थाओं और पाठ्यक्रमों से अवगत कराना चाहता है, जिसके लिए महाविद्यालयों को अभियान चलाने के लिए आदेशित किया जाएगा। बता दें कि इसके पहले भी अभियान संचालन संबंधी निर्देश जारी हुए थे परंतु तब महाविद्यालय ठंड की जकड़ में रहे, लिहाजा नए सिरे से अभियान हेतु विभाग ने पत्र जारी करने की तैयारी में है।

छात्रों को किया जायेगा प्रेरित

अभियान के तहत प्रत्येक सरकारी महाविद्यालय अपने क्षेत्राधिकार अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के छात्रों, शिक्षकों से सम्पर्क करेंगे। महाविद्यालयों द्वारा अपने नजदीक के विद्यालयों में जाकर 12वीं के छात्रों को जागरुक व प्रेरित किया जाता है। कक्षा 12वीं के छात्रों को उच्च शिक्षा अध्ययन के लाभ से अवगत कराया जाता है। साथ ही, छात्र किस संकाय में प्रवेश लेकर अपना हुनर निखार सकते हैं, इसके लिए उन्हें मार्गदर्शन भी दिया जाता है।

अभिभावकों से करेंगे सम्पर्क

छात्रों के अभिभावकों से भी महाविद्यालयीन शिक्षक संवाद स्थापित करेंगे, ताकि महाविद्यालयों की सुविधाओं और यहां अध्ययन करने पर कैरियर आदि की जानकारी छात्रों, अभिभावकों को सीधे मिल सके। महाविद्यालयों को अभियान के तहत नई शिक्षा नीति के लाभ से अवगत कराने छात्रों के मध्य पम्पलेट का वितरण भी करना होगा। इसके अलावा विद्यालयों में पीपीटी, वीडियो आदि के प्रदर्शन महाविद्यालयीन प्राध्यापक करेंगे, जिसके माध्यम से छात्रों का ध्यान महाविद्यालयीन शिक्षा की तरफ खींचने का प्रयास होगा। अभियान के बेहतर संचालन हेतु महाविद्यालयों को किसी एक प्राध्यापक को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी देनी होगी। इस अभियान के संचालन में होने वाले व्यय की आपूर्ति महाविद्यालयों द्वारा जनभागीदारी मद से की जायेगी।

11 वर्षीय बच्चे की हसिया से गला रेतकर हत्या

शहर के बैंक कालोनी में हुई वारदात नीले ड्रम में छिपा दिया था शव

जागरण, सतना

सोमवार को शहर में एक 11 वर्षीय बच्चे की हसिया गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई। हत्या कर शव को नीले ड्रम में छिपा दिया गया था जिसे मौके पर पहुची पुलिस ने तलाश। यह घटना कोलगवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बैंक कालोनी का बताया जा रहा है। हालांकि घटना के बाद से आरोपी फरार है। जिसकी तलाश के लिए पुलिस ने कई टीम लगाई है। सूत्र बताते है कि घटना के बाद से आरोपी घर के बाहर ताला लगाकर फरार हो गया। आरोपी ने मृतक के शव को ड्रम में डाल दिया जिसमें आधा गेहू भरा हुआ था और ऊपर से कपड़ा ढक दिया।

घटना के वक्त घर में अकेला था मृतक : घटना के समय शिवराज घर पर अकेला था। मां आशा रजक काम पर गई थीं बहन कॉलेज और भाई मजदूरी के लिए बाहर गया था। दोपहर में जब मां लौटीं तो शिवराज घर पर नहीं मिला। आसपास तलाश के बाद पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद हत्याकांड का खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार कुछ दिन पहले आरोपी और बच्चे के पिता रमेश रजक के बीच विवाद हुआ था। आशंका है कि इसी रंजिश में मासूम को निशाना बनाया गया। रमेश रजक फिलहाल महाराष्ट्र के नासिक में मजदूरी करते हैं।

ये है घटना

घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बैंक कालोनी में सोमवार की दोपहर इस घटना को अंजाम दिया गया। जैसे ही पुलिस को खबर लगी पुलिस मौके पर पहुची और ताला तोडकर घर के अंदर दाखिल हुई। अंदर का मंजर सिहराने वाला था.बिस्तर पर रखी तकिया खून से सनी थी दीवारों पर खून के छींटे थे और बिस्तर से लेकर ड्रम तक खून के निशान पड़े थे। मृतक की पहचान शिवराज रजक उम्र 11 साल के रूप में हुई है जो कक्षा 5वीं का छात्र था। तलाशी के दौरान पुलिस ने नीले ड्रम से बच्चे का शव बरामद किया। आरोपी मथुरा रजक उम्र 45 साल पर हंसिया से गला रेतकर हत्या करने का आरोप है।

पहली बार स्व-गणना की सुविधा, नागरिक स्वयं कर सकेंगे अपनी गणना

रीवा। जनगणना 2027 के अंतर्गत इस बार नागरिकों को पहली बार स्व-गणना की सुविधा प्रदान की गई है। इसके माध्यम से नागरिक स्वयं ऑनलाइन अपनी जानकारी दर्ज कर अपनी जनगणना कर सकेंगे। स्व-गणना की प्रक्रिया 30 अप्रैल तक उपलब्ध रहेगी। इस अवधि में नागरिक निर्धारित पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन प्रश्नावली भर सकते हैं और अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। यह पहल जनगणना प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे नागरिकों की भागीदारी भी बढ़ेगी और डेटा संकलन की प्रक्रिया अधिक सुगम होगी। प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें और जनगणना कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

पेयजल के लिए जल प्रदाय होने के पूर्व कतार में लगना पड़ रहा

पानी के लिए मशक्कत कर रहे शहर सहित अंचलवासी

जागरण, रीवा। शहर में जलसंकट बढ़ता ही जा रहा है, शहर सहित अंचल के रहवासी भी पीने के पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। ढेकहा क्षेत्र में कहने को तो पाइप लाइन डली है, किन्तु अधिकतर घरों में पीएचई द्वारा किया जाने वाला जल प्रदाय पहुंच ही नहीं पाता, इस क्षेत्र के कई घर ऐसे भी हैं जहां पाइप लाइन ही नहीं है, ज्यादातर लोगों ने घरों में बोरिंग करवा रखा है, किन्तु बोरिंग में खारा पानी आने से पीने के पानी के लिए ढेकहा क्षेत्र के रहवासी, मैदानी, करहिया, दुआरी सहित आसपास के रहवासी ढेकहा तिराहे पर स्थित सार्वजनिक नल में जल प्रदाय के करीब एक से दो घंटा पूर्व पानी के बर्तन लाकर कतार पर लगने को मजबूर हैं। जल प्रदाय के दौरान नल में पानी भी बहुत ही कम प्रेशर से आता है, जिससे यहां लगने वाली भीड़ में लोग इसी प्रयास में रहते हैं कि उनके दो बर्तन भर जाएं जिससे उन्हें बाजार से पीने के लिए पानी न खरीदना पड़े। लोगों के साथ ही यहां आसपास लगने वाली होटल, ठेला व्यापारियों के कर्मचारी भी पानी के लिए कतार में लगे रहते हैं, जिससे कई बार सभी को पानी नहीं मिल पाता। कई लोग परिवार सहित दो-दो डिब्बे लाकर कतार में लग जाते हैं, उनका पानी भरता है, तब तक आधा समय व्यतीत हो जाता है, बाकी बचे आधे समय में जिनको पानी नसीब हो वे भरकर ले जाते हैं। ढेकहा क्षेत्र के रहवासियों ने बताया कि कई बार वार्ड के लोग पानी की मांग कर चुके हैं, उनके अलावा यहां पर आसपास के ग्रामवासी भी पानी लेने आ जाते हैं, जिससे नल पर भीड़ बढ़ जाती है, सबसे ज्यादा परेशानी सुबह के समय होती है, सभी लोग एक साथ यहां एकत्रित होते हैं, जिससे कई बार विवाद की स्थिति भी निर्मित हो जाती है, लोग पानी को लेकर परेशान हैं किन्तु जिम्मेदार विभाग सहित जनप्रतिनिधियों को भी लोगों की यह परेशानी दिखाई नहीं दे रही।

समस्याओं के समाधान के लिए जिला अस्पताल में नर्सों की बैठक संपन्न

जागरण, रीवा। नर्सों की समस्याओं के समाधान को लेकर सोमवार को जिला अस्पताल में नर्सों की बैठक आहुत की गई। जिसमें जिसमें एएनएम को नर्सिंग केडर में पूर्व की भांति पुनः वापिस लेने, नाम परिवर्तित कर आरएचओ करने, वर्षों से चली आ रही वेतन विसंगितयों को दूर कर एएनएम का ग्रेड पे 3200 करने, योग्यता के आधार पर पदोन्नति, एएनएम द्वारा पूर्व में किए गए पत्राचार के माध्यम से समस्याओंका समाधान न करने, जिस क्षेत्र में सीएचओ पदस्थ नहीं वहां के सीएचओ संबंधी सभी कार्य एएनएम से कराए जा रहे हैं, सीएचओ को मिूलने वाली प्रोत्साहन राशि नर्सों को नहीं मिल पा रही। 2021 से एसएचसी पर मिलने वाला फण्ड बिना एएनएम की जानकारी के सीएचओ द्वारा खर्च करने, एएनएम को भी प्रोत्साहन राशि 15 हजार देने, एएनएम द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी सभी कार्यों को संपादित किया जाता है। विभागीय प्रशिक्षण जीएनएम, बीएससी नर्सिंग ट्यूटर कोर्स पूर्व की भांति पुनः शुरू करने। संविदा में कार्यरत एएनएम को वरिष्ठता के आधार पर नियमित करने एवं नियमित कर्मचारी की भांति एनपीएस, ग्रेच्युटी, स्वास्थ्य बीमा, डीए, गृह भाड़ा, सीसीएल, अनुकंपा नियुक्ति सहित सभी सुविधाओं का लाभ देने, शिक्षा विभाग की तरह संविलियन करने आदि मुद्दों पर चर्चा कर आगामी रणनीति तैयार की गई।

रीवा को कई राज्यों के कचरे का हब बनाने पर तुली रैमकी कंपनी

प्रशासन के आदेशों के बाद भी कई राज्यों से लाया जा रहा बिना नंबर की गाड़ियों से अवैध कचरा

जागरण, रीवा। जिला प्रशासन के आदेशों के बाद भी अनुबंध के विपरीत अन्य प्रदेशों से लगातार अवैध रूप से कचरा लाने को लेकर पहाड़िया स्थित रैमकी कंपनी द्वारा संचालित रीवा एमएसडब्ल्यू कचरा प्लांट सवालों के घेरे में है। रैमकी कंपनी रीवा को कई राज्यों के कचरे का हब बनाने पर तुली हुई है। स्थानीय ग्रामीणों के लगातार विरोध, प्रशासनिक रोक, जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के बावजूद बनारस व प्रयागराज सहित कई राज्यों से अवैध कचरा (आरडीएफ) आने का सिलसिला नहीं रुक रहा है। शासन, प्रशासन, कलेक्टर से लेकर कमिश्नर और महापौर तक सभी ने बाहरी कचरे पर रोक के आदेश जारी किए, लेकिन इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। प्रतिदिन बिना नंबर की दर्जनों गाड़ियां आरडीएफ बाहर से आ रहा है। गांव वालों का आरोप है कि रोक के आदेश सिर्फ कागज़ों में सीमित हैं, जबकि यूपी से रोज़ाना बिना नंबर प्लेट और बिना वैध दस्तावेजों के ट्रकों में कचरा लाया जा रहा है। ग्रामीणों ने कई बार पुलिस को सूचना दी, परंतु न तो कोई कार्रवाई हुई न ही वाहनों की जांच की गई। ग्रामीण इसे कानून का खुला उल्लंघन और प्रशासनिक संरक्षण बताते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि स्थानीय ग्रामीणों ने इस मुद्दे पर दो महीने से निरंतर अभियान चला रखा है। लेकिन उच्च जिम्मेदार अधिकारियों ने इनका संज्ञान लेना भी जरूरी नहीं समझा। इससे ग्रामीणों के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि पैसा और दबाव प्रशासन पर भारी पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध कचरा परिवहन और प्लांट संचालन में कुछ बड़े प्रशासनिक अधिकारियों और शासन से जुड़े लोग संरक्षण दे रहे हैं, जिससे कोई कार्रवाई नहीं होती। स्थानीय स्तर पर पुलिस, नगर निगम और संबंधित विभागों की निष्क्रियता भी सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि रैमकी की रीवा एमएसडब्ल्यू कंपनी के खिलाफ संपूर्ण जांच मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार की एजेंसियों से कराई जाए।

नेता प्रतिपक्ष का एक्शन और नगर निगम का एग्रीमेंट भी बेकार

सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक तिवारी ने बताया कि विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी मामले को गंभीर बताते हुए कार्रवाई की मांग की थी। नगर निगम और रीवा एमएसडब्ल्यू के बीच हुए एग्रीमेंट में सिर्फ रीवा कलस्टर के 28 यूएलवी का कचरा लाने की अनुमति है। इसमे बाहरी कचरे पर रोक, पर्यावरण मानकों के पालन और पारदर्शिता की शर्तें शामिल हैं, लेकिन यह सब कागजों में ही सिमट कर रह गया है।

धमकी से गांव में दहशत का माहौल

ग्रामवासियों ने आरोप लगाया कि प्लांट से जुड़े लोगों ने डराने-धमकाने के लिए अपराधियों को गांव भेजा, जहां गोली चलाने और गांव में आग लगाने तक की धमकी दी गई। आश्चर्य ये है कि ग्रामीणों की शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह भी आरोप है कि बिना लाइसेंस वाले यूट्यूब चैनलों को पैसों का भुगतान कर गांव वालों व सामाजिक कार्यकर्ताओं की रिकॉर्डिंग कराई जा रही है।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 482 /विशेष विवाह/2025 रीवा, दिनांक 29/07/2025

इश्तहार

आवेदक सौरभ कुशवाहा पिता श्री शिवकुमार कुशवाहा उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम राजगढ़ तहसील सिरमौर जिला रीवा म.प्र. आवेदिका सुप्रिया कुशवाहा पिता स्व. श्री प्रहलाद कुशवाहा उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम दयोदया गौशाला के पास छुरही टोला वार्ड क्र.10 तहसील कटनी जिला कटनी म.प्र. के द्वारा उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत विवाह अनुष्ठान हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र आधार कार्ड की छाया प्रति, अंकसूची की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र एवं 100/- चालान प्रस्तुत किया गया है जो विचाराधीन है।

अतः उक्त विवाह अनुष्ठान के सम्बंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति स्वतः अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि को उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

पेशी दिनांक 25/05/2026

विवाह अधिकारी
जिला रीवा म.प्र.

आरएन- 85032

गौहरी में रुकवाया बाल विवाह

जागरण, सतना। सतना जिले अंतर्गत रामपुर क्षेत्र के ग्राम गौहरी में बाल विवाह की सूचना पर प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही करते हुए एक नाबालिग बालिका का विवाह रुकवा दिया। यह कार्यवाही कलेक्टर के आदेश और अनुविभागीय अधिकारी के मार्गदर्शन में सोमवार 20 अप्रैल 2026 को की गई। चाइल्ड हेल्पलाइन से मिली सूचना के बाद परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास किरण जुनेजा, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष चांदनी श्रीवास्तव, सेक्टर पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा रामपुर के पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) अपने बल के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में पाया गया कि जिस बालिका का विवाह प्रस्तावित था, उसकी उम्र 16 वर्ष 10 माह है, जो कानूनी विवाह आयु से कम है। जानकारी के अनुसार बड़ी बहन की शादी 25 अप्रैल को तय थी और उसी के साथ दूसरी बहन (नाबालिग) का विवाह भी कराने की तैयारी की जा रही थी। बालिका आठ बहनों में दूसरे स्थान पर है। मौके पर टीम ने बालिका के माता-पिता को बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत नियमों और दंड प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। प्रारंभ में अज्ञानता के कारण ऐसा कदम उठाने की बात स्वीकार करते हुए माता-पिता ने समझाइश के बाद नाबालिग बेटी का विवाह न करने का आश्वासन दिया। उन्होंने वीडियो के माध्यम से यह भी कहा कि यदि भविष्य में जबरन विवाह कराने का प्रयास किया गया, तो वे कानूनी कार्रवाई और दंड प्रक्रिया के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगे।

मैहर रेलवे स्टेशन पर लापरवाही, एक काउंटर चालू बाकी बंद, यात्रियों की बढ़ी परेशानी

रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटरों पर अव्यवस्था, एक काउंटर पर भीड़ बाकी खाली पड़े

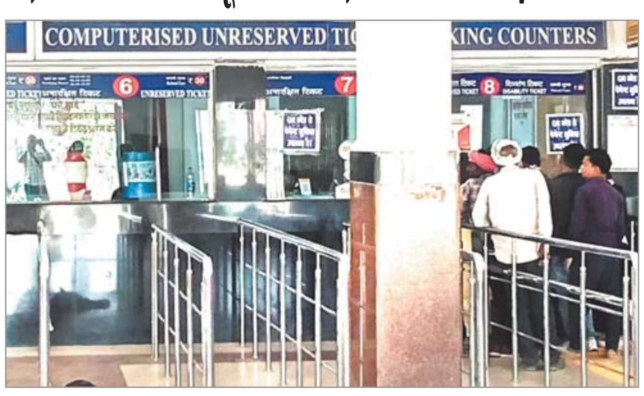

जागरण, मैहर। मां शारदा धाम के लिए देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की आवाजाही के बीच मैहर रेलवे स्टेशन पर व्यवस्थाओं की पोल खुलती नजर आ रही है। स्टेशन के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर सोमवार को अव्यवस्था का ऐसा नजारा दिखा, जहां एक ओर अधिकांश काउंटर खाली पड़े रहे, वहीं एक ही काउंटर पर यात्रियों की लंबी कतार लग गई। स्टेशन परिसर में लगे टिकट काउंटरों में से केवल एक काउंटर पर टिकट वितरण हो रहा था, जबकि अन्य काउंटर बंद या कर्मचारियों के बिना नजर आए। आठ नंबर काउंटर पर यात्रियों की भीड़ इतनी अधिक थी कि लोगों को टिकट लेने के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। गर्मी और भीड़ के बीच यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जहां यात्रियों की भीड़ लगी थी, वहीं अन्य काउंटरों के सामने सन्नाटा पसरा रहा। इतना ही नहीं, टिकट काउंटर क्षेत्र में एक आवारा कुत्ता आराम से सोता हुआ दिखाई दिया, जो स्टेशन की साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मैहर एक प्रमुख धार्मिक स्थल है और यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसके बावजूद रेलवे प्रशासन द्वारा पर्याप्त काउंटर नहीं खोले जाना और कर्मचारियों की ड्यूटी पर गैरमौजूदगी यात्रियों की परेशानी बढ़ा रही है। यात्रियों ने बताया कि यदि सभी काउंटर संचालित किए जाएं तो भीड़ को आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है, लेकिन लापरवाही के चलते लोगों को अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ रही है। रेलवे प्रशासन की इस उदासीनता से यात्रियों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने मांग की है कि स्टेशन पर सभी टिकट काउंटरों को नियमित रूप से संचालित किया जाए और कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं और यात्रियों को सुविधा मिल सके।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग, रीवा, जिला - रीवा (मध्यप्रदेश)

E-mail Address - piurewa@gmail.com, dpepiu.rewa@mp.gov.in Phone: 07662-406740

वाहन हेतु प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निरीक्षण वाहन माहवार किराये के आधार पर निम्नानुसार वाहन उपलब्ध कराने हेतु पंजीकृत ट्रेवल्स एजेन्सियों से मुहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	जिला	निरीक्षण अधिकारी का पद	वाहन का नाम	मॉडल	वाहन की संख्या	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ई.एम.डी. राशि (एफ.डी.आ.र.के रूप में)	वाहन प्रदाता की श्रेणी	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	रीवा	मुख्य अभियंता (भवन), रीवा परिक्षेत्र रीवा (मध्यप्रदेश)	इनोवा/ समकक्ष वाहन	वर्ष 2025 अथवा 2026	01	2000.00	10000.00	ट्रेवल्स एजेन्ट के रूप में पंजीकृत होना अनिवार्य है।	एक वर्ष हेतु

1. निविदा प्रपत्र दिनांक- 16.04.2026 से दिनांक 04.05.2026 कार्यालयीन समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में राशि रूपये 2000/- जमा करके निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है।
2. मुहर बंद निविदा लिफाफा दिनांक 08.05.2026 को सांय 05:30 बजे तक भारतीय डाक सेवा अर्थात् स्पीड पोस्ट / साधारण डाक / रजिस्ट्री के माध्यम से पहुंचना आवश्यक है। डाक विलंब हेतु यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
3. निविदा की अमानती राशि (धरोहर राशि) किसी शेड्यूल बैंक की एफ. डी. आर. के रूप में राशि रूपये 10000.00/- (दस हजार रूपये मात्र) की निविदा प्रपत्र के साथ (अलग लिफाफे में), जो कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग, रीवा के नाम देय हो जमा करना आवश्यक है, साथ ही निविदा प्रपत्र में उल्लेखित समस्त दस्तावेजों को जमा करना अनिवार्य है।
4. निवादा की अन्य शर्ते निविदा प्रपत्र में उल्लेखित है।
5. निविदा दिनांक 11.05.2026 को दोपहर 12:00 बजे निविदाकारों के समक्ष अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में खोली जावेगी।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग
रीवा जिला रीवा (म.प्र.)

G- 11840/26

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

तीन आरोपी गिरफ्तार, अपाची बाइक सहित नगदी जप्त

सतना। बाइक से चल रही महिला का बैग झपटा मारकर पार करने वाले तीन आरोपियों को कोलगवां टीआई सुदीप सोनी ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है। पकडे गये आरोपियों ने दोनो घटनाए कुबूल की है। यह कार्यवाही एसपी हंसराज सिंह के निर्देश एएसपी डॉ शिवेश सिंह एवं सीएसपी देवेन्द्र प्रताप सिंह चौहान के मार्गदर्शन में कोलगवां पुलिस द्वारा की गई है।

ये थी घटना : पुलिस ने बताया कि 18 अप्रैल को फरियादी सुरेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा पिता रामआश्रय विश्वकर्मा उम्र 62 वर्ष निवासी ग्राम खम्हरिया थाना जैतवारा जिला सतना का थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 10 अप्रैल को समय करीबन 10 बजे मैं अपने घर खम्हरिया से सतना कचेहरी अपनी मोटरसायकल में आ रहा था। जैसे ही शुक्ला टोला मां गायत्री ट्रेडर्स के थोडी आगे मेन रोड में पहुंचा तभी बिना नंबर की मोटर साइकिल में बैठे तीन अज्ञात लड़के पीछे तरफ से मेरे बांये तरफ आये और मेरा बैग छीनकर भाग गये। मेरे बैग में दस्तावेज व स्टेशनरी संबंधी सामान था। रिपोर्ट पर बीएनएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा विधिवत कार्यवाही करते हुए अज्ञात आरोपियो की पता तलाश की गई । मुखबिर से सूचना मिलने पर आरोपी राम वंशकार, रंजीत वंशकार तथा संदीप वंशकार को हिरासत में लिया जाकर पूँछताछ की गई जिनके द्वारा उक्त घटना कारित करना स्वीकार किए साथ ही दिनांक 05 अप्रैल को घटना स्थल बिरला हास्पिटल के आगे एक मोटर सायकल में पीछे बैठी महिला का पर्स छीनना बताए जिस पर थाना कोलगवां में अपराध धारा 304 (2) बीएनएस का पंजीबद्ध था। दोनों प्रकरणों में विधिवत कार्यवाही करते हुए तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया न्यायालय द्वारा सभी को जेल भेज दिया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं0-पी/ईएस/पेंशन अदालत/जून 2026 दिनांक : 17.04.2026

अधिसूचना

मण्डल कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी द्वारा पेंशन अदालत जून-2026 का आयोजन

मण्डल रेल प्रबंधक (कार्मिक), झाँसी कार्यालय द्वारा दिनांक 15 जून 2026 (सोमवार) को पेंशन अदालत आयोजित की जायेगी। केवल उत्तर मध्य रेलवे झाँसी मण्डल के सेवानिवृत्त कर्मचारी/मृतक कर्मचारियों के आश्रित यदि उन्हें सेवानिवृत्ति देय या पेंशन से संबंधित कोई शिकायत है तो वे अपने आवेदन की दो प्रतियाँ दिनांक **30.04.2026** तक निम्न पते पर अवश्य भेज दें।

आवदेन रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से भेजे गये ही स्वीकार किये जायेंगे।

पता किस पर आवेदन भेजना है : वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी, कार्यालय मण्डल रेल प्रबंधक (कार्मिक), उत्तर मध्य रेल, झाँसी

आवेदन का प्रारूप :

01. आवेदक/ आवेदिका का नाम -
02. पूर्व कर्मचारी का नाम -
03. पदनाम एवं अन्तिम कार्यस्थल -
04. पूर्व कर्मचारी के साथ आवेदक/ आवेदिका का संबंध -
05. वर्तमान पता -
06. सेवानिवृत्ति की तिथि -
07. सेवानिवृत्ति के प्रकार - (सामान्य / स्वैच्छिक/अनिवार्य)
08. पी.पी.ओ. सं. - (पठनीय छायाप्रति संलग्न की जाय)
09. अन्तिम वेतन एवं वेतनमान -
10. शिकायतों को विस्तृत विवरण -
11. बैंक पास बुक की स्पष्ट छायाप्रति- (पठनीय बैंक खाता संख्या एवं आई.एफ.एस.सी. कोड सहित)

नोट :- कृपया लिफाफे के ऊपर "पेंशन अदालत जून 2026" का उल्लेख अवश्य करें।

(जी.पी. मिश्रा)
मण्डल कार्मिक अधिकारी, उ.म.रे., झाँसी

846/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, कला मंदिर रोड स्वागत भवन, रीवा (म.प्र.)

PHONE No. 07662-406740 E-mail:-dpeplurewa@gmail.com

एनआईटी नं 11/2026/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सीई/पीडब्ल्यूडी/भवन/715 रीवा, दिनांक 16.04.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिहित फर्म से की जाती है।

सं. क्र.	पोर्टल टेंण्डर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पी.ए.सी.) रू. लाख में	अमानत राशि ईएमडी रू. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. में	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8	9
	2026_PWPIU_501252_1	सिरमौर जिला रीवा में 6 ट्रेड आई.टी.आई. भवन 30 सीटेड बालक छात्रावास, 30 सीटेड बालिका छात्रावास, 01 नग एफ टाइप, 03 नग एच टाईप मल्टी 6 स्टोरी और 04 नग आई टाईप मल्टी स्टोर कमरो के साथ साईट डेवलपमेंट का का कार्य मय जल प्रदाय सेनेटरी एवं विद्युतीकरण का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	रीवा	1035.36	1000000.00	30000	18 माह	हा
2.	2026-PWPIU-501261_1	मनगवां जिला रीवा में 6 ट्रेड आईटीआई भवन (जी+1), 60 सीटेड बालक छात्रावास (जी+2), 30 सीटेड बालिका छात्रावास (जी+1),का निर्माण कार्य मय जल प्रदाय, सेनेटरी एवं विद्युतीकरण का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	रीवा	1063.54	1000000.00	30000	18 माह	हा
3.	2026_PWPIU_501270_1	शासकीय पालिटेक्निक महाविद्यालय भवन, जिला रीवा में 100 सीटर बालक छात्रावास भवन, 60 सीटर बालिका छात्रावास भवन एवं इन्दोर स्पोटर्स काम्पलेक्स के निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	रीवा	914.29	914290.00	20000	18 माह	हा

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगें।
2 निविदा प्रपत्र का मूल्य आन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/केशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 21.04.2026 समय 10:00 से दिनांक 05.05.2026 समय 17:30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, रीवा

जी- 11146/26

संक्षिप्त खबरें

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में ऊर्जा विभाग नंबर-1

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर शिकायतों के निराकरण की जारी ताजा ग्रेडिंग में ऊर्जा विभाग ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि 1 मार्च से 31 मार्च तक की स्थिति के आधार पर जारी ग्रेडिंग में विभाग अव्वल रहा है। इस सूची में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग दूसरे स्थान पर है। ऊर्जा मंत्री के अनुसार, विभाग में कनिष्ठ अभियंता (एल-1) से लेकर मुख्य अभियंता (एल-4) स्तर तक के अधिकारी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर रहे हैं। गौरतलब है कि हर स्तर पर समाधान के लिए 7 दिन का समय तय है और शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद ही शिकायत बंद की जाती है। यह सुविधा प्रदेश में 2014 में शुरू हुई थी।

राजकुमार बरुआ को संवाद भारती सम्मान

जागरण संवाददाता, भोपाल। लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा 2026 में दिए जाने वाले अलंकरण घोषित किए गए हैं। लघुकथा दिवस 19 जून को भोपाल में एक भव्य समारोह में यह सम्मान दिया जाएगा। लेखक व स्वतंत्र पत्रकार राजकुमार बरुआ को वर्षों से साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करने के लिए संवाद भारती सम्मान 2026 प्रदान किया जाएगा। बता दें कि बरुआ समसामयिक विषय पर आलेख प्रकाशित करते रहते हैं। उनकी लघुकथाएं आम लोगों को प्रभावित करती हैं। बरुआ वर्तमान में भोपाल की कई साहित्यिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। सम्मान प्राप्त होने पर उन्हें परिवार जनों व लोगों द्वारा शुभकामनाएं दी गई हैं।

जैविक खेती और पशुपालन ने बनाया लखपति दीदी

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल के फंदा जनपद के रसूलिया पठार की रहने वाली राजकली शर्मा पिछले 6 सालों में गरीबी के कुचक्र से बाहर निकलकर परिवार को डेयरी उत्पादों के व्यापार से जोड़ने में सफल रही हैं और आज वे जिले की लखपति दीदियों की कतार में शुमार हो चुकी हैं। कभी आर्थिक संकट से जूझने वाली राजकली 2018 में दीपक आजीविका स्व-सहायता समूह से जुड़ी थीं। इसके बाद वे लगातार आगे ही बढ़ती गईं। राजकली के अनुसार 2018 में पूरे परिवार की मासिक आय लगभग 15 से 18 हजार रुपए थी, जो स्व सहायता समूह से बढ़कर लगातार बढ़ती गई। आज पूरे परिवार की मासिक आय 50 से 55 हजार के आसपास पहुंच चुकी है। राजकली ने बताया कि स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने घर के पशुपालन को डेयरी उद्योग में बदला और खेतों में जैविक सब्जियों की खेती करना शुरू की। इसके साथ ही गांव में किराने की दुकान के साथ खेत पर डेयरी का काम शुरू कर दिया। आज वे गांव की अन्य महिलाओं को भी जागरूक कर आत्म निर्भर बनाने का काम कर रही हैं।

100 रुपए से शुरू हुआ था व्यापार का सफर : स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने हर बैठक में सौ रुपए जमा करना शुरू किए और आजीविका मिशन से लोन लेकर 2 गाय के साथ डेयरी का काम और छोटी किराना दुकान शुरू की। कुछ महीनों बाद फिर से लोन लेकर अपने 5 एकड़ के खेत में जैविक खेती से फूल सब्जियों की खेती शुरू की और खेत में नलकूप लगवाया।

महिला आरक्षण से जुड़ा बिल संसद में गिरने पर नाराजगी, सीएम व बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष भी हुए शामिल,गर्मी के बीच बढ़ी सियासी सरगर्मी

तेज गर्मी में महिलाओं का आक्रोश, कांग्रेस को धिक्कारा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन बिल पास न हो पाने के विरोध में सोमवार को राजधानी की सड़कों पर महिलाओं का आक्रोश उमड़ पड़ा। भारी गर्मी और तपन को नजर अंदाज कर महिलाएं अपने हक की आवाज उठाने एकत्रित हुईं।

भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में आयोजित जन आक्रोश महिला पदयात्रा में शामिल हजारों महिला कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए विपक्ष के खिलाफ हुंकार भरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी इस रैली में शामिल होकर महिलाओं की आवाज को बुलंद किया। मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम) ग्राउंड से शुरू हुई यह यात्रा रोशनपुरा चौराहे पर संपन्न हुई, जहां काले गुब्बारे उड़ाकर बिल गिराने का विरोध दर्ज कराया गया। इस जनाक्रोश रैली के दौरान महिलाएं अपने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर शामिल हुईं, जिन पर विपक्ष विरोधी नारे लिखे थे। पदयात्रा के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने विपक्षी दलों के प्रति अपना गुस्सा जाहिर करते हुए नारों के जरिए अपना विरोध जताया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी आक थू-आक थू और नहीं किसी से भीख मांगते, हम अपना अधिकार मांगते जैसे नारे लगाए।

मंच से नेताओं ने बोला विपक्ष पर हमला

इस रैली में शामिल हुए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी मंच से कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेसियों के घर जाकर लोगों को पूछना चाहिए कि जिस मां ने उन्हें जन्म दिया, उसके सपनों को चूर करने का अधिकार उन्हें किसने दिया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के लागू होने तक जनता, खासतौर से महिलाओं का आक्रोश कम नहीं होना चाहिए। इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष अश्वनी परांजपे ने कहा कि इस बिल के गिरने के बाद अब सीधी लड़ाई होगी। उन्होंने कविता की पंक्तियों के जरिए कहा कि याचना नहीं अब रण होगा, जीवन या कि मरण होगा। सागर की सांसद और प्रदेश महामंत्री लता वानखेड़े ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि महिलाएं केवल भीड़ का हिस्सा रहें और कार्यक्रमों में तालियां बजाएं, लेकिन नेतृत्व न करें। उन्होंने इस विधेयक के पारित न होने पर कहा कि यह संसद का दरवाजा बहनों के लिए बंद करने की विपक्ष की साजिश है। अपनी बेटी अंजलि के साथ रैली में पहुंचीं प्रदेश की मंत्री राधा सिंह ने कहा कि आजादी के इतने साल बाद भी महिलाओं को हक के लिए लड़ना पड़ रहा है और यह राहुल गांधी समेत समूचे कांग्रेस नेतृत्व के लिए शर्म की बात है।

नगर निगम ने भी लगाईं 16 बसें, पड़ोसी जिलों से भी आईं महिला कार्यकर्ता

इस पदयात्रा के लिए भोपाल के अलावा पड़ोसी जिलों नर्मदापुरम, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, इंदौर से भी बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता भोपाल पहुंचीं थीं। इसके लिए लगभग एक हाजर सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे जिनमें आधे से अधिक महिलाएं थीं। पुलिस ने सुरक्षा के नजरिए से राजभवन और पुलिस कंट्रोल रूम से आयोजन स्थल एमवीएम मैदान की तरफ जाने वाले रास्ते बंद कर दिए थे। इसके कारण केवल वीआईपी को ही आयोजन स्थल तक वाहन ले जाने की अनुमति मिली और शेष कार्यकर्ता पैदल ही आयोजन स्थल पर पहुंचीं। भोपाल में महिला कार्यकर्ताओ को लाने-ले जाने के लिए बीसीएलएल की 16 सिटी बसों का इंतजाम किया गया था जिन्हें रोशनपुरा के आगे पार्क किया गया था।

अनामिका ने गीतों के जरिए साधा निशाना, तेज गर्मी से बचाने के इंतजाम

इस जनाक्रोश पदयात्रा की शुरुआत से पहले एमवीएम ग्राउंड पर कवियत्री अनामिका जैन अम्बर ने अपने गीत और कविताएं भी सुनाईं। उनके गीतों पर कई महिला नेता और कार्यकर्ता झूमती नजर आईं। इस कार्यक्रम और रैली में प्रदेश की मंत्री कृष्णा गौर, निर्मला भूरिया, प्रतिमा बागरी, सांसद कविता पाटीदार, माया नारोलिया, सुमित्रा वाल्मीकि, विधायक अर्चना चिटनीस और भोपाल की महापौर मालती राय सहित बड़ी संख्या में महिला जनप्रतिनिधि मौजूद रहीं। एमवीएम कॉलेज में आई महिलाओं की भीड़ को राहत देने के लिए न केवल वॉटर कूलर और स्प्रिंकलर के इंतजाम थे, बल्कि सड़क पर भी वॉटर स्प्रिंकलर तैनात किए गए थे। नगर निगम की इन मशीनों के जरिए पानी की फुहारें छोड़ी जा रही थीं। इसके अलावा नगर निगम की तरफ से सभी के लिए पेयजल का इंतजाम किया गया था। हालांकि, कार्यक्रम के दौरान तेज गर्मी को देखते हुए कई महिला

नेत्रियां और कार्यकर्ता हाथ वाला पंखा और अखबार साथ लेकर आई थीं, जिसके जरिए उन्होंने तीखी तपन से राहत पाने की कोशिश की।

एमएलए पाठक केस में याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने की सुप्रीम कोर्ट से छूट

याचिका का निराकरण, अवमानना दर्ज करने दिए थे निर्देश

जागरण संवाददाता, जबलपुर। सुप्रीम कोर्ट ने कटनी जिले की विजयराघवगढ़ सीट से भाजपा विधायक संजय पाठक से जुड़े आपराधिक अवमानना के मामले में सोमवार को अहम निर्देश दिए हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्या बागची की युगलपीठ ने याचिकाकर्ता आशुतोष मनु दीक्षित को इस मामले में फिर से हाईकोर्ट जाने की स्वतंत्रता देते हुए उनकी विशेष अनुमति याचिका को निराकृत कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि विधायक के खिलाफ हाईकोर्ट के आदेश पर दर्ज किए गए आपराधिक अवमानना के प्रकरण पर हाईकोर्ट ही विचार करने के लिए सक्षम है। इस टिप्पणी के बाद याचिकाकर्ता ने अपनी विशेष अनुमति याचिका वापस ले ली। इससे पहले 2 अप्रैल को हाईकोर्ट ने इस मामले का निराकरण करते हुए घटना को संज्ञान में लिया था और विधायक के खिलाफ आपराधिक अवमानना का प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए थे।

यह है पूरा मामला

कटनी निवासी आशुतोष मनु दीक्षित ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बताया था कि विधायक संजय पाठक से संबंधित एक कंपनी के विरुद्ध अवैध खनन मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की अदालत में चल रही थी। 1 सितंबर, 2025 को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति मिश्रा ने स्वयं को इस मामले से अलग कर लिया था। उन्होंने अपने आदेश में उल्लेख किया था कि विधायक संजय पाठक ने उनसे फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, जिसके कारण वे निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सुनवाई से हट रहे हैं। न्यायमूर्ति मिश्रा ने इस पूरे प्रकरण को प्रशासनिक स्तर पर मुख्य न्यायाधीश के समक्ष भेजने के निर्देश भी दिए थे। याचिकाकर्ता का तर्क है कि विधायक का यह कृत्य न्यायपालिका की छवि धूमिल करने और न्यायिक कार्य में हस्तक्षेप करने वाला है, जो आपराधिक अवमानना की श्रेणी में आता है।

पराली की आग रेलवे ट्रैक तक पहुंची, रोकना पड़ी ट्रेन

जागरण, नागदा। प्रदेश में पराली जलाने के कारण रेलवे ट्रैक प्रभावित होने का एक गंभीर मामला सामने आया है। चूंकि खेत में लगी आग फैलकर रेलवे ट्रैक तक पहुंच गई थी। दरअसल नागदा जंक्शन के समीप पराली जलाने की लापरवाही की वजह से रविवार को दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक लगभग 30 मिनट तक बाधित रहा। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार यह घटना नागदा के रूपेटा रेलवे फाटक के पास हुई। प्रशासन की सख्त हिदायतों के बावजूद किसानों द्वारा पराली जलाने का सिलसिला जारी है। इसी लापरवाही से खेत में लगी आग धीरे-धीरे फैलकर रेलवे ट्रैक के पास की झाड़ियों तक पहुंच गई और विकराल रूप ले लिया। इसी दौरान मुंबई से देहरादून जाने वाली देहरादून एक्सप्रेस के गुजरने का सिग्नल हो चुका था। ड्यूटी पर तैनात गेटमैन अनुज गुर्जर ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। उन्होंने ट्रेन को रास्ते में ही रोकने का अनुरोध किया, जिस पर अधिकारियों ने तत्काल ट्रेन को रोक दिया।

प्रकृति और जनजातीय कल्याण ही सेवा की असली कसौटी: राज्यपाल

प्रशिक्षु आईएफएस अफसरों को दिए सफलता के मंत्र

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सोमवार को लोकभवन में भारतीय वन सेवा के परिवीक्षाधीन युवा अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें सेवा का मूल मंत्र देते हुए कहा कि अब उनके कांधों पर केवल प्रशासनिक ही नहीं, बल्कि प्रकृति, वन्यजीव और भावी पीढ़ियों के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। बैंक्वेट हॉल में आईएफएस के 2024-26 बैच के ट्रेनी अफसरों से मुलाकात के दौरान राच्यपाल ने सरल शब्दों में उन्हें अपनी जड़ों से जुड़ने की सीख दी। उन्होंने कहा कि वे किस्मत वाले होते हैं, जिन्हें पूरा जीवन प्रकृति की गोद में बिताने और उसके संरक्षण का मौका मिलता है। राच्यपाल ने जोर देकर कहा कि किसी भी अधिकारी की सफलता का असली पैमाना उसकी प्रतिभा नहीं, बल्कि वंचितों के प्रति उसकी संवेदनशीलता और आत्मीय व्यवहार होगा।

वन के साथ जनजातीय कानूनों को समझने की भी सलाह

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सोच, संकल्प और सेवा भाव को अनिवार्य बताया। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को सलाह दी कि वे वन कानूनों के साथ-साथ जनजातीय कल्याण के प्रावधानों का भी गहराई से अध्ययन करें। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के एक पेड़-मां के नाम अभियान का जिक्र करते हुए इसे प्रकृति संरक्षण की मिसाल बताया। राच्यपाल ने कहा कि अगर फॉरेस्ट अफसर स्थानीय लोगों के साथ सरल और सहज व्यवहार करेंगे, तो वनों की अवैध कटाई और शिकार जैसी समस्याओं को आसानी से हल किया जा सकेगा। उन्होंने एमपी के बाघ, तेंदुआ, घड़ियाल और चीता स्टेट होने का उल्लेख करते हुए कहा कि अब यहां हाथियों व गैंडों के पुनर्वास के भी प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि प्रदेश जनजातीय आबादी और वन क्षेत्र के मामले में देश में अव्वल है, इसलिए यहां के जल-जंगल-जमीन का संरक्षण और जनजातीय समुदाय की परंपराओं का सम्मान करना भी अधिकारियों का नैतिक व संवैधानिक कर्तव्य है। राच्यपाल ने युवा अधिकारियों से आउट ऑफ बॉक्स सोचने की सीख भी दी, ताकि जलवायु परिवर्तन और घटते वन क्षेत्र जैसी चुनौतियों का समाधान निकाला जा सके।

महिलाओं के शासन को अपराध मानने वाली बीजेपी कर रही असंवैधानिक खेल: ओझा

कांग्रेस हर मोर्चे पर संघर्ष करेगी, मौजूदा महिला आरक्षण को लागू करने की मांग

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। संसद में महिला आरक्षण से जुड़ा बिल गिरने पर भाजपा द्वारा किए जा रहे हमले का कांग्रेस ने भी विरोध शुरू कर दिया है। सदन में हुए पूरे घटनाक्रम को भाजपा का असंवैधानिक खेल बताया है। साथ ही संघ के पूर्व सरसंघ चालक गुरू गोलवलकर से जुड़े विचारों के रूप में प्रकाशित बयान को सामने रखकर तीखा हमला किया है। कांग्रेस ने चुनौती भरे अंदाज में कहाकि हम हर मोर्चे पर संघर्ष करेंगे। महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा ओझा ने सोमवार को पीसीसी में मीडिया से चर्चा करते हुए संघ के पूर्व सरसंघ चालक के एक पुस्तक में छपे विचारों का हवाला देते हुए भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने

कहाकि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर देश को गुमराह कर रही है और परिसीमन के जरिए सत्ता पर एकाधिकार जमाने की साजिश रच रही है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए इस असंवैधानिक खेल के खिलाफ कांग्रेस हर मोर्चे पर डटकर मुकाबला करेगी। ओझा ने कहाकि महिला आरक्षण से जुड़े हालिया संशोधन विधेयक पर संसद में हुई वोटिंग ने विभाजनकारी राजनीति के अंत की शुरुआत कर दी है। यह विपक्ष की एकजुटता से लोकतंत्र और संविधान की जीत है। उन्होंने कहाकि जो भाजपा आज खुद को महिलाओं का सबसे बड़ा पक्षधर बताते हुए कांग्रेस और समूचे विपक्ष को कोस रही है, उसकी महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर क्या सोच है, यह गुरू गोलवलकर के विचारों से समझा जा सकता है। गुरू गोलवलकर ने चिल्ड्रन ऑफ द मदरलैंड में महिलाओं के शासन को अराजकता और अपराध का कारण बताया था। कांग्रेस नेता ओझा ने कहाकि जो विचारधारा महिलाओं की भूमिका को सीमित दायरे में बांधना चाहती है, वह आज किस मुंह से महिला सम्मान की बातें कर रहे हैं?

एप्सटीन फाइल्स की घबराहट

कांग्रेस नेता ओझा ने भाजपा की पूरी सक्रियता को एप्सटीन फाइल्स से उपजी घबराहट बताया है। उन्होंने मणिपुर, उन्नाव, हाथरस और महिला पहलवानों के यौन शोषण के मामलों पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहाकि बृजभूषण शरण सिंह और प्रज्वल रेवन्ना जैसे चेहरों को बीजेपी द्वारा लगातार संरक्षण दिया जाना महिलाओं का अपमान है। उन्होंने कहाकि अगर सरकार वास्तव में गंभीर है, तो जनगणना और परिसीमन का बहाना छोड़ना चाहिए। साथ ही 2023 में पारित महिला आरक्षण को मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर तुरंत (2029 से ही) लागू किया जाना चाहिए।

दलबदल मामला: विधायक सप्रे कल विस अध्यक्ष के सामने रखेंगी पक्ष

जागरण संवाददाता, जबलपुर। सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनी गई विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता को लेकर चल रहे दलबदल मामले में हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 29 अगस्त को होगी। सोमवार को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ में सुनवाई के दौरान राच्य शासन ने जानकारी दी कि विधानसभा अध्यक्ष ने इस मामले में सुनवाई के लिए 22 अप्रैल की तारीख निर्धारित की है। विधायक सप्रे इस दिन विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करेंगी। कोर्ट ने सरकार के इस जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए याचिका की अगली सुनवाई 29 अगस्त तक के लिए टाल दी। हाईकोर्ट में हुई पिछली सुनवाई के दौरान सरकार ने बताया था कि विधानसभा अध्यक्ष ने इस पर सुनवाई के लिए 9 अप्रैल का समय तय किया था, लेकिन किन्हीं कारणों से उस दिन सुनवाई नहीं हो सकी थी।

नेता प्रतिपक्ष ने दाखिल की है याचिका

यह पूरा विवाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा दायर उस याचिका से जु?ा है, जिसमें निर्मला सप्रे का निर्वाचन शून्य करने की मांग की गई है। सिंघार का आरोप है कि कांग्रेस विधायक होने के बावजूद निर्मला सप्रे पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहीं। वे लोकसभा चुनाव के दौरान 5 मई 2024 को राहतग? में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंच पर पहुंची थीं। याचिकाकर्ता का तर्क है कि सप्रे भाजपा में शामिल हो चुकी हैं, लेकिन उन्होंने अब तक विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया है, जो दलबदल कानून के तहत गैर-कानूनी है। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष ने 30 जून 2024 को विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष भी एक याचिका पेश की थी, लेकिन 90 दिनों की निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई न होने पर उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय में सुनवाई के दौरान सरकार ने यह तर्क भी दिया कि जब तक विधानसभा अध्यक्ष किसी याचिका पर अपना अंतिम निर्णय नहीं ले लेते, तब तक हाईकोर्ट को उसके पुनरीक्षण का अधिकार नहीं है। ऐसे में अब सबकी नजरें 22 अप्रैल को विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं, जहां विधायक सप्रे को अपना पक्ष रखना है। इसके बाद ही उनकी विधायकी के भविष्य को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

वन्यप्राणी सुरक्षा

एमपी के 8 फॉरेस्ट डिवीजन में लागू होगी नई टीओटीआर स्कीम; एनटीसीए ने कोर्ट में पेश किया ब्लूप्रिंट

टाइगर स्टेट में अब रिजर्व के बाहर भी बाघों पर पहरा, 54 मौतों के बाद एआई और हाईटेक हथियारों से होगी सुरक्षा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में पिछले साल 2025 में हुई एक-एककर 54 बाघों की मौत के बाद टाइगर स्टेट के वन विभाग समेत अन्य सरकारी एजेंसियों पर सवाल उठ गए हैं। इस साल भी चार महीनों में बाघ लगातार मर रहे हैं। बाघों की मौतों का सिलसिला न टूटने से कटघरे में आए सिस्टम को सुधारने के लिए नया प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत अब रिजर्व के अलावा बाहर के जंगलों में भी बाघों पर सतत नजर रखी जाएगी। बाघ संरक्षण के लिए उठाए जाने वाले नए कदमों से हाईकोर्ट को भी अवगत करा दिया गया है। बताया जाता है कि इस मामले में संज्ञान लेते हुए नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में बाघों की सुरक्षा के लिए नया सुरक्षा प्लान पेश किया है। इसके मुताबिक अब बाघ केवल टाइगर रिजर्व के भीतर ही नहीं, बल्कि बाहर के जंगलों में भी स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स की निगरानी में रहेंगे। इसके लिए एनटीसीए ने नई टीओटीआर स्कीम बनाई है।

ऐसे काम करेगी टीओटीआर स्कीम

बाघों की सुरक्षा के लिए बनाए गए नए प्लान के तहत टाइगर आउटसाइड टाइगर रिजर्व योजना शुरू की गई है। बाघ शिकार की तलाश या टेरिटरी बनाने के लिए कई बार रिजर्व की सीमा से बाहर निकल जाते हैं, जहाँ वे शिकारियों या हादसों का आसान शिकार बन जाते हैं। नई योजना के तहत पहले चरण में 8 फॉरेस्ट डिवीजन का पायलट प्रोजेक्ट के लिए चयन किया गया है। 2025-26 में टाइगर्स की सबसे अधिक संख्या वाले इन 8 वन मंडलों में भी वही सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू होंगे, जो कान्हा या बांधवगढ़ जैसे बड़े रिजर्व के भीतर होते हैं।

बाघों की संख्या के साथ शिकार भी बढ़े

भारत में इस समय 3,682 बाघ हैं और मध्य प्रदेश में 785 से अधिक टाइगर्स हैं, इनकी संख्या 6 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रही है। एमपी को टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल है। हालांकि, पिछले साल 54 बाघों की मौत ने चिंता बढ़ा दी है। इनमें से कुछ मामलों में तो टेरिटोरियल फाइट और बीमारी को वजह माना गया है, लेकिन फिर भी शिकार के आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं।

एआई और स्ट्राइक फोर्स करेगी निगरानी

टीओटीआर के तहत शिकारियों और अंगों की तस्करी रोकने के लिए अब परंपरागत गश्त के बजाय हाईटेक तरीकों का इस्तेमाल होगा। अब जंगलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बेस्ड कैमरों और सेंसर का जाल बिछाया जाएगा, जो किसी भी संदिग्ध हलचल की तुरंत सूचना देंगे। इसके अलावा वन अमले को न केवल वायरलेस संचार से मजबूत किया जाएगा, बल्कि उन्हें आधुनिक हथियार और विशेष स्ट्राइक फोर्स का बैकअप भी मिलेगा। अब वन महकमा शिकारियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए जमीनी स्तर पर अपने मुखबिर तंत्र को नए सिरे से एक्टिव करेगा। इसके अलावा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धाराओं के तहत नेशनल पार्क और अभयारण्यों के कोर एरिया को इन्वायलेट रखा जाएगा। इसका अर्थ है कि इन क्षेत्रों में मानवीय हस्तक्षेप पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा, ताकि बाघों को प्राकृतिक और सुरक्षित माहौल मिल सके।

भोजशाला: सरकारी-धार्मिक साक्ष्य रख मुस्लिम पक्ष ने बताई मस्जिद

जागरण, इंदौर। धार की प्रसिद्ध भोजशाला के एक हिस्से पर अपना दावा जताते हुए मुस्लिम पक्ष ने इसे मस्जिद बताया है। चार दिन लगातार चल रही सुनवाई में एडवोकेट अशहर वारसी ने ऐतिहासिक दस्तावेजों, सरकारी अभिलेखों और गजट सूचनाओं के आधार पर मुस्लिम पक्ष का दावा पेश किया। एडवोकेट वारसी ने दलील दी कि वर्ष 1904 से पहले तक इस परिसर पर लगातार मुस्लिम समुदाय का अनुपातिक कब्जा रहा है। इसे मस्जिद दिखाते हुए उन्होंने सरकारी रिकॉर्ड, गजट नोटिफिकेशन और पुरातत्व विभाग के तत्कालीन डायरेक्टर द्वारा की गई टिप्पणियों का उल्लेख किया। वारसी ने अदालत में दावा किया कि इन सभी अभिलेखों में स्थल को मस्जिद के रूप में दर्ज किया गया है। वर्ष 1935 के गजट नोटिफिकेशन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उसमें इस स्थल को मस्जिद माना गया है और अन्य गतिविधियों की अनुमति न देने का उल्लेख स्पष्ट रूप से दर्ज है। मुस्लिम पक्ष की ओर से उन्होंने इस्लामिक पवित्र ग्रंथों कुरान, हदीस और अन्य धार्मिक दस्तावेज भी अदालत में पेश किए।

संक्षिप्त समाचार

अमेरीकी शख्स ने अपने 7 बच्चों समेत 8 की हत्या की

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका के लुइसियाना राज्य के श्रेवेपोर्ट शहर में रविवार को एक शख्स ने अपने 7 बच्चों सहित 8 की हत्या कर दी।31 वर्षीय शमार एल्किंस नामक व्यक्ति ने अंधाधुंध गोलीबारी कर 8 बच्चों की हत्या कर दी। मारे गए 8 बच्चों में से 7 एल्किंस के अपने बच्चे थे और एक उनका चचेरा भाई था। बच्चों की उम्र 3 से 11 साल के बीच थी (प्रारंभिक रिपोर्टों में 1 से 14 साल बताई गई थी)। एल्किंस ने अपनी पत्नी (शनेक्वा एल्किंस) और एक अन्य महिला को भी गोली मारी, जो गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। घर की छत से कूदकर एक 13 वर्षीय लड़का अपनी जान बचाने में सफल रहा। वारदात के बाद आरोपी एक कार लूटकर भागा, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे मुठभेड़ में ढेर कर दिया। पुलिस के अनुसार यह घरेलू हिंसा का मामला है।

शराब नीति केस: केजरीवाल की याचिका हुई खारिज

नई दिल्ली,जेएनएन। दिल्ली शराब नीति मामले में हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने सोमवार को अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपियों की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने जज को मामले की सुनवाई से अलग होने की मांग की थी। जस्टिस शर्मा ने फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया, किसी मुकदमेबाज की व्यक्तिगत धारणा या आशंका किसी जज को हटने के लिए मजबूर करने पर्याप्त नहीं है। केजरीवाल ने दावा किया था कि जज के दोनों बच्चे केंद्र के पैनल वकील हैं और एसजी तुषार मेहता के अधीन काम करते हैं, जो मामले में सीबीआई का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने इसे 'हितों का टकराव', पक्षपात की आशंका बताया था। जज ने कहा कि अगर अदालत ऐसी याचिकाओं के आधार पर खुद को अलग करती है, तो यह शक्तिशाली मुकदमेबाजों के सामने समर्पण जैसा होगा।

फ्रांस ने एलन मस्क को पूछताछ के लिए बुलाया

पेरिस, जेएनएन। फ्रांस ने अरबपति उद्योगपति एलन मस्क को उनके सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए समन भेजा है। मस्क को सोमवार को पेरिस में स्वैच्छिक पूछताछ के लिए बुलाया गया है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि वे पेश होंगे या नहीं। फ्रांसीसी अधिकारियों ने फरवरी में यह समन जारी किया था। यह जांच जनवरी 2025 में शुरू हुई थी, जिसमें आरोप है कि एक्स के एल्गोरिद्म का इस्तेमाल फ्रांस की राजनीति को प्रभावित करने के लिए किया गया। बाद में जांच का दायरा बढ़ाकर एक्स के एआई चैटबॉट ग्रोक को भी शामिल किया गया। आरोप है कि ग्रोक के जरिए होलोकॉस्ट से इनकार करने वाली सामग्री और यौन डीपफेक इमेज फैलाए गए।

नासिक: आरोपी खान को अग्रिम जमानत से इनकार

नासिक, जेएनएन। नासिक के टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज धर्मांतरण और यौन उत्पीड़न मामले की आरोपी निदा खान को सोमवार को कोर्ट से कोई अंतरिम राहत नहीं मिली है। नासिक की जिला एवं सत्र अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल, 2026 तक के लिए टाल दी है। अदालत ने निदा खान की गिरफ्तारी पर रोक लगाने या अंतरिम जमानत देने की याचिका को फिलहाल स्वीकार नहीं किया है। निदा खान के वकील ने उनकी 8 सप्ताह की गर्भावस्था (प्रेग्नेंसी) का हवाला देते हुए चिकित्सा आधार पर राहत की मांग की थी। सरकारी वकील और पीड़िता के वकील ने याचिका का कड़ा विरोध किया और अपना लिखित जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया है। निदा खान फिलहाल फरार हैं और पुलिस की एसआईटी उनकी तलाश कर रही है। इसी मामले में कंपनी ने उन्हें पहले ही निलंबित कर दिया है।

महिला आरक्षण: कांग्रेस 29 शहरों में करेगी पीसी

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को देश के 29 शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस अभियान के जरिए पार्टी महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरेगी। कांग्रेस की मांग है कि महिला आरक्षण को किसी भी शर्त के बिना, वर्तमान 543 सीटों के आधार पर तुरंत लागू किया जाए। पार्टी ने सरकार पर आरोप लगाया है कि वह महिला आरक्षण की आड़ में 'विभाजनकारी परिसीमन' की शर्तें थोप रही है, जो कि एक 'राजनीतिक हथियार' है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सरकार लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 816 या 850 करने की योजना बना रही है, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक हो सकती है। पार्टी का तर्क है कि जनसंख्या आधारित परिसीमन से दक्षिण भारतीय राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा, जिससे क्षेत्रीय संतुलन बिगड़ सकता है। यह कदम 17 अप्रैल को लोकसभा में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े 131वें संविधान संशोधन विधेयक के गिर जाने के बाद उठाया गया है, जिसे विपक्षी गठबंधन ने मिलकर विफल कर दिया था।

कई राज्यों में तापमान ४५ डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने से गर्मी चरम पर है। वहीं उत्तर-पूर्वी राज्य असम के गुवाहाटी में प्री-मॉनसून के दौरान भारी बारिश से प्रभावित लोगों की मदद के लिए स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स को उतारना पड़ा। गुवाहाटी में बाढ़ वाली सड़क पार करती रेस्क्यू बोट।

लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ने जयपुर में किया था निकाह

श्रीनगर, जेएनएन। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का पाकिस्तानी आतंकवादी उमर हारिस, जिसे सुरक्षा एजेंसियों के बीच 'खरगोश' के नाम से जाना जाता है, हाल ही में सुर्खियों में है। श्रीनगर पुलिस की एक बड़ी जांच में खुलासा हुआ है कि उसने फर्जी पहचान के साथ जयपुर में निकाह किया और उन्हीं दस्तावेजों का उपयोग कर भारतीय पासपोर्ट बनवाकर देश से फरार हो गया। आतंकी का नाम उमर हारिस उर्फ खरगोश (मूल निवासी खैबर पख्तूनख्वा, पाकिस्तान है। उसने 'सज्जाद' नाम से राजस्थान के निवासी के रूप में फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे। हारिस ने जयपुर में लश्कर के एक ओवर ग्राउंड वर्कर की बेटी से निकाह किया। इस शादी के निकाहनामे और अन्य स्थानीय दस्तावेजों का उपयोग भारतीय पासपोर्ट के आवेदन में किया गया। वह भारत से पहले इंडोनेशिया गया और फिर 2024-2025 के बीच दूसरे फर्जी यात्रा दस्तावेजों के जरिए सऊदी अरब पहुंच गया, जहां उसके छिपे होने का संदेह है। श्रीनगर पुलिस ने एक अंतर-राज्यीय लश्कर मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए 5 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। जयपुर में उसकी मदद करने वाले 4 संदिग्धों को भी चिन्हित किया गया है, जो कथित तौर पर नूंह-मेवात के रहने वाले हैं। इस मामले ने पासपोर्ट सत्यापन प्रणाली और स्थानीय पुलिस वेरिफिकेशन की गंभीर खामियों को उजागर किया है।

फेक पासपोर्ट बनवाने के बाद देश से भागा अब सऊदी में छिपा

मणिपुर में हिंसा: विरोध प्रदर्शन तेज, सैकड़ों महिलाएं उतरी सड़क पर

प्रदर्शनकारी बोले- जनगणना से पहले एनआरसी करें लागू

ताजा हिंसा के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

इंफाल, जेएनएन। मणिपुर के इंफाल ईस्ट में रविवार को सैकड़ों महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से कोइरेंगेई अवांग अपुनबा मीरा पैबी के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। महिलाओं के इस विशाल विरोध प्रदर्शन के पीछे कई गंभीर मुद्दे और मांगें थीं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि आगामी जनगणना से पहले राज्य में एनआरसी को पूरी तरह लागू किया जाए।

बिष्णुपुर के त्रोंगलाओबी में हुए बम हमले में दो बच्चों की मौत के बाद जनता में भारी गुस्सा है। प्रदर्शनकारी इस घटना के जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। महिलाओं ने एनएच पर सुरक्षित, निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने और उग्रवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए सैन्य कार्रवाई की मांग की है।

आंतरिक रूप से विस्थापितों के पुनर्वास को तत्काल रोकने, सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने पर जोर दिया गया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने हाथों में मशालें लेकर मार्च निकाला। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें भी हुईं, जिसके बाद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए। विरोध प्रदर्शनों के कारण इंफाल घाटी के पांचों जिलों में शैक्षणिक संस्थान और बाजार बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन भी सड़कों से नदारद रहा। पुलिस ने 18 अप्रैल को हुई हिंसक घटनाओं के सिलसिले में अब तक 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर में वर्तमान में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और संवेदनशील इलाकों में भारी सुरक्षा बल तैनात हैं।

मशाल रैली हिंसा मामले में अब तक 21 गिरफ्तार

मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में हाल ही में हुई एक मशाल रैली के हिंसक होने के बाद पुलिस ने 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह प्रदर्शन 7 अप्रैल को बिष्णुपुर जिले के त्रोंगलाओबी में हुए बम धमाके के विरोध में था, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई थी। 18 अप्रैल को सगोलबंद क्षेत्र में मशाल रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच तीखी झड़प हुई। प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री आवास और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। भीड़ को तितर-बितर करने सुरक्षा बलों ने आंसूगैस के गोले, स्मोक बम और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों की ओर से पथराव, पेट्रोल बम और गुलेल का इस्तेमाल किया गया, जिसमें सीआरपीएफ के 3 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए और सरकारी वाहनों को नुकसान पहुंचा।

चारधाम यात्रा के पहले ही दिन 2 श्रद्धालुओं की मौत

इंदौर और नासिक के रहने वाले थे दोनों श्रद्धालु

देहरादून, जेएनएन। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के पहले ही दिन दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। दोनों घटनाएं उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री धाम मार्ग पर हुईं। मध्य प्रदेश (इंदौर) से अपने पति के साथ यात्रा पर आई एक महिला की घोड़े से गिरने के कारण मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गिरने से महिला के सिर पर गंभीर चोट लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 'ब्रॉट डेड' घोषित कर दिया। वहीं, महाराष्ट्र से आए एक बुजुर्ग श्रद्धालु की पैदल चढ़ाई के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। चढ़ाई करते समय उन्हें सांस लेने में गंभीर दिक्कत हुई। परिजन और प्रशासन की मदद से उन्हें तुरंत जानकीचट्टी स्थित अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. हरदेव सिंह के अनुसार, प्रारंभिक जांच में बुजुर्ग की मौत का कारण सांस संबंधी बीमारी और ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी माना जा रहा है। पुलिस अधिकारी एसआई राजेश कुमार ने बताया कि पहले मृतक के साथ आए अन्य यात्री दर्शन के लिए आगे बढ़ गए हैं। मृतक की पहचान नासिक, महाराष्ट्र निवासी 67 वर्षीय उदम ताम्बे के तौर पर हुई है। डी.जी.पी. नगर निवासी गजानन्द ताम्बे के पुत्र उदम ताम्बे की तबीयत जानकीचट्टी के पास अचानक बिगड़ी, जिसे अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, उनकी मृत्यु का कारण हाई ब्लड प्रेशर संबंधी समस्या बताया जा रहा है, जिसकी आधिकारिक सूचना पीएचसी (प्राइमरी हेल्थ सेंटर) जानकीचट्टी द्वारा पुलिस चौकी को दे दी गई है। एसएचओ सुभाष चंद ने कहा कि ऊंचाई वाले और दुर्गम रास्तों पर जाने से पहले स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं। खासतौर पर सांस, दमा या हृदय रोग से पीड़ित लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए। प्रशासन ने यह भी सलाह दी है कि यात्रा के दौरान जल्दबाजी न करें, बीच-बीच में आराम लें और शरीर को ऊंचाई के अनुसार ढलने का पर्याप्त समय दें, ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

इंदौर की रहने वाली थी महिला

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर हादसे का शिकार हुई महिला की पहचान 40 वर्षीय प्रतिमा मिश्रा के रूप में हुई है, जो इंदौर, मध्य प्रदेश की रहने वाली थीं। वे इंदौर के सुखलिया क्षेत्र स्थित काशीपुरी कॉलोनी की निवासी थीं और अपने पति धर्मेन्द्र मिश्रा के साथ चारधाम यात्रा पर आई थीं। यात्रा के दौरान 19 कैंची के पास घोड़े से गिरकर उनके सिर पर गंभीर चोट आई। उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें ब्रॉट डेड (अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत) घोषित कर दिया। सोमवार को पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद मृतका का शव उनके पति को सुपुर्द कर दिया गया है। रविवार से चारधाम यात्रा शुरू हुई थी। दोपहर 12.15 मिनट पर गंगोत्री और 12.35 मिनट पर यमुनोत्री के कपाट खोल दिए गए थे। इससे पहले गंगोत्री धाम के कपाट 22 अक्टूबर 2025 को अन्नकूट (गोवर्धन पूजा) पर, सुबह 11.36 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए थे। वहीं, यमुनोत्री धाम के कपाट भाई दूज पर 23 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12.30 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए थे।

उधमपुर में सड़क हादसा, 22 की मौत

बस का टायर फटा, ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर सका, खाई में गिरी

जम्मू,जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सोमवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसे में २२ लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना रामनगर-उधमपुर मार्ग पर कगोत गांव के पास तब हुई जब एक यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 100 मीटर नीचे गहरी खाई में गिर गई। प्रत्यक्षदर्शियों और घायल यात्रियों के अनुसार, बस बहुत तेज रफ्तार में थी। एक तीखे मोड़ पर अचानक बस का टायर फट गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और बस सीधे खाई में जा गिरी। हादसे के वक्त बस में लगभग 80 यात्री सवार थे। अब तक २२ मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 61 अन्य घायल हैं, जिनमें से कई की स्थिति गंभीर बनी हुई है। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय निवासियों, पुलिस और भारतीय सेना के जवानों ने मिलकर बचाव अभियान शुरू किया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट करने की व्यवस्था की गई है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने स्थानीय प्रशासन से बात कर हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख और घायलों के लिए 50,000 रुपए के मुआवजे का ऐलान किया है।

प्रधानमंत्री मोदी झूठों के सरदार, खाने और दिखाने के दांत अलग : खरगे

हिमंता बोले-बाबरी बनाने वालो, बंगाल तुम्हारे बाप का नहीं

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा के बीच तीखी बयानबाजी हुई है। खरगे ने कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'झूठों के सरदार' कहा। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी के 'खाने के और दिखाने के दांत अलग-अलग हैं'। खरगे ने आरोप लगाया कि पीएम ने आधिकारिक संबोधन को राजनीतिक भाषण में बदल दिया है, जो पूरी तरह झूठ से भरा है। हिमंता बिस्वा सरमा ने मेदिनीपुर और कूचबिहार की रैलियों में टीएमसी नेता हुमायूं कबीर के कथित बाबरी मस्जिद वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, बाबरी मस्जिद बनाने वालों, बंगाल तुम्हारे बाप का नहीं है, यह रबींद्रनाथ टैगोर की जमीन है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी बातें केवल पश्चिम बंगाल में ही संभव हैं और अगर असम या उप्र में कोई ऐसा कहता, तो उसे तुरंत जेल भेज दिया जाता। इसके साथ ही हिमंता बिस्वा सरमा ने बंगाल की सीमाओं पर घुसपैठ रोकने के लिए इलेक्ट्रिफाइड फेंसिंग (बिजली वाली बाड़) लगाने का भी वादा किया है।

पिरामल फाइनेंस लिमिटेड का मध्य प्रदेश में विस्तार

मुंबई। रिटेल क्षेत्र पर ध्यान देने वाली प्रमुख एनबीएफसी कंपनी पिरामल फाइनेंस लिमिटेड ने अपनी प्रगति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए, कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में 1 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने की घोषणा की है। यह उपलब्धि भारत के क्षेत्रीय और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में, खासकर मध्य प्रदेश में, कंपनी की मजबूत वृद्धि और अच्छे प्रदर्शन को दर्शाती है। मध्य प्रदेश पिरामल फाइनेंस के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन जैसे प्रमुख शहरों में कंपनी की 26 शाखाएं हैं. जहां कंपनी ने मजबूत लोन व्यवसाय खड़ा किया है। मध्य प्रदेश में होम लोन और बिजनेस लोन की मांग लगातार बढ़ रही है, जो उभरते शहरों और कस्बों के विकास के कारण बढ़ रही है। जयराम श्रीधरन, एमडी और सीईओ, पिरामल फाइनेंस लिमिटेड ने कहा कि 1 लाख करोड़ रुपये का एयूएम पार करना हमारे ग्राहकों के विश्वास को दिखाता है। खासकर अर्द्ध-शहरी और तेजी से बढ़ते बाजारों में हमें अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। मध्य प्रदेश हमारे लिए अभी भी एक महत्वपूर्ण बाजार है, क्योंकि मेट्रो शहरों के अलावा अन्य शहरों में भी लोन की मांग बढ़ रही है। जैसे-जैसे हम आगे विस्तार करेंगे, हमारा ध्यान तकनीक और डेटा-आधारित लोन प्रक्रिया के जरिए पूरे भारत में जिम्मेदारी से लोन सुविधा उपलब्ध कराने पर बना रहेगा। पिरामल फाइनेंस रिटेल लोन सेक्टर में होम लोन, प्रॉपर्टी पर लोन, पुरानी गाड़ियों के लिए लोन, पर्सनल लोन, डिजिटल लोन और छोटे व्यवसाय के लिए लोन देती है। कंपनी का खास ध्यान मेट्रो शहरों के आसपास के इलाकों, अर्द्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों पर है।

दो टूक सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस नागरत्ना की जजों के आचरण को लेकर नसीहत

लालची जजों को सिस्टम से बाहर करना जरूरी

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने हाल ही में एक कार्यक्रम में अदालत में जजों के आचरण को लेकर अहम बातें कही हैं। शनिवार को न्यायपालिका में ईमानदारी के मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि जो जज लालच का शिकार हो जाते हैं, उनका सिस्टम में कोई स्थान नहीं है और उन्हें हटा दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की जज ने दोहराया कि जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए ईमानदारी और जिम्मेदार आचरण बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि लालची जजों को सिस्टम से हटाना बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बाद आज ज्यूडिशियरी में शामिल अधिकारियों को बहुत अच्छा वेतन और सेवा शर्तें मिल रही हैं, इसलिए किसी भी तरह का अनैतिक आचरण अपनाना सही नहीं है। उन्होंने कहा, अगर कोई जज लालच में आ जाता है, तो उसे सिस्टम से ही हटा दिया जाना चाहिए।

प्रलोभन से बचना चाहिए: जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि एक जज को अपने वैध वेतन में खुश रहना चाहिए और किसी भी तरह के प्रलोभन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा न कर पाना न्याय प्रणाली की बुनियाद को कमजोर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता केवल बाहरी दबावों से मुक्त होने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आंतरिक अनुशासन और ईमानदारी बनाए रखना भी शामिल है।

एआई के खतरों पर भी बोलीं जस्टिस नागरत्ना

इस दौरान ज्यूडिशियरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल पर चिंता जताते हुए जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां वकीलों ने अदालत में एआई टूल्स से तैयार किए गए ऐसे कानून का हवाला दिया, जो थे ही नहीं। उन्होंने कहा है कि वकीलों को जिन फैसलों का वे हवाला देते हैं, उनकी सत्यता की जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने फैसले लेने की प्रक्रिया में किसी भी तरह की लापरवाही के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि एक भी गलत फैसला न्यायपालिका पर जनता का भरोसा कमजोर कर सकता है। उन्होंने अदालतों के प्रशासनिक कामकाज में भी पारदर्शिता और निष्पक्षता की जरूरत पर जोर दिया, खासकर जिला न्यायपालिका में। वहीं उन्होंने हाईकोर्ट से अपील की है कि वे अधिकारियों के लिए सहयोगी वातावरण बनाने की कोशिश करें।

पहले भी चर्चाओं में रहीं हैं जस्टिस नागरत्ना

जस्टिस नागरत्ना को उनके स्वतंत्र और बेबाक फैसलों के लिए जाना जाता है। इसके पहले वह 2016 की नोटबंदी के खिलाफ असहमति जताने वाली पीठ की एकमात्र जज थीं, जिन्होंने इसे 'गैरकानूनी' बताया था।

खनिज कर: खदानों पर टैक्स लगाने के अधिकार से जुड़े मामले में उन्होंने अन्य जजों से अलग फैसला सुनाया था। इसको लेकर उन्होंने खूब सूर्खियां बटोरी थी।

कॉलेजियम में असहमति: जस्टिस नागरत्ना ने अगस्त 2025 में कुछ जजों की नियुक्ति और वरिष्ठता को लेकर कॉलेजियम के फैसले पर लिखित आपत्ति दर्ज कराई थी। इसके बाद वह चर्चा में थीं।

मोनालिसा गर्भवती है सामने नहीं आएगी, पति के दावे पर लौटी पुलिस

जागरण, भोपाल। महाकुंभ में माला बेचते हुए सुर्खियों में आई वयरल गर्ल मोनालिसा को लेकर प्रदेश की पुलिस एक बार फिर दोराहे पर खड़ी हो गई है। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की शिकायत के बाद हुई जांच में नाबालिग साबित हो चुकी वायरल गर्ल की शादी को लेकर विवाद के बाद केरल पहुंची पुलिस को खाली हाथ वापस लौटता पड़ गया है। वायरल गर्ल के पति फरहान ने पुलिस को यह कहते हुए लौटा दिया है कि वह गर्भवती है और फिलहाल सामने नहीं आ सकती। जानकारी के अनुसार मोनालिसा से जुड़े मामले में जांच कर रही पुलिस केरल पहुंची थी। पुलिस उससे पूछताछ करना चाहती थी, लेकिन वायरल गर्ल मोनालिसा भोसले के पति ने साफ कह दिया कि उसकी पत्नी गर्भवती है और फिलहाल यात्रा करने और जांच एजेंसियों के सामने पेश होने की स्थिति में नहीं हैं। फरहान के इस बयान ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। जहां मोनालिसा के माता-पिता उसे नाबालिग बताते हुए शादी पर ही सवाल उठा रहे हैं और फरहान पर साजिश रचने का आरोप भी लगा रहे हैं। ऐसे में अब उसके गर्भ से होने की बात मामले को नया तूल दे सकता है। पुलिस इस विवाह से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की पड़ताल कर रही है। इसी के चलते मोनालिसा को जल्द ही आधिकारिक बयान के लिए जांच अधिकारियों के सामने पेश होना था, लेकिन पति की ओर से दी गई जानकारी के बाद अब जांच की प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है।

हालांकि पुलिस का दावा है कि फरमान की इस बात की सत्यता की भी जांच की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट देखने के बाद ही किसी निर्णय पर पहुंचा जा सकता है। मोनालिसा का परिवार अनुसूचित जनजाति से संबंध रखता है। उन्होंने मंडलेश्वर डीएसपी के पास शिकायत दर्ज कराई थी कि फरमान खान उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर शादी की है।

अमेरिका-इजराइल के ईरान युद्ध से एशिया में गहराया आर्थिक संकट

तेल-गैस आपूर्ति बाधित; एक्सपर्ट बोले- होगा सुनामी जैसा असर

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। ईरान में 28 फरवरी से जारी युद्ध का असर अब एशिया-प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं पर तेज़ी से दिखने लगा है। शुरुआत में जहां इसके प्रभाव को सीमित माना जा रहा था, वहीं अब कई देशों में तेल-गैस की आपूर्ति बाधित होने से उद्योग, परिवहन और आम जनजीवन पर गहरा असर पड़ रहा है। विशेषज्ञ इस स्थिति की तुलना कोविड जैसे बड़े वैश्विक संकट से कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, वैश्विक स्तर पर आर्थिक गतिविधियां धीमी हो रही हैं क्योंकि दुनिया की करीब 20 फीसदी तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है। पश्चिम एशिया से सप्लाई रुकने के कारण एशिया की सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हो गई है। यह क्षेत्र ऊर्जा के लिए बड़े पैमाने पर पश्चिम एशिया पर निर्भर है, इसलिए यहां असर ज्यादा गंभीर दिख रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही हालात जल्दी सामान्य हो जाएं, लेकिन सप्लाई को पहले जैसा होने में वर्षों लग सकते हैं। महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम लोगों की स्थिति बिगड़ती जा रही है। कई छोटे कारोबारियों की आमदनी घटकर एक चौथाई रह गई है। कुछ जगहों पर किसान फसल काटने से भी बच रहे हैं क्योंकि परिवहन लागत बहुत बढ़ गई है। दवाइयों, वैक्सीन और रोजमर्रा की वस्तुओं की कमी भी देखने को मिल रही है। भारत के कुछ औद्योगिक क्षेत्रों में ईंधन की कमी के कारण उत्पादन प्रभावित हुआ है, वहीं फिलीपींस में परिवहन महंगा होने से कामकाज ठप पड़ रहा है। भले ही अमेरिका और ईरान के बीच जल्द शांति समझौता हो जाए, लेकिन महंगाई, सप्लाई संकट और आर्थिक दबाव का असर लंबे समय तक बना रह सकता है।

299 अरब डॉलर तक नुकसान की आशंका

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, इस संकट से एशिया-प्रशांत क्षेत्र को 97 अरब से 299 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह संकट बहुत तेजी से फैल रहा है और इसे नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। एक विशेषज्ञ ने इसे 'सुनामी' की तरह बताया जो अचानक आती है और व्यापक तबाही मचाती है।

एशिया में लाखों लोग आ सकते हैं गरीबी रेखा के नीचे

एशिया के कई देशों भारत, श्रीलंका, वियतनाम, फिलीपींस और बांग्लादेश में महंगाई, बेरोजगारी और उत्पादन में गिरावट का दबाव बढ़ रहा है। कई सरकारें महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारी कर्ज लेने को मजबूर हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, साल के अंत तक एशिया में लाखों लोग गरीबी रेखा के नीचे जा सकते हैं।

ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर सबसे ज्यादा मार

युद्ध के तुरंत बाद ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर भारी असर पड़ा है। मार्च में दुनियाभर में 92 हजार से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द हुईं, जिनमें सबसे ज्यादा असर एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर पड़ा। जेट फ्यूल की कीमत लगभग दोगुनी हो गई है और कई एयरलाइंस जैसे एयर इंडिया, एयरएशिया, कैथे पैसिफिक ने अपनी सेवाएं घटा दी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस क्षेत्र में हवाई यातायात एक-तिहाई तक गिर चुका है।

फैक्ट्रियां ठप, सप्लाई चेन टूटी

कच्चे माल की कमी के कारण कई उद्योग प्रभावित हो रहे हैं। इंडोनेशिया में निकेल उत्पादन घटा है, जबकि बांग्लादेश के गारमेंट सेक्टर में धागे की कीमत दोगुनी हो गई है। सेमीकंडक्टर उद्योग भी प्रभावित है, क्योंकि कतर में हीलियम उत्पादन रुकने से माइक्रोचिप निर्माण पर असर पड़ रहा है। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो सेक्टर में कीमतें बढ़ सकती हैं।

'डोमिनो इफेक्ट' से बढ़ा संकट

विशेषज्ञों का कहना है कि यह संकट 'डोमिनो इफेक्ट' की तरह फैल रहा है। एक समस्या दूसरी को जन्म दे रही है। प्लास्टिक की कमी से ब्यूटी प्रोडक्ट्स प्रभावित हो रहे हैं, खाद की कमी से खेती पर असर पड़ रहा है और कई देशों में खाद्य संकट की आशंका बढ़ रही है।

दो घंटे बंद रखें मोबाइल, बढ़ेगी मेमोरी

दिमाग को नया जीवन देने का वैज्ञानिकों ने खोजा तरीका

नई दिल्ली, जेएनएन। मौजूदा भाग-दौड़ भरी दुनिया में हमारा दिमाग हर समय फोन, टीवी, कंप्यूटर के साथ ही आसपास के शोर से भरा रहता है, लेकिन वैज्ञानिकों ने अब इसके लिए एक बहुत सरल और मुफ्त तरीका खोज निकाला है, जो दिमाग को नया जीवन दे सकता है। बस डिवाइस बंद कर दो और दो घंटे पूरी तरह शांति में बैठ जाओ। न्यूरोसाइंटिस्ट्स कहते हैं कि पूरी शांति दिमाग की सेल्स को रिजनरेट करती है। यह प्रोसेस दिमाग को इतना मजबूत बनाती है कि याद्दाश्त बेहतर होती है। रोजमर्रा की भावनाएं भी संतुलित रहती हैं। आधुनिक जीवन में हर समय डिजिटल चैटर और शोर रहता है, इससे हमारा नर्वस सिस्टम थक जाता है क्योंकि दिमाग लगातार सेंसरी इनफॉर्मेशन प्रोसेस करता रहता है, लेकिन जब हम डिवाइस बंद करके पूरी तरह शांति चुनते हैं तो दिमाग को आराम मिलता है। शांति में शरीर की सारी ऊर्जा दिमाग के अंदर हिप्पोकैंपस नाम के हिस्से की तरफ जाती है। हिप्पोकैंपस वह जगह है जहां नई ब्रेन सेल्स बनती हैं। शांति इन नई सेल्स को पोषण देती है ताकि वे जीवित रहें और पुराने नर्व नेटवर्क में जुड़ जाएं।

क्या कहता है ड्यूक यूनिवर्सिटी का रिसर्च?

ड्यूक यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने हाल ही में एक बड़ा अध्ययन किया है। इस दौरान उन्होंने पाया कि रोजाना सिर्फ दो घंटे की पूरी शांति दिमाग में गहरे बदलाव लाती है। इतना ही नहीं दिमाग अपनी सारी ऊर्जा हिप्पोकैंपस में लगाता है। वहां तेजी से नई ब्रेन सेल्स बनने लगते हैं। शोर की वजह से ये नई सेल्स मर जाती हैं लेकिन शांति में वे सुरक्षित रहती हैं। दिमाग का हिस्सा बन जाती हैं। यह प्रोसेस न्यूरोजेनेसिस कहलाती है। न्यूरोजेनेसिस लंबी याद्दाश्त को मजबूत करता है और रोज की भावनाओं को नियंत्रित रखता है। जब हम बैकग्राउंड म्यूजिक या नॉइज सुनते रहते हैं तो दिमाग को सिर्फ टेम्परारी उत्तेजना मिलती है लेकिन असली फायदा नहीं होता। शांति इन नई ब्रेन सेल्स को बचाती है। उन्हें स्थाई रूप से जोड़ती है, इससे दिमाग में सेलुलर डैमेज की मरम्मत होती है।
शांति एक नेचुरल रीसेट बटन की तरह काम करती है, इससे कॉग्निटिव हेल्थ यानी सोचने-समझने की क्षमता सुधरती है।

रात भर तपने के बाद भोपाल में बादलों का डेरा, गर्जन के बीच गिर सकती है गाज

ये रहे प्रदेश के सबसे गर्म 5 शहर

नौगांव (छतरपुर)	44.3
मंडला	43.9
रतलाम	43.8
विदिशा	43.5
खजुराहो	43.4

इन जिलों में लू के साथ वज्रपात और ओलावृष्टि का भी अलर्ट

भोपाल। सोमवार को राजधानी सहित प्रदेश में मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिले। एक तरफ प्रदेश के कुछ जिलों में लू और भीषण गर्मी ने लोगों को सताया, वहीं इंदौर संभाग में कहीं-कहीं हल्की वर्षा दर्ज की गई। मिली जानकारी के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान छतरपुर का नौगांव 44.3 डिग्री के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। राजधानी में भी रात भर गर्मी का सितम चलता रहा। सुबह भी पहले तेज धूप निकली, फिर दोपहर के पहले ही बादल छा गए। अचानक डेरा डालने वाले बादलों के कारण शहर में अगले एक-दो दिन बिजली गिरने की भी आशंका जताई जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार रतलाम, छिंदवाड़ा, मंडला, मालाजखंड (बालाघाट) और नौगांव (छतरपुर) में लू का प्रकोप रहा। इसके अलावा रात का तापमान सामान्य से 4 डिग्री या इससे अधिक रहने के चलते भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला और नर्मदापुरम में गर्म रात दर्ज की गई।

आज से प्रदेश को राहत, बादल छाए, बारिश के आसार: जानकारी के मुताबिक, सोमवार को ग्वालियर, रीवा, जबलपुर, शहडोल और सागर संभाग में अधिकतम तापमान सामान्य से 3.4 से 3.8 डिग्री तक अधिक रहे, जिसके कारण लोगों को तीखी गर्मी का सामना करना पड़ा। वहीं खरगोन में 12.4 मिमी और इंदौर में 0.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली। इसके अलावा मंगलवार को भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा, इंदौर, देवास, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, मैहर और पांढुर्णा में तेज हवा के साथ बूंदाबांदी के आसार हैं।

- **ओलावृष्टि और गर्म रात** - बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा।
- **वज्रपात और गर्म रात** - भोपाल, नर्मदापुरम, उमरिया, डिंडोरी, सिवनी, मंडला और बालाघाट।

मौसम वैज्ञानिक इसे मानते हैं वार्म नाइट

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, वार्म नाइट (गर्म रात्रि) तब मानी जाती है जब रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री अधिक हो और उस दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री या उससे अधिक हो। रविवार और सोमवार की दरमियानी रात भोपाल के बैरसिया में न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री तक जा पहुंचा। यही स्थिति छिंदवाड़ा, मंडला और नर्मदापुरम में भी रही, इसी कारण मौसम विभाग ने यहां रात्रि गर्म दर्ज की गई है।

बिंदी-तिलक विवाद का असर

लेंसकार्ट के शेयर 5 फीसदी तक लुढ़के

नई दिल्ली, जेएनएन। आईवियर कंपनी लेंसकार्ट के शेयर सोमवार को भारी दबाव में दिखे और दिन के कारोबार के दौरान करीब 5 फीसदी तक गिर गए। कंपनी को सोशल मीडिया पर ड्रेस कोड विवाद को लेकर तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। विवाद तब शुरू हुआ जब कंपनी का एक पुराना ग्रूमिंग डॉक्यूमेंट सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस दस्तावेज में कर्मचारियों के लिए बिंदी और तिलक जैसे धार्मिक प्रतीकों पर कथित प्रतिबंध का दावा किया गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर कंपनी के खिलाफ नाराजगी बढ़ी और बॉयकॉट की मांग उठने लगी। कंपनी के संस्थापक और सीईओ पीयूष बंसल ने सफाई देते हुए कहा कि वायरल डॉक्यूमेंट पुराना और अप्रासंगिक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौजूदा नीति में किसी भी धार्मिक अभिव्यक्ति पर कोई रोक नहीं है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच यूएई की अमेरिका को चेतावनी

डॉलर की कमी हुई तो युआन या अन्य विदेशी मुद्राओं में होगा तेल कारोबार

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। यूएई ने साफ कहा है कि अगर युद्ध के कारण डॉलर की कमी होती है, तो वह तेल और गैस का कारोबार अमेरिकी डॉलर की बजाय चीनी युआन या अन्य मुद्राओं में शुरू कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई के सेंट्रल बैंक गवर्नर खालिद मोहम्मद बालामा ने वॉशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान डॉलर स्वैप लाइन की मांग उठाई। यूएई ने संकेत दिया है कि अगर पर्याप्त डॉलर उपलब्ध नहीं होते, तो वह चीनी युआन समेत अन्य मुद्राओं में व्यापार करने का विकल्प अपनाएगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के लिए यूएई ने अमेरिकी नीतियों को भी जिम्मेदार ठहराया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस पूरे घटनाक्रम से डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि यूएई के पास करीब 270 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है और उसकी मुद्रा दिरहम अभी डॉलर से जुड़ी हुई है, फिर भी लंबा संकट अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। ईरान-इजरायल संघर्ष के बीच क्षेत्रीय तनाव बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलों के दौरान हजारों ड्रोन और मिसाइलें दागी गईं, जिससे यूएई समेत खाड़ी देशों की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ा। अगर यूएई जैसे बड़े तेल निर्यातक देश डॉलर से हटकर युआन में व्यापार शुरू करते हैं, तो इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और डॉलर की स्थिति पर भी पड़ सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कदम वैश्विक व्यापार प्रणाली में बड़े बदलाव का संकेत हो सकता है।

ईरान संकट का असर

- विदेशी निवेशकों में डर बढ़ा है
- पूंजी पलायन का खतरा है
- तेल सप्लाई बाधित होने से जोखिम बढ़ रहा है

डंपर ने लगाया ब्रेक, पीछे से घुसा बाइक सवार इलेक्ट्रिशियन, मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बैरसिया इलाके में एक युवक चलते डंपर में पीछे से घुस गया। बताया गया है कि डंपर चालक ने अचानक ब्रेक मार दिया, जिससे बाइक सवार उसमें घुस गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजन शव लेकर गृह नगर रीवा रवाना हो गए। पुलिस के मुताबिक, मूलतः रीवा निवास मनोज पटेल (42) इंदौर में रहता था और इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। इंदौर में उसकी नौकरी चली गई थी। वह रीवा वापस शिफ्ट होने वाला था। बाइक सवार पर सवार होकर मनोज इंदौर से रीवा के लिए निकला था। शनिवार देर शाम करीब साढ़े सात बजे वह अभी बैरसिया के झागरिया के पास से गुजर रहा था, तभी डंपर में पीछे से घुस गया। हादसे में मनोज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर में चोट आई थी। उसे इलाज के लिए बैरसिया सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जबलपुर की केंद्रीय जेल में बंदी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जागरण, जबलपुर। शहर की नेताजी सुभाषचंद्र केंद्रीय जेल में सोमवार सुबह करीब साढ़े 8.30 बजे एक बंदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही जेल अधीक्षक, जेलर और डॉक्टरों की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक बंदी की मौत हो चुकी थी। जेलर मदन कमलेश के अनुसार, बंदी ने जेल के अस्पताल वार्ड नंबर-3 के बाथरुम में गमछे से फांसी लगा ली।

सऊदी की आपत्ति, पाक ने रद्द की सूडान से हथियार डील

इस्लामाबाद/रियाद, जेएनएन। पाकिस्तान ने सूडान को हथियार और लड़ाकू विमान बेचने की करीब 1.5 अरब डॉलर की बड़ी डील को रद्द कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, यह फैसला सऊदी अरब की आपत्ति के बाद लिया गया है, जिसने इस सौदे पर कड़ा रुख अपनाया था। इस प्रस्तावित समझौते के तहत पाकिस्तान को सूडान को कर्राकोरम-8 हल्के अटैक एयरक्राफ्ट, 200 से ज्यादा ड्रोन, एयर डिफेंस सिस्टम जैसे आधुनिक हथियार देने थे।

यह डील सूडान की सेना को उसके आंतरिक संघर्ष में बड़ी सैन्य बढ़त दिला सकती थी। सूत्रों के अनुसार सऊदी अरब इस सौदे से असहमत था। सऊदी पहले से सूडान संकट में कूटनीतिक समाधान और शांति वार्ता का समर्थन करता रहा है। ऐसे में हथियारों की आपूर्ति से संघर्ष और भड़कने की आशंका को देखते हुए रियाद ने इस डील पर आपत्ति जताई, जिसके बाद पाकिस्तान ने कदम पीछे खींच लिए। सूडान में पिछले ढाई साल से सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच संघर्ष जारी है, जिसने इसे दुनिया के सबसे बड़े मानवीय संकटों में बदल दिया है। इस संघर्ष में कई क्षेत्रीय और वैश्विक शक्तियों की दिलचस्पी भी जुड़ी हुई है।

भारत-यूएस ट्रेड डील: बातचीत फिर शुरू, टैरिफ में बदलाव की संभावना

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, जेएनएन। भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित ट्रेड डील को लेकर एक बार फिर बातचीत शुरू हो गई है। 20 अप्रैल से अमेरिका में शुरू हुई इस चर्चा में टैरिफ ढांचे में बड़े बदलाव और नई सहमतियों की उम्मीद जताई जा रही है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व दर्पण जैन कर रहे हैं, तीन दिनों तक अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा। इस टीम में वाणिज्य, सीमा शुल्क और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। फरवरी में स्थगित हुई बातचीत के बाद यह पहली औपचारिक बैठक है। यह बातचीत ऐसे समय हो रही है जब ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए कुछ टैरिफ को अमेरिकी अदालत ने अवैध करार देकर रद्द कर दिया था। इसके बाद अमेरिका ने 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10 फीसदी का समान टैरिफ लागू कर दिया। इस फैसले से भारत को पहले मिल रही टैरिफ छूट कम हो गई है, इसलिए माना जा रहा है कि नई बातचीत में टैरिफ में कटौती या नए स्ट्रक्चर पर सहमति बन सकती है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील का यह नया दौर वैश्विक आर्थिक बदलावों के बीच हो रहा है। ऐसे में यह समझौता न केवल दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों को प्रभावित करेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है।

पहले यह समझौता

- भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया गया था
- रूसी तेल खरीद पर लगाए गए 25 फीसदी दंडात्मक टैरिफ को हटाया गया था
- इसके बदले भारत ने अमेरिकी कृषि और औद्योगिक उत्पादों जैसे मेवे, फल, सोयाबीन तेल, शराब आदि पर टैरिफ कम करने की पेशकश की थी।
- साथ ही भारत ने अगले 5 वर्षों में ऊर्जा, विमानन, तकनीक और कोयले समेत 500 अरब डॉलर तक के अमेरिकी सामान खरीदने का संकेत दिया था।

नई चुनौतियां भी सामने

- अमेरिकी व्यापार कानून की धारा 301 के तहत जांच
- भारत द्वारा इन आरोपों का विरोध
- वैश्विक व्यापार में बदलते समीकरण

चीन का बढ़ता प्रभाव

हाल के आंकड़ों के अनुसार, चीन अब भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है, जिससे अमेरिका का शीर्ष स्थान खत्म हो गया है। पिछले वित्त वर्ष में भारत का अमेरिका को निर्यात 87.3 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 52.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इससे व्यापार अधिशेष घटकर 34.4 अरब डॉलर रह गया। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बातचीत सिर्फ टैरिफ तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सप्लाई चेन, निवेश, ऊर्जा और तकनीक सहयोग जैसे क्षेत्रों में भी नए समझौते हो सकते हैं।

सेंसेक्स 27 अंक चढ़कर 78,520 पर बंद, निफ्टी में 11 अंक की बढ़त

मुंबई, जेएनएन। शेयर बाजार में सोमवार को सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स 27 अंकों की बढ़त के साथ 78,520 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी-50 11 अंक चढ़कर 24,365 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में बैंकिंग, मीडिया और ऑटो सेक्टर के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। हालांकि बाजार में मिलाजुला रुख रहा। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 12 में तेजी रही, जबकि 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी सकारात्मक रुख रहा। जापान का निक्केई 0.60 फीसदी चढ़ा। वहीं हांगकांग का हैंगसेंग 0.77 फीसदी ऊपर रहा। साथ ही दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.44 फीसदी बढ़ा। इसका असर भारतीय बाजार पर भी दिखा। 17 अप्रैल को अमेरिकी बाजारों में मजबूत तेजी देखने को मिली थी। डाउ जोन्स 1.79 फीसदी चढ़ा और नैस्डैक 1.52 फीसदी बढ़ा, जबकि एसएंडपी 500 में 1.20 फीसदी की तेजी रही। इस सकारात्मक संकेत का असर आज भारतीय बाजार के शुरुआती कारोबार पर पड़ा। इससे पहले 17 अप्रैल को बाजार में जोरदार तेजी रही थी। सेंसेक्स 505 अंक चढ़कर 78,494 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 157 अंक बढ़कर 24,354 पर पहुंच गया था।

एकात्म धाम अद्वैत वेदान्त की सबसे बड़ी साधनास्थली

आज से लगभग 1200.1500 वर्ष पहले भारत की स्थिति को याद कीजिए। समाज अंधविश्वासों में जकड़ा था, दर्शन के नाम पर भ्रम था और देश सांस्कृतिक रूप से खंडित हो रहा था। ऐसे समय में दक्षिण के केरल में कालड़ी नामक स्थान पर शिव के अंश के रूप में बालक शंकर का प्राकट्य हुआ। उस बालक ने बुझते हुए सनातन धर्म के दीपक में अपने ज्ञान का घी डालकर उसे पुनः प्रज्ज्वलित किया था। वह कोई साधारण बालक नहीं थे। 8 वर्ष की आयु में चारों वेदों का ज्ञान, 12 वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत और 16 वर्ष की आयु में ब्रह्मसूत्र भाष्य की रचना! यह किसी मनुष्य के लिए असंभव है, यह केवल ईश्वरीय शक्ति ही कर सकती थी। ऐसे आचार्य शंकर को उनके प्रकटोत्सव पर संपूर्ण भारतवर्ष नमन कर रहा है। जब बालक शंकर सन्यास लेकर गुरु की खोज में निकले, तो उनके कदम मध्य प्रदेश की पावन धरा ओंकारेश्वर की ओर बढ़े। नर्मदा के तट पर गुरु गोविंद भगवत्पाद ने जब उनसे पूछा-तुम कौन हो, तब शंकर ने जो उत्तर दिया, वही अद्वैत का सार है। उन्होंने यह नहीं कहा कि मैं एक बालक हूँ या सन्यासी हूँ। उन्होंने कहा-न मृत्युर्न शंका न मे जातिभेदणः, चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम्। अर्थात् मैं तो आनंद स्वरूप शिव हूँ। ओंकारेश्वर की गुफाओं में अद्वैत वेदांत का वह बीज बोया गया, जिसने आगे चलकर पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोया। आज ओंकारेश्वर में बन रहा एकात्म धाम इसी ऐतिहासिक घटना का जीवंत स्मारक है। आचार्य शंकर केवल एक दार्शनिक नहीं थे, वे भारत के पहले सांस्कृतिक राष्ट्रनिर्माता थे। उन्होंने शस्त्र नहीं, शास्त्र उठाए। उन्होंने पैदल पूरे भारत की यात्रा की और शास्त्रार्थ के माध्यम से मतभेदों को मिटाया। उन्होंने भारत की चारों दिशाओं मेंकृ उत्तर में बद्रिकाश्रम, दक्षिण में श्रृंगेरी, पूर्व में पुरी और पश्चिम में द्वारकाकृ मठ स्थापित किए। यह इस बात का प्रमाण था कि भारत भौगोलिक रूप से ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी एक अखंड इकाई है। उन्होंने अद्वैत का संदेश दिया। उन्होंने सिखाया कि जीव और ब्रह्म अलग नहीं हैं। सर्वं खल्विदं ब्रह्म-अर्थात सब कुछ ईश्वर ही है। जब सब ईश्वर है, तो समाज में छुआछूत, भेदभाव और घृणा का कोई स्थान नहीं बचता। प्रश्न उठता है कि आज 21वीं सदी में हमें आचार्य शंकर की क्या आवश्यकता है? आज जब दुनिया डिप्रेशन, अकेलेपन और आपसी संघर्ष से जूझ रही है, तब शंकर का अद्वैतवाद हमें मानसिक शांति देता है। यह हमें बताता है कि हम अकेले नहीं हैं, हम उस अनंत चेतना का हिस्सा हैं। आज का विज्ञान भी कहता है कि सब कुछ ऊर्जा है। आचार्य शंकर ने हज़ारों साल पहले इसे ब्रह्म कहा था। यदि हम अद्वैत को समझें, तो हम पर्यावरण को नष्ट नहीं करेंगे, क्योंकि प्रकृति भी हमारा ही विस्तार है। एकात्म धाम जब पूर्ण रूप से क्रियाशील हो जाएगा, तो यह केवल एक दर्शनीय स्थल नहीं, बल्कि एक जीवंत विश्वविद्यालय और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभरेगा। आने वाले समय में यहाँ का आचार्य शंकर अंतरराष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान दुनिया भर के विचारकों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। यहाँ अद्वैत वेदांत पर आधारित अल्पकालिक और दीर्घकालिक कोर्सेज शुरू होंगे। वर्ष भर यहाँ देश.विदेश के शीर्ष दार्शनिकों और वैज्ञानिकों के बीच संवाद होंगे, जहाँ चेतना और आधुनिक विज्ञान के संबंधों पर शोध होगा। एक डिजिटल और फिजिकल लाइब्रेरी होगी जिसमें हजारों दुर्लभ पांडुलिपियाँ और वेदांत ग्रंथ उपलब्ध होंगे। आने वाले समय में यहाँ आने वाले श्रद्धालु केवल दर्शन नहीं करेंगे, बल्कि अद्वैत को साक्षात जिएंगे। एकात्म धाम पूर्ण होने पर यहां के प्रमुख आकर्षण इस तरह होंगे

आभासी यात्रा-अद्वैत लोक संग्रहालय में होलोग्राम और टेक्नोलॉजी के जरिए श्रद्धालु आदि गुरु शंकराचार्य के साथ उनकी भारत यात्रा पर निकलेंगे। श्रद्धालु साक्षात देखेंगे कि कैसे उन्होंने केरल से कश्मीर तक की यात्रा की। लेजर और साउंड शो-प्रतिदिन संध्या काल में माँ नर्मदा की महिमा और अद्वैत दर्शन पर आधारित एक भव्य लेजर शो आयोजित किया जाएगा, जो मान्धाता पर्वत की पहाड़ियों को अपनी रोशनी से सराबोर कर देगा।

नौका विहार-नर्मदा जी के जल में नौका विहार करते हुए श्रद्धालुओं को ऑडियो गाइड के माध्यम से इस क्षेत्र के आध्यात्मिक महत्व की जानकारी दी जाएगी।

ध्यान और साधना केंद्र-यहाँ विशेष ध्यान कक्ष होंगे जहाँ मौन साधना की व्यवस्था होगी। यहाँ लोग अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी से ब्रेक लेकर हफ़्तों तक साधना कर सकेंगे। प्रतिदिन प्रातः काल में सामूहिक योग शिविर आयोजित किए जाएंगे, जो न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक शांति पर केंद्रित होंगे।

सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियां-यहाँ भव्य अद्वैत कलाग्राम स्थापित होगा। स्थानीय और राष्ट्रीय कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। यहाँ पारंपरिक चित्रकला, मूर्तिकला और संगीत की कार्यशालाएं होंगी। हर वर्ष एक भव्य एकात्म यात्रा का आयोजन होगा, जो समाज के हर वर्ग को जाति और पंथ से ऊपर उठकर जोड़ने का कार्य करेगी। यहाँ एक आधुनिक गुरुकुल की झलक मिलेगी जहाँ विद्यार्थियों को वेदों के साथ.साथ आधुनिक शिक्षा भी दी जाएगी।

स्थानीय आर्थिक विकास-एकात्म धाम पूर्ण होने पर जब यहाँ दुनिया भर से पर्यटक आएंगे, तो होटल, होमस्टे, गाइड, और हस्तशिल्प के माध्यम से हज़ारों स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। स्थानीय स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए नर्मदा प्रसाद और स्मृति चिह्नों का एक बड़ा बाजार विकसित होगा। आने वाले समय में एकात्म धाम का स्वरूप ऐसा होगा कि यहाँ से कोई भी व्यक्ति केवल फोटो खींचकर नहीं जाएगा, बल्कि अपने भीतर एक रूपांतरण लेकर जाएगा। यह स्थान भारत के उस गौरव को पुनः स्थापित करेगा जिसमें कहा गया था 'वसुधैव कुटुंबकम्'।

यह धाम दुनिया को यह सिखाएगा कि संघर्ष का हल युद्ध नहीं, बल्कि एकात्मता का बोध है। आज के इस उथल.पुथल भरे विश्व में हमारा देश यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में संपूर्ण विश्व को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उन्नति का मार्ग दिखा रहा है। प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी प्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को उच्चतम शिखर पर ले जाने के लिए कार्य कर रहें हैं। भव्य एकात्म धाम उसी पावन चिंतन का परिणाम है। आचार्य शंकर मात्र 32 वर्ष जिए, लेकिन अपनी अल्पायु में उन्होंने वह कार्य किया जो हज़ारों वर्षों तक मानवता का मार्गदर्शन करेगा। उनके प्रकटोत्सव पर हमें संकल्प लेना चाहि, कि हम जात-पांति के भेदों को भुलाकर एकात्म समाज बनाएंगे, और आदिगुरु के आदर्शों के अनुरुप संपूर्ण भारतवर्ष को एकसूत्र में पिरोने का कार्य करेगा। 'विवेक चूड़ामणि' में वे कहते हैं कि मनुष्य जन्म दुर्लभ है, और उससे भी दुर्लभ है मोक्ष की इच्छा और महापुरुषों का सानिध्य। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमें आज हजारों सालों से चली आ रही आदिगुरु शंकराचार्य की परम्परा सानिध्य प्राप्त है।

धर्मेन्द्र सिंह लोधी
राज्यमंत्री; स्वतंत्र प्रभार, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग

वीरपुर पंचायत में कागजों पर विकास कार्य कर रहे सपरंच एवं सचिव

15 से 20लाख रुपए का एक मुस्त राशि आहरित कर शासकीय राशि का किया बंदरबांट

जवा ब्यूरो। जवा जनपद की ग्राम पंचायत वीरपुर एक बार फिर सुर्खियों में है। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि यहां विकास कार्य सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं, जबकि लाखों रुपए की राशि आहरित कर ली गई। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में 20 से25 लाख से अधिक का फर्जीवाड़ा कर शासकीय राशि का बंदरबांट किया गया है का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की है। ग्राम पंचायत के उप सरपंच विजय तिवारी, अभय मिश्रा, दीपक तिवारी सहित अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच अनीता राजधर यादव और सेवानिवृत्त सचिव दिनेश सिंह के कार्यकाल में चेकडैम निर्माण और बोल्डर बंधान जैसे कामों के नाम पर 15से 20लाख रुपए की रकम ग्राम पंचायत के खाते से आहरित कर एक निजी वेंडर के खाते में डालकर कर शासकीय राशि का बंदरबांट कर लिया गया है लेकिन जमीनी हकीकत में कोई काम नहीं हुआ वा जो भी निर्माण कार्य किया गया है वह आधा-अधूरा छोड़कर कलाम पूर्ति कर दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि महिला सरपंच के नाम पर ग्राम पंचायत का संचालन वास्तव में उनके पति राजधर यादव करते हैं जो ज्यादातर त्योंथर में रहते हैं। ऐसे में पंचायत के काम के लिए ग्रामीणों को या तो उनका इंतजार करना पड़ता है या फिर 40किलोमीटर दूर त्योंथर दौड़ना पड़ता है।

गंदगी का अंबार और फर्जी खर्चे

ग्राम पंचायत बीरपुर में गंदगी चारों ओर फैली है। कूड़ा निस्तारण के लिए राशि आहरित कर ली गई, लेकिन गड्ढों का कहीं नामोनिशान नहीं है। नाली निर्माण में भी अमानक स्तर का कार्य हुआ है। इस संबंध में ग्राम पंचायत बीरपुर के उप सरपंच विजय तिवारी, अजय मिश्रा, दीपू तिवारी सहित अन्य ग्रामीणों ने सीईओ जनपद पंचायत जवा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियो के पास शिकायतें की गई थी लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ आश्वासन ही मिले। जांच के नाम पर की जा रही खानापूर्ति पर ग्रामीणों ने जिला पंचायत सीईओ से निष्पक्ष जांच कराकर जांच कर आरोपी सरपंच सचिव के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

श्रीमद् भागवत कथा की बह रही रसगंगा

गढ़, नि.प्र.। रीवा जिले में गढ़ के उपाध्याय परिवार द्वारा अपने पूर्वजों के पुण्य आशीर्वाद से एक अत्यंत भव्य और धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के साथ-साथ व्रतबंध (जनेऊ) संस्कार का आयोजन भी संपन्न होगा। कथा 22 अप्रैल तक चलेगी। कथा का वाचन वाराणसी (उत्तर प्रदेश) के सुप्रसिद्ध कथा व्यास आचार्य अतुलकृष्ण शांडिल्य महाराज के मुखारविंद से किया जा रहा है। आज 21 अप्रैल को कपिल अवतार, शिव-सती चरित्र, ध्रुव-प्रह्लाद चरित्र, श्रीराम अवतार, श्रीकृष्ण जन्म, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा और रुक्मणी विवाह के प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। 23 अप्रैल गुरुवार को ब्राह्मण भोजन एवं विशाल भण्डारा का आयोजन किया गया है। समस्त कार्यक्रम उपाध्याय मेमोरियल स्कूल गढ़ के प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है। आयोजक और परिवार इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक विनयशंकर उपाध्याय एवं रिचा उपाध्याय हैं। कथा श्रोता के रूप में माधुरी उपाध्याय (धर्मपत्नी स्व.श्रीनाथ उपाध्याय)के साथ त्रिलोकी नाथ, नरेन्द्र नाथ, अमर नाथ और भोलानाथ उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

यूथ हॉस्टल रीवा यूनिट ने शुरू किए नि:शुल्क प्याऊ

पानी की व्यवस्था से लोगों ने की प्रसन्नता व्यक्त

गोविन्दगढ़ ब्यूरो। भीषण गर्मी के बीच जहां एक ओर लोग तपती धूप से राहत की तलाश में हैं, वहीं दूसरी ओर समाजसेवी संस्थाएं मानवता की सेवा में जुटी हुई हैं। इसी क्रम में जल ही जीवन है के संदेश को सार्थक करते हुए यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया, रीवा यूनिट द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। सोमवार को भगवान परशुराम जयंती एवं जल संवर्धन के पावन अवसर पर रीवा यूनिट द्वारा शहर के दो प्रमुख स्थानों पर नि:शुल्क प्याऊ की शुरुआत की गई। पहला प्याऊ शिव-हनुमान मंदिर परिसर में घड़े रखकर प्रारंभ किया गया, जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों को शीतल जल उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं दूसरा प्याऊ दवा इंडिया के सामने ठंडे पानी के जार के माध्यम से शुरू किया गया, जिससे आमजन को राहत मिल सके। कार्यक्रम का शुभारंभ लड्डू वितरण के साथ किया गया, जिससे वातावरण में उत्साह और सेवा भाव की भावना देखने को मिली। इस अवसर पर यूनिट की चेयरपर्सन डॉ. सुनीता पाण्डेय, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लक्ष्मणपुर के प्राचार्य शाहिद परवेज, संगठन सचिव संतोष मिश्रा, जन अभियान परिषद की अध्यक्ष अन्नपूर्णा मिश्रा, कोषाध्यक्ष विजय अग्रवाल, सहसचिव एवं मीडिया प्रभारी प्रकाश यादव, सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर विनोद पांडे सहित यूथ हॉस्टल के जूनियर सदस्य श्रेया मिश्रा एवं स्वरित मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी के इस दौर में प्यासे लोगों और पशु-पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। यूथ हॉस्टल रीवा यूनिट द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के मानवता से जुड़े कार्य किए जाते रहे हैं, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। अंत में आयोजकों ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और ऐसे कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

हर्दीशंकर ग्राम पंचायत में सचिव डकार रहा योजनाओं की राशि

गोविन्दगढ़ ब्यूरो । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता लाने के लिए सभी जिला कलेक्टर के साथ समस्त जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को फरमान जारी कर पंचायत ऐप में बिल, वर्क, आय-व्यय का ब्योरा अपलोड करने के लिए आदेश जारी किया गया है। संवाददाता से बात करते हुए स्थानीय लोगों ने बताया कि रीवा जिले के जनपद पंचायत रीवा के आधीन ग्राम पंचायत हर्दीशंकर में सचिव के द्वारा शासन प्रशासन की राशि हजम करने के लिए पंचायत दर्पण पोर्टल में लाल पीला कागज अपलोड कर शासन प्रशासन की राशि का भारी भरकम राशि खुद डकारने का कार्य किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि लाल पीला कागज फीडिंग करने का मतलब यदि उक्त पंचायत में राशि गवन न की गयी होती तो लाल पीला कागज क्यों पंचायत दर्पण पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। यह प्रश्न ग्राम वासियों में बार - बार आ रहा है और इस प्रश्न का जवाब नही मिल रहा है। लोगों का कहना है कि अब देखना यह है कि समाचार प्रकाशन के बाद जनपद पंचायत ,जिला पंचायत में बैठे आला अधिकारी क्या कार्यवाही करते है या फिर संबंधित आला अधिकारी भी चुप्पी साध लेंगें।

सोनम यादव ने त्योंथर क्षेत्र का किया नाम रोशन

त्योंथर ब्यूरो। रीवा जिले सहित पूरे प्रदेश में हाईस्कूल परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद हर्षोल्लास का माहौल है। इसी क्रम में शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय त्योंथर में अध्ययनरत प्रतिभाशाली छात्रा सोनम यादव ने शानदार प्रदर्शन कर जिले के साथ विद्यालय का मान बढ़ाया है। सोनम यादव, शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल त्योंथर की टॉपर बनी हैं। उन्होंने हाइस्कूल परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय सहित पूरे त्योंथर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। सोनम यादव, ग्राम पंचायत बीरपुर की सरपंच अनीता राजधर यादव की पुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सोनम यादव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग से ही यह उपलब्धि संभव हो सकी। मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय त्योंथर के प्राचार्य विजय चौधरी के कुशल नेतृत्व की वजह से छात्रा ने विद्यालय का नाम रोशन किया।

अक्षय तृतीया पर हुआ जरहा पंचायत में हैंडपंप सुधार कार्य

ग्रामीणों को मिली राहत

गुढ़ (नि. प्र)। भीषण गर्मी के बीच पानी की समस्या से जूझ रहे लोगों को राहत दिलाने के उद्देश्य से गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत जरहा में सराहनीय पहल की गई। अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसर पर गुढ़ क्षेत्र के विधायक नागेन्द्र सिंह द्वारा हैंडपंपों में राइजर पाइप डलवाकर उन्हें सुधारते हुए पुनः चालू कराया गया। जानकारी के अनुसार, हाल ही में विधायक के क्षेत्रीय दौरे के दौरान ग्रामीणों ने बंद पड़े हैंडपंपों की समस्या को उठाया था। इसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया, जिसके बाद ग्राम पंचायत जरहा के सभी खराब हैंडपंपों को सुधारकर चालू कराया गया। सरपंच शिवेंद्र सिंह जरहा ने बताया कि हरिजन एवं आदिवासी बस्तियों में लंबे समय से हैंडपंप बंद पड़े थे और लोग पानी के लिए परेशान थे। 20 अप्रैल को गांव में कई शादियों के आयोजन को देखते हुए स्थिति और गंभीर हो गई थी, लेकिन समय रहते समस्या का समाधान हो गया, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। ग्रामीणों ने इस कार्य के लिए विधायक का आभार जताते हुए कहा कि पानी जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। साथ ही यह भी उम्मीद जताई कि क्षेत्र में अन्य स्थानों पर भी इसी प्रकार के कार्य किए जाएंगे, जहां जल स्तर नीचे जाने के कारण पानी की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि आगे भी पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों की शुरुआत हो चुकी है और आने वाले समय में और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। विधायक के इस प्रयास को जनता ने सराहनीय बताते हुए साधुवाद दिया है।

सतपुरा-पड़िवार मार्ग निर्माण में लापरवाही के आरोप

चाकघाट, नि.प्र. । समीपस्थ ग्राम सतपुरा एवं पड़िवार जनपद (प्रयागराज उत्तर प्रदेश) गांव में आने - जाने हेतु प्रमुख मार्ग जो मौजूदा वक्त में पीडब्ल्यूडी के अधीनस्थ है। संवाददाता को क्षेत्र वासियों ने बताया कि उक्त मार्ग के मरम्मत हेतु ठेकेदार अनिल पासी को नियुक्त किया गया है, जिन्हें सतपुरा स्कूल से पड़िवार गांव तक की सड़क को रिपेयर कर डामरीकरण करना है, किंतु अनेकों स्थानों पर गिट्टी गिरा कर खुद ठेकेदार ही नदारद हैं । इस शादी- विवाह के सीजन में गांव तक साइकिल या बाइक से पहुंचना अत्यंत ही दुर्लभ हो गया है । आए दिन लोग चोटिल भी हो रहे हैं । ज्ञातव्य हो कि वर्ष 1995 से 2005 के मध्य विधायक रहे उदयभान करवरिया के अथक प्रयास एवं उनके विशेष पहल पर इस मार्ग का पहली बार डामर युक्त सड़क का निर्माण कराया गया था। किंतु आज 25 वर्ष बीत जाने के बाद किसी तरह से रिपेयरिंग की स्वीकृति मिली भी तो ठेकेदार साहब लापरवाही पर उतारू है। संयुक्त गांव के निवासी नारीबारी उत्तर प्रदेश समिति के अध्यक्ष इंद्रमणि प्रसाद तिवारी, सरपंच प्रदीप मिश्रा, पूर्व सरपंच महेश तिवारी, राजबहोर तिवारी, रमाकांत पांडे(मुन्ना), रमाशंकर सिंह, शंभू पांडे, कृष्णकांत पांडे इत्यादि लोगों ने संबंधित विभाग के सक्षम अधिकारी महोदय से विनम्रता पूर्वक मांग किया है, कि उक्त लंबित कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण कराया जाए जिससे आवागमन में ग्रामीणों को परेशानी न हो सके ।

आदर्श प्रगति स्कूल गंगेव की छात्राओं ने बढ़ाया विद्यालय का नाम

गढ़। मा शि मं भोपाल द्वारा आयोजित वर्ष 2026 की परीक्षा में हाई स्कूल की छात्राओं लीलावती सोनी 90.5 जान्हवी शुक्ला 90.5 प्रतिशत दीक्षा गौतम 90.5 प्रतिशत सेवांति मिश्रा 10 बी 89 प्रतिशत सावित्री गिरी 82 प्रतिशत वहीं हाइयर सेकेंडरी में पलक तिवारी 84.4 प्रतिशत अंशिका तिवारी 84.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर संचालक शिवम शर्मा प्राचार्य के एन त्रिपाठी उप प्राचार्य आर एन शर्मा प्रधानाध्यापक हीरा मणि शर्मा प्रधानाध्यापक प्राथमिक चंद्रशेखर सोनी शिक्षक गण विमलेश सिंह संजीव सोनी गोवर्धन शर्मा आशुतोष मिश्रा रामखेलावन सोनी विपिन साकेत विवेक शर्मा अंकित शर्मा विजय पटेल पद्म वर्मा रोशनी विश्वकर्मा प्रिया अवस्थी रेखा तिवारी दीपाली अवस्थी शिवांशी शर्मा ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

प्रकाश शिशु मंदिर रायपुर कर्चुलियान ने लहराया सफलता का परचम

रायपुर कर्चुलियान। प्रकाश शिशु मंदिर रायपुर कर्चुलियान ने इस वर्ष कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट सफलता हासिल कर समूचे अंचल में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। जिससे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण बना हुआ है विद्यालय की छात्रा श्रेया पटेल पिता महेंद्र पटेल ने 96प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। द्वितीय स्थान खुशी विश्वकर्मा 86प्रतिशत प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण सुषमा बंसल, सूर्यांश कुमार, श्रद्धा पासी, कृष्णा बंसल, प्रमोद कुमार ,लवली पटेल आदि विद्यालय के प्राचार्य अजय देव मिश्रा ने बताया की विद्यालय बोर्ड परीक्षाओं में निरंतर उत्कृष्ट परिणाम देता रहा है ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं की कमी नहीं है प्रतिभाओं को मूर्ति रूप देना एक शिक्षक का दायित्व होता है। शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण होना चाहिए विद्यालय के संचालक बी डी मिश्रा ने इस सफलता का श्रेय शिक्षकों की मेहनत विद्यार्थियों के परिश्रम तथा अभिभावकों के सहयोग को दिया है। प्राचार्य ने बताया नियमित अध्ययन अनुशासन और विशेष मार्गदर्शन के कारण यह उत्कृष्ट परिणाम संभव हो सका। विद्यालय परिवार सभी को उज्जल भविष्य की शुभकामनाएं देता है ।

विवेक साकेत का सुयश

गोविन्दगढ़ । छोटे से गांव गहिरा के होनहार छात्र विवेक साकेत ने कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने गांव और विद्यालय का नाम रोशन किया है। विवेक ने 500 में से 441 अंक प्राप्त कर 88 प्रतिशत अंक के साथ शानदार सफलता हासिल की। विवेक साकेत, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तंड क्रमांक-1 के छात्र हैं। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन से न केवल परिवार में खुशी का माहौल है, बल्कि पूरे गांव में गर्व की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों और शिक्षकों ने विवेक की इस सफलता को मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम बताया। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि विवेक शुरू से ही पढ़ाई में मेहनती और अनुशासित छात्र रहे हैं। उन्होंने नियमित अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। विवेक की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, ग्रामीणजन एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह सफलता क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

बीएसएस कॉन्वेंट स्कूल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

गुढ़ (नि. प्र)। गुढ़ क्षेत्र के बंजारी स्थित बी एस एस कॉन्वेंट स्कूल (इंग्लिश मीडियम) में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेधावी छात्रों का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुभाग गुढ़ सुधाकर सिंह ने की। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा मंडल गुढ़ के अध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि एडवोकेट अनंत कुमार गुप्ता, पत्रकार इंद्रभान उपाध्याय एवं इजराइल खान शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराया गया तथा विद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। समारोह के दौरान सभी मेधावी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का सम्मान करते हुए उनकी सफलता की सराहना की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के संस्थापक हरीश कुमार पाण्डेय एवं प्राचार्य संजीव कुमार पाण्डेय की विशेष उपस्थिति रही। कायक्रम का सफल संचालन बरमेंन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण—मनोज कुमार द्विवेदी, अविनाश मिश्रा, माया पाण्डेय, सुनील उपाध्याय, अजय संतानी, धीरज मिश्रा, सचिन द्विवेदी, राजू साकेत सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने अपने बच्चों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए विद्यालय परिवार का आभार जताया।

गढ़ी शराब दुकान की पैकारी से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

त्योंथर ब्यूरो। गढ़ी शराब दुकान से क्षेत्र में शराब की पैकारी से परेशान क्षेत्रवासियों ने संवाददाता से बात करते हुए बताया कि जिले के आला अधिकारियों द्वारा एक ओर रीवा को नशा मुक्त बनाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर पुलिस और आबकारी विभाग का सिस्टम पूरी तरह फेल नजर आ रहा है। आलम यह है कि आईजी स्तर के अधिकारियों द्वारा नशे के खिलाफ सख्ती की बात कही जाती है, लेकिन उनके ही अधीनस्थ थानों के नाक के नीचे अवैध नशे का कारोबार फल-फूल रहा है।

गांव-गांव पहुंच रही अवैध शराब

ताजा मामला रीवा जिले के जनेह थाना अंतर्गत गढ़ी कंपोजिट शराब दुकान का है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस दुकान के संचालक द्वारा बेखौफ होकर रोजाना गांव-गांव में अवैध शराब की पैकारी (सप्लाई) कराई जा रही है। नियमों को ताक पर रखकर रिहायशी इलाकों और छोटे-छोटे गांवों तक शराब पहुंचाई जा रही है, जिससे ग्रामीण अंचलों का माहौल खराब हो रहा है।

पुलिस की चुप्पी पर खड़े हो रहे सवाल

हैरानी की बात यह है कि इस अवैध पैकारी की जानकारी स्थानीय पुलिस प्रशासन को शिकायतों के माध्यम से होती है, लेकिन अभी तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। एक तरफ प्रशासन युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह देता है, वहीं दूसरी तरफ शराब दुकानों को अवैध तरीके से गांव-गांव में माल खपाने की खुली छूट मिली हुई है। गढ़ी कंपोजिट दुकान की इस मनमानी से न केवल शासन के राजस्व को क्षति पहुँच रही है, बल्कि कानून व्यवस्था की धज्जियां भी उड़ रही हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से पैकारी पर लगाम लगाने की मांग की है।

गौशालाओं की राशि गटक रहे गौशाला संचालक, निरीक्षण के नाम पर होती है खानापूर्ति

मनिकवार, नि.प्र.। ग्राम पंचायतों में संचालित होने वाली गौशालाओं का संचालन ठीक से नहीं हो रहा है। कागजों में संचालन हो रहा है, फर्जी गौवंश को रखे जाने की संख्या दर्ज कर ली जाती है, पशुपालन विभाग के अधिकारी उसी को सत्यापित कर देते हैं। फिर व्यवस्था के नाम पर लाखों का भुगतान होता रहता है। इस तरह से लगता है कि जिले में गौशालाओं के नाम पर करोड़ों का घोटाला हो रहा है। बावजूद इसके प्रशासन व ग्रामीण विकास विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा मवेशियों से किसान परेशान है, दिन रात वह खेतों की रखवाली करता है, इसे बाद भी फसल को बचाना मुश्किल हो जाता है।

निरीक्षण में मिलती है निरंक स्थिति

संवाददाता को ग्रामीणों ने बताया कि जब पंचायतों में संचालित गौशालाओं का आकस्मिक निरीक्षण होता है तो पता चलता है कि मौके पर गौवंश के नाम पर कुछ मिलता ही नहीं, कर्मचारियों के नाम पर भी कोई नही मिलता, पानी की व्यवस्था, चारा व भूसे की व्यवस्था भी नहीं मिलती। कहीं मृत मवेशी मौके पर मिल जाते हैं तो कहीं जर्जर स्थिति में गौशालाओं की स्थितियां पाई जाती हैं। किन्तु ऐसे मामलों में जब गौशालाओं के संचालकों को नोटिस जारी की जाती हे तो वे अपने फर्जीवाड़े को छिपाने के लिये इस तरह से जबाब देते हैं जैसे सब कुछ ठीक हो। जांच करने वाले, निरीक्षण करने वाले अधिकारियों पर ही सवाल खड़े कर देते हैं। कुल मिलाकर सफेद झूठ के साथ जबाब प्रस्तुत कर दिया जाता है। कई जगह तो क्षमता से अधिक गौवंश की संख्या दिखाई जा रही है। मौके पर जब एक भी गोवंश नही मिलते और नोटिस जारी होती है तो जबाब में संचालक बताते हैं कि सभी गौवंश चरने के लिये भेज दिये गये थे। उनके साथ कर्मचारी भी गये थे। इसलिये मौके पर सब कुछ खाली मिला। किन्तु जहां भूसे का स्टॉक नहीं मिलता एवं अन्य सामग्री भी नहीं मिलती वहां भी जबाब में झूठ गया जाता है। इसलिए समझा जा सकत क पंचायतों में जहां करोड़ों रूपये गौशालाओं के नाम पर खर्च हो रहे हैं वहां की व्यवस्था कितनी खराब है और किस तरह से गौशालाओं के नाम पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है?

फिर भी कोई कार्रवाई क्यों नहीं?

ग्रामीणों ने संवाददात को बताया कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि निरीक्षण, नोटिस व जबाब के आधार पर गौशालाओं के नाम पर होने वाले भ्रष्टाचार को कब तक होने दिया जायेगा। गौशालाओं की वास्तविक स्थिति के अनुसार नियमित निगरानी, औचक निरीक्षण, भौतिम सत्यापन आदि जो जरूरी बाते हैं उनका विधिवत पालन क्यों नहीं किया जाता। औपचारिकता के नाम पर जब तक जांच व निरीक्षण के नाम पर इसी तरह से होता रहेगा तब तक भ्रष्टाचारियों को लूटने का अवसर मिलता ही रहेगा। क्योंकि उन्हें गौवंश की सेवा करने की कोई चिन्ता नहीं होती। उनके पास तो संचालन का अधिकार मिल गया तो यह मान लिया जाता है कि अब सब कुछ उनके ही हाथ में हैं। जैसा वे चाहेंगे वैसा ही होता रहेगा। फिर यहां का पशुपालन विभाग जो नोडल है और जिसकी जिम्मेदारी है, जनपद व विकास खण्ड स्तर पर जिसका अमला है, अधिकारी पदस्थ हैं वे क्या कर रहे हैं। रीवा जिला हो अथवा मऊगंज दोनो जिलों में ग्राम पंचायतों के माध्यम से और समूहों के माध्यम से संचालित होने वाली गौशालाओं में लूट का गोरखधंखा खुले आम चल रहा है। किन्तु सवाल यही है कि इस तरह के मामले में प्रभावी कार्रवाई कब होगी? क्या प्रशासन इस मामले में जानबूझ कर अनजान बने रहना चाहता है? किन्तु ऐसे मामलों में जब गौशालाओं के संचालकों को नोटिस जारी की जाती हे तो वे अपने फर्जीवाड़े को छिपाने के लिये इस तरह से जबाब देते हैं जैसे सब कुछ ठीक हो। जांच करने वाले, निरीक्षण करने वाले अधिकारियों पर ही सवाल खड़े कर देते हैं। मौके पर जब एक भी गौवंश नहीं मिलते और नोटिस जारी होती है तो जबाब में संचालक बताते हैं कि सभी गौवंश चरने के लिये भेज दिये गये थे। उनके साथ कर्मचारी भी गये थे। इसलिये मौके पर सब कुछ खाली मिला। किन्तु जहां भूसे का स्टॉक नहीं मिलता एवं अन्य सामग्री भी नहीं मिलती वहां भी जबाब में झूठ परोसा जाता है।

इसलिये समझा जा सकता है कि पंचायतों में जहां करोड़ों रूपये गौशालाओं के नाम पर खर्च हो रहे हैं वहां की व्यवस्था कितनी खराब है और किस तरह से गौशालाओं के नाम पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि निरीक्षण, नोटिस व जबाब के आधार पर गौशालाओं के नाम पर होने वाले भ्रष्टाचार को कब तक होने दिया जायेगा।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

क्लासेन (हैदराबाद)	283
शुभमन गिल (गुजरात)	265
विराट (आरसीबी)	247

पर्पल कैप (गेंदबाज)

अंशुल कंबोज(चेन्नई)	13
प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात)	12
प्रिंस यादव (लखनऊ)	11

बाउंड्री मीटर

520 छक्के

930 चौके

62 अर्धशतक

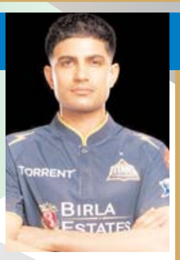

बतौर कप्तान शुभमन गिल का यह गुजरात टाइटंस के लिए 31वां मुकाबला है। इसके साथ ही उन्होंने हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ दिया।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	6	5	0	11	+1.420
बेंगलुरु	6	4	2	8	1.171
राजस्थान	6	4	2	8	+0.599
हैदराबाद	6	3	3	6	0.566
दिल्ली	5	3	2	6	0.310
गुजरात	6	3	3	6	-0.821
मुंबई	6	2	4	4	0.067
चेन्नई	6	2	4	4	-0.780
लखनऊ	6	2	4	4	-1.173
कोलकाता	7	1	5	3	-0.879

मैच 30: एमआई को लगातार चार हार के बाद मिली जीत, 99 रन से सीजन की सबसे बड़ी जीत दर्ज की

मुंबई की चौथी सबसे बड़ी जीत, पहली बार गुजरात को उसके घर में हराया

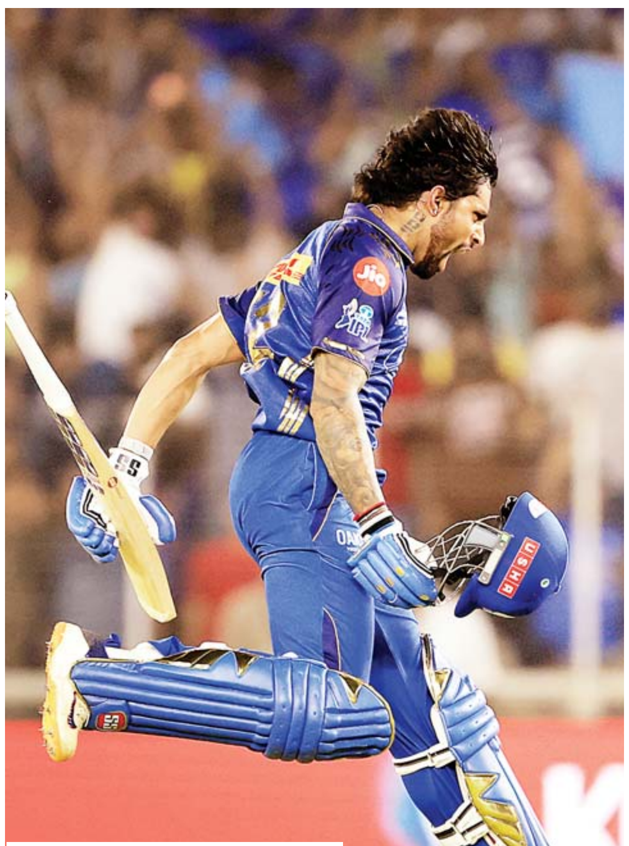

आईपीएल का पहला शतक

प्लेयर ऑफ द मैच : तिलक

रन	गेंद	चौके	छक्के
101*	45	08	07

जेएनएन, अहमदाबाद

तिलक वर्मा के नाबाद तूफानी शतक के बाद अश्वनी कुमार की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में सोमवार को लगातार चार हार के क्रम को तोड़ते हुए गुजरात टाइटंस को 99 रन से हराया, जो मौजूदा सत्र में रनों के लिहाज से किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है। इस सीजन में दूसरी जीत के साथ मुंबई सातवें पायदान पर पहुंच गई। इसके साथ ही मुंबई ने पहली बार अहमदाबाद में गुजरात को शिकस्त दी। इससे पहले पांच बार उसे हार मिली। यह मुंबई की रनों के अंतर से आईपीएल में उनकी चौथी सबसे बड़ी जीत है। वहीं, गुजरात दूसरी बार अपने सबसे छोटे स्कोर पर ऑलआउट हुई। तिलक ने आईपीएल के अपने पहले शतक के दौरान नाबाद 101 रन की पारी खेलने के अलावा कप्तान हार्दिक पंड्या (15 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 81 और नमन धीर (45) के साथ चौथे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी भी की, जिससे मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाए। इसके जवाब में टाइटंस की टीम अश्वनी कुमार (24 रन पर चार विकेट), एएम गजनफर (17 रन पर दो विकेट) और मिचेल सैंटनर (16 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 15.5 ओवर में 100 रन पर सिमट गई, जो कि तिलक के व्यक्तिगत स्कोर से एक रन कम था। वाशिंगटन सुंदर ने सर्वाधिक 26 रन बनाए, जबकि उनके अलावा शाहरुख खान (17), कप्तान शुभमन गिल (14) और कागिसो रबाडा (12) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। तिलक की पारी की बदौलत मुंबई अंतिम चार ओवर में 73 रन जोड़ने में सफल रही।

■ तिलक ने पहली 22 गेंदों पर एक भी चौका नहीं लगाया था और इतनी गेंदों का सामना करने के बाद उन्होंने मात्र 19 रन ही बनाए थे। लेकिन इसके बाद तिलक ने अगली 23 गेंदों पर 82 रन जोड़ डाले। इससे आईपीएल की एक पारी में सिर्फ एक बार ऐसा हुआ था जब किसी बल्लेबाज ने पहली 20 गेंदों पर एक भी बाउंड्री नहीं लगाया था और इसके बाद उस बल्लेबाज ने 70 या उससे अधिक रन बनाए थे। तिलक से पहले यह कारनामा मयंक अग्रवाल ने 2020 में दिल्ली के खिलाफ किया था, जब उन्होंने 60 गेंदों पर 89 रन बनाए थे। उससे पहले मयंक ने पहली 23 गेंदों पर वह मात्र 14 रन बनाकर खेल रहे थे।

■ चोट लगने के बावजूद तिलक थमे नहीं और उन्होंने अंतिम ओवर करने आए प्रसिद्ध के खिलाफ दो छक्के और दो चौकों की मदद से कुल 21 रन बटोर लिए। तिलक ने अंतिम गेंद पर चौका लगाते हुए शतक पूरा किया। तिलक ने 45 गेंदों पर शतक पूरा किया था, जो कि मुंबई के लिए सनत जयासूर्या के साथ संयुक्त रूप से सबसे तेज शतक है।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंसः 199/5 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
डिकॉक का. एंड बो. रबाडा	13	11	1	1
मालेवार पगबाधा बो. रबाडा	2	4	0	0
धीर का. रबाडा बो. कृष्णा	45	32	6	1
सूर्यकुमार यादव बो. रबाडा	15	10	1	1
तिलक वर्मा नाबाद	101	45	8	7
हार्दिक का. फिलिप्स बो. सिराज	15	16	1	0
शरफेन रदरफोर्ड नाबाद	1	2	0	0

अतिरिक्तः 7, **कुलः** 20 ओवर में पांच विकेट पर 199 रन, **विकेट पतनः** 1-10, 2-25, 3-44, 4-96, 5-177, **गेंदबाजीः** मोहम्मद सिराज 4-0-25-1, कगिसो रबाडा 4-0-33-3, अशोक शर्मा 3-0-38-0, राशिद खान 4-0-31-0, प्रसिद्ध कृष्णा 4-0-54-1, वॉशिंगटन सुंदर 1-0-13-0.

गुजरात टाइटंसः 100/10 (15.5ओवर)

	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का. भगत बो. बुमराह	0	1	0	0
गिल का. धीर बो. अश्वनी	14	13	3	0
बटलर पगबाधा बो. हार्दिक	5	6	1	0
सुंदर का. नमन बो. सैंटनर	26	17	5	0
फिलिप्स का. एंड बो. सैंटनर	6	8	0	0
तेवतिया का. डिकॉक बो. अश्वनी	8	11	1	0
शाहरुख का. धीर बो. अश्वनी	17	13	1	1
राशिद का. बावा बो. अश्वनी	4	6	0	0
रबाडा स्टं. डिकॉक बो. गजनफर	12	14	2	0
अशोक शर्मा नाबाद	1	3	0	0
सिराज पगबाधा बो. गजनफर	0	3	0	0

अतिरिक्तः 7, **कुलः** 15.5 ओवर में 100 रन पर सभी आउट, **विकेट पतनः** 1-0, 2-5, 3-40, 4-54, 5-55, 6-79, 7-85, 8-86, 9-99, 10-100, **गेंदबाजीः** बुमराह 3-0-15-1, हार्दिक 1-0-18-1, कृष 2-0-10-0, अश्विनी 4-0-24-4, गजनफर 2.5-0-17-2, मिचेल सैंटनर 3-0-16-2.

हालैंड और रायन के गोल की मदद से सिटी ने आर्सेनल को 2-1 से हराया

प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को हराकर खिताबी दौड़ को रोमांचक बनाया

जेएनएन, मैनचेस्टर

स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड के दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को 2-1 से हराकर प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ को रोमांचक बना दिया है। इस जीत से इस सिटी के 32 मैच में 67 अंक हो गए हैं, जबकि शीर्ष पर काबिज आर्सेनल के 33 मैच में 70 अंक हैं। तीसरे और चौथे नंबर पर काबिज मैनचेस्टर यूनाइटेड और एस्टन विला के समान 58 अंक हैं। मैनचेस्टर सिटी को बुधवार को रेलीगेशन के खतरे से जूझ रही बर्नली के खिलाफ मैच खेलना है और संभावना है कि पेप गार्डियोला की टीम इस मैच में जीत हासिल करके आर्सेनल की बराबरी पर पहुंच जाएगी और पांच दौर के मैच शेष रहते हुए बढ़त हासिल कर लेगी। हालैंड ने 65वें मिनट में गोल किया, जबकि रायन चेर्की ने 16वें मिनट में सिटी को बढ़त दिलाई, लेकिन आर्सेनल ने दो मिनट बाद ही काई हावर्ट्ज के गोल से बराबरी कर दी थी।

■ हालैंड का यह लीग में 23वां गोल है और वह इस प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

सलाह ने की जेरार्ड की बराबरी

इस बीच लिवरपूल और एस्टन विला ने स्टॉपेज टाइम में विजयी गोल दागने के बाद चैंपियंस लीग में जगह बनाने की तरफ कदम बढ़ाए। वर्जिल वैन डाइक ने अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में हेडर से गोल करके लिवरपूल को एवर्टन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस मैच में मोहम्मद सलाह ने रिकॉर्ड की बराबरी करने वाला गोल किया। उन्होंने लिवरपूल की तरफ से 1992 (प्रीमियर लीग युग) के बाद सर्वाधिक गोल करने के स्टीवन जेरार्ड के बराबरी की। सलाह इस सत्र के बाद लिवरपूल छोड़ देंगे। एस्टन विला ने स्टॉपेज टाइम के तीसरे मिनट में टैमी अब्राहम के गोल की बदौलत सदरलैंड को 4-3 से हराया।

लियोन ने पीएसजी को हराकर लेंस की खिताब की उम्मीद जगाई

पेरिस, जेएनएन। ब्राजील के फॉरवर्ड एंड्रिक ने एक गोल किया और एक गोल करने में मदद की, जिससे लियोन ने शीर्ष पर काबिज पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 2-1 से हराकर फ्रांसीसी फुटबॉल प्रतियोगिता लीग 1 में तीसरा स्थान हासिल करके चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई करने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया। पीएसजी की इस सत्र में लीग में यह पांचवीं हार है, जिससे दूसरे स्थान पर काबिज लेंस की खिताब जीतने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। पीएसजी अब लेंस से केवल एक अंक आगे है। पीएसजी ने हालांकि उससे एक मैच कम खेला है। पीएसजी के 28 मैच में 63, जबकि लेंस के 29 मैच में 62 अंक हैं। लियोन के 30 मैच में 54 अंक हैं।

बराबरी के मुकाबले में दिल्ली पर जीत दर्ज करने उतरेगी हैदराबाद

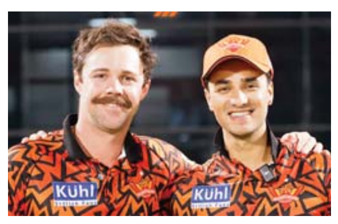

जेएनएन, हैदराबाद

पिछले दो मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले आईपीएल के 31वें मैच में घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। दोनों टीम के अभी छह-छह अंक है, लेकिन सनराइजर्स का नेट रन रेट बेहतर है और इसलिए वह चौथे स्थान पर काबिज है। हालांकि हैदराबाद ने दिल्ली से एक मैच अधिक खेला है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 26 मुकाबले हुए हैं, जिसमें हैदराबाद को 13 जबकि दिल्ली को 12 में जीत हासिल हुई है, जबकि एक मैच रद्द हो गया था। वहीं हैदराबाद में हुए सात मैचों में भी मुकाबला बराबरी का है और दोनों टीमों को तीन-तीन मैचों में जीत हासिल हुई है। कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में सनराइजर्स की गेंदबाजी कमजोर नजर आ रही थी, लेकिन उसने धीरे-धीरे इसमें सुधार कर लिया है।

स्पिनर अभिषेक के लिए चुनौती

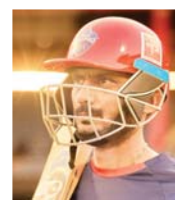

अभिषेक शर्मा ने इस सीजन में छह पारियों में दो अर्धशतक तो लगाए हैं, लेकिन दो बार शून्य पर भी आउट हुए हैं। दिल्ली के खिलाफ उन्हें कुलदीप और अक्षर से सावधान रहना होगा। दोनों उन्हें तीन पारियों में दो-दो बार आउट कर चुके हैं। कुलदीप के खिलाफ अभिषेक का स्ट्राइक रेट 292 का है, जबकि अक्षर के खिलाफ वह सिर्फ 75 के स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाते हैं।

क्लासेन का शानदार फॉर्म

छह पारियों में तीन अर्धशतकों के साथ सर्वाधिक 283 रन बना चुके हेनरिक क्लासेन का फॉर्म इस मैच में भी जारी रह सकता है। दिल्ली का कोई भी गेंदबाज टी-20 में उन्हें खास परेशान नहीं कर पाता है। वह लुंगी एन्गिडी के खिलाफ 243, जबकि कुलदीप के खिलाफ 192 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं और दोनों ने क्लासेन को कभी भी टी-20 मैचों में आउट नहीं किया है। अक्षर ने 10 पारियों में उन्हें एक बार आउट जरूर किया है, लेकिन वह, अक्षर पर भी 180 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

मैदान से हटकर

शादी के बंधन में बंधे इंग्लिस, 4 मई को लखनऊ से जुड़ेंगे

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जॉश इंग्लिस ने मंगेतर मेगन किन्कार्ट को अपना जीवन साथी बना लिया है। अब 4 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ जुड़ने की उम्मीद है। मुश्किलों से जूझ रही लखनऊ के लिए सत्र के बीच में यह एक बड़ी राहत की खबर है। इस तूफानी बल्लेबाज ने 18 अप्रैल को शादी कर ली है और भारत के लिए उड़ान भरने से पहले वह कुछ और सप्ताह बिताएंगे। अपनी शादी की वजह से 31 साल के इंग्लिस ने सत्र के पहले हाफ में नहीं खेलने का फैसला किया था। पिछले सीजन पंजाब किंग्स के लिए उन्होंने 162.57 के स्ट्राइक रेट से 278 रन बनाए थे और उन्हें दल से रिलीज कर दिया गया था। इसके बाद पिछले छह महीने में फॉर्म ने उनका साथ नहीं दिया है, पिछले साल अगस्त से लेकर अब तक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेली 20 पारियों में उन्होंने एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। लखनऊ ने उन्हें नीलामी में 8.60 करोड़ में खरीदा था। रिषभ पंत की कप्तानी वाली टीम अपने पिछले तीन मैच हार चुकी है और अंक तालिका में आठवें स्थान पर है । (जेएनएन)

पहली यूरोपीय टी-20 प्रीमियर लीग में छह टीमें खेलेंगी, 33 मुकाबले होंगे

मुंबई, जेएनएन। पहली यूरोपीय टी-20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) ने सोमवार को स्कॉटलैंड की 'ग्लास्गो मुगाफियंस' फ्रेंचाइजी की घोषणा की, जिसमें वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर क्रिस गेल सह मालिक और वैश्विक ब्रांड दूत होंगे। बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन के सह स्वामित्व वाली ईटीपीएल का पहला सत्र 26 अगस्त से 20 सितंबर के बीच खेला जाएगा, जिसमें छह फ्रेंचाइजी के बीच 33 मैच छह शहरों ग्लास्गो, एम्सटर्डम, एडिनबर्ग, डबलिन, बेलफास्ट और रोटरडम में खेले जाएंगे। लीग के अनुसार ग्लास्गो टीम का स्वामित्व तंशा बत्रा के पास होगा, जबकि मुगाफी ग्रुप संस्थापक साझेदार रहेगा। गेल इसके सह मालिक और वैश्विक ब्रांड दूत होंगे। यूरोप की पहली मान्यता प्राप्त लीग में गेल जैसे बड़े नाम के साथ फ्रेंचाइजी में शुरूआती निवेश सुनहरा मौका है। ईटीपीएल की एम्सटर्डम टीम से ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ और महान हॉकी खिलाड़ी जैमी ड्वायेर जुड़े हैं। बेलफास्ट टीम के सह मालिक ग्लेन मैक्सवेल हैं, जबकि एडिनबर्ग टीम को काइल मिल्स और नाथन मैकुलम का समर्थन हासिल है।

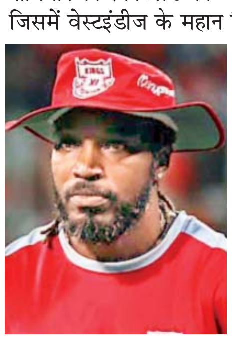

राणा ने करियर में दूसरी बार झटके पांच विकेट, बांग्लादेश ने की सीरीज बराबर

दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड छह विकेट से हारा, 23 को निर्णायक मुकाबला

मीरपुर, जेएनएन। तेज गेंदबाज नाहिद राणा (32 रन पर पांच विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर बांग्लादेश ने तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे में सोमवार को न्यूजीलैंड को छह विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। निर्णायक मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा। नाहिद ने दूसरी बार पांच विकेट चटकाए, जिससे न्यूजीलैंड की टीम 48.4 ओवर में 198 रन पर सिमट गई। जवाब में बांग्लादेश ने सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन (58 गेंदों पर 76 रन) की तेज पारी की बदौलत 87 गेंद शेष रहते चार विकेट पर 199 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के लिए नजमुल हुसैन शांतो ने रिटायर हर्ट होने से पहले धैर्यपूर्ण 50 रन बनाए। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज निक केली ने 83 रन बनाए। हालांकि, उन्हें अन्य बल्लेबाजों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला और कोई भी बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। नाहिद ने 144.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हेनरी निकोल्स को आउट कर शुरुआती झटका दिया। इसके बाद अगले ही ओवर में उन्होंने विल यंग को भी पवेलियन भेज दिया। टीम में वापसी कर रहे सौम्य सरकार की गेंद पर टॉम लैथम विकेटकीपर लिटन दास को कैच दे बैठे। केली शरीफुल इस्लाम की शॉर्ट पिच गेंद पर आउट हुए। शरीफुल ने इसके बाद ब्लेयर टिकनर को भी पवेलियन भेजा। नाहिद ने जेडन लेनॉक्स को बिना खाता खोले बोल्ड कर अपने पांच विकेट पूरे किए।

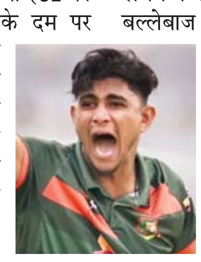

खेल एक नजर

पूर्व अफगानिस्तान गेंदबाज लड़ रहे जिंदगी की जंग

नई दिल्ली, जेएनएन। अफगानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी हेमोफैगोसिटिक लिम्फो हिस्टियोसाइटोसिस (एचएलएच) होने का पता चला है। बाएं हाथ के इस 38 वर्षीय तेज गेंदबाज को फिलहाल नई दिल्ली के एक अस्पताल में आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जहां जनवरी से उनका इलाज चल रहा था। मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करने वाला 'एचएलएच' एक ऐसी बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली काफी कमजोर हो जाती है। शापूर ने 2009 से 2020 के बीच अफगानिस्तान के लिए कुल 80 अंतरराष्ट्रीय (44 वनडे और 36 टी-20) मैच खेले। शापूर के छोटे भाई गमार जादरान ने बताया कि उनके भाई को सबसे पहले पिछले साल अक्टूबर में अस्वस्थ महसूस हुआ था और बाद में अफगानिस्तान के डॉक्टरों ने उन्हें इलाज के लिए भारत जाने की सलाह दी थी। गमार ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' को बताया, यह एक बहुत ही गंभीर संक्रमण था।

बायर्न म्यूनिख ने 14 साल में 13वीं जीता बुंडेसलीगा खिताब

म्यूनिख, जेएनएन। बायर्न म्यूनिख ने स्टटगार्ट पर 4-2 से आसान जीत हासिल करके पिछले 14 साल में 13वीं बार जर्मन फुटबॉल लीग बुंडेसलीगा का खिताब अपने नाम किया। बायर्न म्यूनिख की इस जीत के नायक भी हैरी केन रहे, जिन्होंने दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरने के बाद सत्र का अपना 32वां गोल किया। इससे पहले राफेल गुएरेरो (31वें), निकोलस जैक्सन (33वें) और अलफांसो डेविस (37वें) ने सात मिनट के अंदर तीन गोल करके बायर्न म्यूनिख को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था। स्टटगार्ट की तरफ से क्रिस फ्यूरिच (21वें) और चेमा आंद्रेस (88वें) ने गोल किए। इस जीत के साथ बायर्न म्यूनिख ने जर्मन लीग के चार राउंड शेष रहते हुए दूसरे स्थान पर मौजूद बोरुसिया डॉर्टमुंड पर 15 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है। डॉर्टमुंड की एक दिन पहले हॉफेनहाइम से हार के बाद बायर्न को खिताब जीतने के लिए केवल एक अंक की जरूरत थी। बायर्न म्यूनिख के अब 30 मैच में 79 और डॉर्टमुंड के इतने ही मैच में 64 अंक हैं।

■ बायर्न म्यूनिख ने रिकॉर्ड बनाते हुए 35वीं बार जर्मन चैंपियनशिप जीती है, जिसमें 1932 में जीता गया खिताब भी शामिल है। उसने बाकी सभी खिताब 1963 में बुंडेसलीगा के गठन के बाद जीते हैं।

■ बायर्न म्यूनिख 2012-13 के बाद केवल एक बार 2023-24 में खिताब नहीं जीत पाया था। तब बायर्न लेवरकुसेन चैंपियन बना था तथा बायर्न म्यूनिख तीसरे स्थान पर रहा था।

सिटी स्पोर्ट्स

विकास-प्रारब्ध के अर्धशतक भोपाल सात विकेट से जीता

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच विकास शर्मा और प्रारब्ध मिश्रा के अर्धशतक की बदौलत भोपाल ने बॉयज अंडर-22 लिमिटेड ओवर्स टूर्नामेंट 2025-26 में इंदौर को सात विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ भोपाल को 4 अंक मिले। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंदौर ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 223 रन बनाए। सोहम पटवर्धन ने 49, आयुष वर्मा ने 43 और सचिन जांगिड़ ने 29 रन का योगदान दिया। भोपाल के नीरज ग्रोवर ने 2, जबकि अनिमेष सिंह और तन्मय पांडे ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में भोपाल ने 47.3 ओवर में तीन विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम किया। विकास ने 71 और प्रारब्ध ने 51 रन बनाए। प्रियांशु प्राण ने 49 रन बनाए। इंदौर के रिषभ भंडारी ने 2 विकेट लिए।

भोपाल की महिला टीम ने चंबल को 9 विकेट से रौंदा

भोपाल, खेप्र। भोपाल की महिला टीम ने सीनियर विमेंस जेएस आनंद ट्रॉफी लिमिटेड ओवर इंटर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट में चंबल को 9 विकेट से हराया। एमपीसीए द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में इंदौर के एसएस कम्यून मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चंबल की टीम 46 ओवर में 127 रन पर सिमट गई। सोनिया शर्मा ने 58, वंशिका राजपूत ने 24 और सोनिया सिंह ने 20 रन बनाए। भोपाल की श्रेया दीक्षित ने 3 विकेट लिए। जवाब में भोपाल ने 17.5 ओवर में एक विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। निकिता सिंह ने नाबाद 56 और सौम्या तिवारी नाबाद 49 रन बनाए। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 101 रन की पार्टनरशिप हुई।

पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री आज आएंगी रीवा

रीवा। पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमंतु और अर्द्ध घुमंतु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभारी) कृष्णा गौर रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा 21 अप्रैल को सुबह 7.55 बजे रीवा पहुंचेंगी। गौर सर्किट हाउस में सुबह 10 बजे विभागीय अधिकारियों की बैठक लेंगी तथा छात्रावासों का निरीक्षण करेंगी। श्रीमती गौर पार्टी कार्यालय में दोपहर 2 बजे पत्रकारों से चर्चा करने के उपरांत दोपहर 3 बजे मैहर के लिए प्रस्थान करेंगी।

लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक आज

रीवा। लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक 21 अप्रैल को आयोजित की गयी है। बाणसागर सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में एमएसएमई उद्योगों के संवर्धन, विकास नीति एवं योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा की जायेगी। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जेपी तिवारी ने बोर्ड के सदस्यों से बैठक में उपस्थिति की अपेक्षा की है।

एमपी-यूपी के आधा दर्जन तस्कर गिरफ्तार

जागरण, रीवा। दो लग्जरी कार से गांजा की तस्करी करते आधा दर्जन तस्कर पुलिस के हाथ लगे हैं। यूपी के आरोपी खरीददारी के लिए रीवा आए हुए थे तभी रविवार की दोपहर बिछिया, रायपुर कर्चुलियान और गुढ़ पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी सीधी, रीवा और बांदा के रहने वाले हैं। तस्करों के कब्जे से पुलिस ने दो लग्जरी कार में 28 किलो 950 ग्राम गांजा जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की। खड्डा रीठी तलाब भीटा के पास घेराबंदी कर आरोपियों का पकड़ा गया। पकड़े गए आधा दर्जन आरोपियों के पास से पुलिस ने नकदी, मोबाइल फोन सहित करीब 4.20 लाख रु अवैध गांजा जब्त किया है। प्रशिक्षु आईपीएस राजीव अग्रवाल थाना प्रभारी बिछिया ने बताया कि रेड कार्यवाही करते हुए खड्डा रीठी तलाब भीटा के पास आरोपी गांजा के लेनदेन के लिए रुके हुए थे, घेराबंदी कर आरोपी अतुल पटेल पिता रामायण प्रसाद पटेल निवासी ग्राम घोर्पा थाना मनगवां, राधेश्याम कश्यम पिता रामबहादुर कश्यम निवासी जसरीपुर्वा बांदा यूपी, आशीष पटेल पिता रमेश पटेल निवासी घोपी थाना मनगवां, सुनील कुमार जायसवाल पिता स्व. कमला प्रसाद जायसवाल निवासी ग्राम पोड़ी थाना सेमरिया, अनुज निषाद पिता शिव नारायण निषाद निवासी जसरी पूर्वा थाना जसपुरा जिला बदा उत्तरप्रदेश व राजा जायसवाल पिता मुन्ना जायसवाल निवार्सी पोड़ी थाना सेमरिया जिला सीधी के कब्जे से 28 किलो 930 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया है।

किशोर के साथ घेराबंदी कर मारपीट वीडियो वायरल

रीवा। सेमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोदहा के समीप एक 17 वर्षीय किशोर से मारपीट किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पूरीर घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल है। हालांकि पीड़ित द्वारा अभी घटना की शिकायत थाने में दर्ज नहीं कराई गई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम गोदहा निवासी 17 वर्षीय किशोर सूरज आदिवासी रोजाना की तरह रविवार की दोपहर तकरीबन ढाई बजे नदी में नहाने जा रहा था। इस दौरान जैसे ही वह दुकान से शैम्पू लेकर निकला तभी रास्ते में उसे गांव के ही आधा दर्जन युवकों ने रोक लिया और गाली गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। बताया गया है कि जिस स्थान पर मारपीट की गई वहां पर सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ था जिसमें मारपीट का वीडियो कैद हो गया और अब वह वायरल हुआ है।

नदी में डूबने से 14 वर्षीय किशोर की मौत

रीवा। शहर के बिछिया नदी के गहरे पानी में डूबने से 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना सोमवार की सुबह बिछिया नदी के छ्तुरिहा घाट पर हुई। बताया जा रहा है कि नाबालिग घर से नदी में नहाने पहुंचा था, जहां सीढ़ियों से पैर फिसलने की वजह से वह गहरे पानी में जा समाया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी है, जिसके बाद मौके पर बिछिया पुलिस पहुंची। नदी में डूबे नाबालिग की पहचान साहिल बंसल पिता कमलेश बंसल उम्र करीब 14 वर्ष निवासी नारायण चक्की के पास बिछिया निवासी के रूप में हुई है।

गांजा की पुड़िया बेचते महिला पकड़ाई

रीवा। सिटी कोतवाली पुलिस ने एक 62 साल की महिला को गांजा की पुड़िया बेचते पकड़ा है। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध गांजा जब्तकर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। सिटी कोतवाली पुलिस से हासिल जानकारी के मुताबिक आरोपी महिला प्रेमा लोनिया के खिलाफ पूर्व में भी दो मामले दर्ज थे।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433 9981287311

आवश्यकता है
फेथ ब्रिक्स इण्डस्ट्रीज रीवा में
मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की
(कम से कम 5 वर्ष का अनुभव)
वेतन योग्यतानुसार
अपना रिज्यूम WhatsApp करें
6264002713

डॉ. बीरभान सिंह
एम.डी. (मेडिसिन)
DrNB (न्यूरोलॉजी) पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक
कंसल्टेन्ट न्यूरोलॉजिस्ट
उपलब्ध सुविधाएं
● कमर दर्द (साइटिका ● मिर्गी (फिट), बुखारी मिर्गी, बच्चों की मिर्गी ● सिर दर्द माइग्रेन/अर्ध कपारी
● मूवमेंट डिसार्डर्स (ऑखें एवं चेहरे का फड़कना, गर्दन टेढ़ी होना) ● बोटॉक्स का इंजेक्शन लगाना
● पार्किंसंस (हाथ पैर में कपन होना), अनिद्रा, नीद में बडबडाना या चौक जाना। ● चक्कर आना (वर्टाइगो)
● यादाश्त में कमी, पेशाब का पता न चलना व कपड़ों में पेशाब निकल जाना, भूलने की बीमारी।
● आँखों में दर्द के साथ-साथ धुंधला दिखना और दो-दो दिखाई देना, रंग साफ न दिखना आचानक से आँखो की रोशनी कम होना ● हाथ पैर में झनझनाहट या सुन्नपन, झुनझुनी (न्यूरोपैथी)
● अनिद्रा (स्लीप डिसाआर्डर) ● मस्तिष्क एवं रीढ़ के इन्फेक्शन ● चलने में परेशानी, लड़खड़ा के चलना, धीरे-धीरे चलना, चलते समय गिर जाना व गिरने का भय। ● दिमागी बुखार ● मांसपेशियों में कमजोरी, फड़कना या हाथ पैर का पतला होना ● गर्दन दर्द (सर्वाइकल स्प,ण्डलाइटिस) ● चेहरा का तिरछापन (बेल्स पालसी)
पता: श्रवण कुमारी स्कूल के पास,गुड़ रोड चिरहुला, रीवा (म.प्र.) मो. 7869516171

THE BRAIN SHAPER
SENIOR SECONDARY SCHOOL
Shaping Brilliant Minds with Discipline and Excellence
Director: B. M. SHARMA
Renowned Coach
FOCUS DISCIPLINE DEDICATION QUALITY SUCCESS
LEARN with UNDERSTANDING | LEAD with CONFIDENCE | ACHIEVE with COMMITMENT | GROW with VALUES
DISCIPLINE TODAY, EXCELLENCE TOMORROW
Saman Bandh Rewa 9300607071

रीवा में पहली बार
यूरोलॉजी एवं किडनी संबंधित बीमारियों के उपचार हेतु
कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल इंदौर के एक्सपर्ट अब
मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
OPD क्लीनिक की सुविधा
यदि आप इन समस्याओं से परेशान हैं, तो आज ही पाएं उपचार एवं परामर्श:
पथरी, प्रोस्टेट, मूत्र मार्ग के रोग/ कैंसर का आधुनिक इलाज।
किडनी ट्रांसप्लांट संबंधित सलाह एवं उपचार।
डॉ. विकास सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (General Surgery), M.Ch.
मिलने का समय प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार को समय: दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक
यूरोलॉजी जेनिटो-यूरो ऑन्कोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी
न्यू बस स्टैंड के पास, शारदा पुरम रोड, रीवा
अपॉइंटमेन्ट के लिए सम्पर्क करें: 07662-314775,7771000668

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
* IUI, IVF, ICSI
* फ्रोजन एंब्रिया ट्रांसफर साइकिल (FET)
* एग फ्रीजिंग
* एंब्रियो फ्रीजिंग
* स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

डॉ. अनुशा पाण्डेय
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (ऑब्स एण्ड गायनी)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, लेप्रोस्कोपिक सर्जन
संबंधित समस्याएँ
● सफेद पानी जाना, मासिक में अनियमितता
● मासिक के समय दर्द एवं अधिक रक्त स्त्राव
● पेशाब का लीक होना, बदबू आना, जलन होना एवं पेशाब सम्बन्धी समस्या
● बच्चा रोक थाम का उपाय
● बाँझपन का इलाज
● अंडाशय की गांठ के ऑपरेशन
● बच्चेदानी के ऑपरेशन
● बच्चेदानी के रसौनी का इलाज
● पॉलीसिस्टिक ओवरी डिजीज का इलाज
● रजोनिवृति (Menopause) की समस्याएँ
● नॉर्मल डिलिवरी एवं सिजेरियन डिलिवरी
परामर्श समय: सुबह 11:00 बजे से सायं 07:00 बजे तक प्रतिदिन
निःशुल्क परीक्षण कैम्प हर महीने की 15 तारीख को समय: सुबह 11 से दोपहर 02 बजे तक
एच.बी. और सुगर जांच फ्री सोनोग्राफी में 20% की छूट
मिलने का पता श्री समाधान सोनोग्राफी सेंटर
कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम के सामने शॉप नं.-39, 39A समदड़िया मेडिकल मॉल-रीवा
8085813545

विंध्य के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ. पी. सी. द्विवेदी
एम.एस. (नेत्र)
सेवानिवृत्त एवं पूर्व विभागाध्यक्ष
का नया पता
समय: सुबह 10 बजे से 2 बजे तक
जूनियर MIG-3 हेडगेवार नगर
कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम के सामने, रीवा
आस्था मेडिकल स्टोर, ढेकहा तिराहा, रीवा
समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
8966825155,7225925922,9179687302

10 YEAR WARRANTY
BAJAJ SECURE • AMC • ROAD SIDE ASSISTANCE
72198 21111
BAJAJ AUTO CREDIT | SHRIRAM Finance | IDFC FIRST Bank ALWAYS YOU FIRST | L&T Finance | TATA CAPITAL Two Wheeler Loans
*नियम और शर्तें लागू. फ़ायनान्स उपलब्ध है फ़ायनान्सर के अपने स्व-निर्णय पर. पल्सर N160 USD सिंगल सीट वैरिएंट पर दिए गए ई-कॉम ऑफ़र्स, संबंधित ई-कॉम पार्टनर की शर्तों के अधीन हैं. ई-कॉम ऑफ़र्स हर पार्टनर के अनुसार परिवर्तित हो सकते हैं. स्टंट्स, एक्सपर्ट्स द्वारा प्रोफ़ेशनल सुपरविज़न के तहत, आम जनता या आम रास्तों से हट कर नियंत्रित और बंद सीमित वातावरण में किए गए हैं. कृपया इन स्टंट्स की नकल करने का प्रयास न करें और हर समय ट्रैफ़िक तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें.
Authorised Dealers for Bajaj Auto Ltd.: Balaghat: SAI BAJAJ 9425822517 • **Chatarpur:** TIKARIYA BAJAJ 7470901984• **Satna:** FOUZDAR BAJAJ 8109073002, 9399480294, 9425173001, AA Autorider: 9098500556 9098500557 **Rewa** UPPAL BAJAJ 07662-408300, 9301991092, 9424822015 • **Seoni** FRONTIER A S BAJAJ 9302893612• **Sidhi JL Motors 9303942425 6269279293• Shahdol:** JAYSHREE BAJAJ 7879858023 • **Singroli: Waidhan** JAISWAL BAJAJ 7354131415 • **Tikamgarh:** TIKARIYA BAJAJ **7999169461.**

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं– 1505/57, डाक पंजीयन क्र.– रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** – 9993315949 **सीधी**–7089620900 **सिंगरौली**–9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com